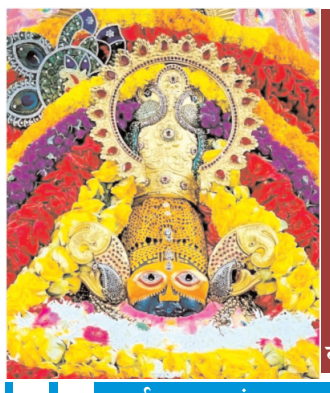


RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:279। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (रविवार) 31 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

राजस्थान के 5 जिलों में रेतीला बवंडर

● दिन में अंधेरा छाया:पाकिस्तान से उठे तूफान ने बदला मौसम

यूपी-बिहार में आंधी-बारिश से 48 मौतें

एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में शनिवार दोपहर रेतीला तूफान आया है। इसके कारण करीब 200 वर्ग किलोमीटर के एरिया प्रभावित हुआ। हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर के रेतीले तूफान की शुरुआत हुई।

इस दौरान 60 से 80 kmph की रफ्तार से आंधी चली। रेतीले तूफान के कारण दिन में ही अंधेरा छा गया। तूफान के कारण दिन में लोगों को वाहनों की हेडलाइट जलानी पड़ गई। इसके कई वीडियो सामने आए हैं। इनमें लोग भागकर घरों में जाते दिखे और घरों को बंद कर लिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसा



रेतीला तूफान पहले कभी नहीं देखा। धूल का गुबार 80-100 फीट ऊंचा था। हालांकि तूफान की ऊंचाई का आधिकारिक आंकड़ा सामने नहीं आया है।

इधर तूफान के असर से कई पेड़ उखड़ गए, लाइट पोल टूट गए। फिलहाल किसी की मौत की जानकारी सामने नहीं आई है। दरअसल पाकिस्तान से उठे तूफान का असर राजस्थान के बॉर्डर वाले जिलों पर हुआ है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में आंधी-तूफान की वजह से 31 लोगों की मौत हो गई है। सहारनपुर में भारी बारिश के बाद पहाड़ी से तेज बहाव के साथ पानी नीचे आ गया। इससे इनोवा-ट्रैक्टर समेत 10 गाड़ियां बह गईं। आज भी सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

बिहार में पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 17 लोगों की मौत हुई है। पटना में बारिश के चलते 4 फ्लाइट डायवर्ट की गईं। जबकि 18 फ्लाइट लेट रहीं। इससे करीब 500 से ज्यादा यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर ट्रेनें भी समय पर रवाना नहीं हो सकीं।

मानसून 7 दिनों में केरलम पहुंचेगा

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून अगले 7 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। IMD के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई



हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है।

नौतपा के बीच मौसम ने ली करवट

दिल्ली से केरल तक बारिश-आंधी का अलर्ट जारी

कई राज्यों में गर्मी से राहत

नई दिल्ली। देशभर में नौतपा की भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक बड़ा यू-टर्न ले लिया है। दिल्ली-एनसीआर, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, राजस्थान और केरल समेत कई राज्यों में तेज आंधी, बारिश और गरज-चमक ने लोगों को गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक देश के कई हिस्सों में तेज हवाएं, ओलावृष्टि और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं कुछ राज्यों में अभी भी ऊष्ण लहर यानी हीटवेव का असर बना हुआ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को दोपहर बाद मौसम अचानक बदल गया। सुबह तक तेज धूप और उमस से लोग परेशान थे, लेकिन शाम होते-होते काले बादल छा गए और कई इलाकों में धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई। गुरुग्राम में हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई। नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने दिल्ली में 30 और 31 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक अगले चार से पांच दिन तक मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रहेगा और तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक तेज आंधी और बारिश की संभावना है। कई इलाकों में 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। बिहार में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। वहीं ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में ओलावृष्टि का भी अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली में आईएसआई-दाऊद नेटवर्क से जुड़े 8 लोग गिरफ्तार

● धार्मिक स्थलों और सरकारी इमारतों पर हमले की साजिश नाकाम, पाकिस्तानी हथियार बरामद

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI, अंडरवर्ल्ड और शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पाकिस्तान में बने हथियार, ग्रेनेड और विस्फोटक बरामद हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग दिल्ली, मुंबई, पंजाब और चंडीगढ़ के प्रमुख धार्मिक स्थल, सरकारी इमारतें, मंत्रालय और सुरक्षाबल पर हमले की साजिश रच रहे थे। ये आतंकी मॉड्यूल लंबे समय से तैयार किया जा रहा था।सभी आरोपी पाकिस्तान और दुबई में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे। सुरक्षा एजेंसियां अब फंडिंग सोर्स, मास्टरमाइंड और स्थानीय मददगारों



की तलाश कर रही हैं।

आरोपियों की गिरफ्तारी की पूरी टाइमलाइन

गिरफ्तार आरोपियों में उत्तर प्रदेश का विजय उर्फ शूटर, झारखंड का नितीश पासवान, महाराष्ट्र के तौकीर रिजवान अहमद शेख और साजिद महबूब शेख उर्फ अरबाज खान, पंजाब के हरविंदर सिंह, गगनदीप सिंह और मनजीत सिंह और नेपाल का नागरिक आंग कामी लामा शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक विजय उर्फ शूटर को दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में आतंकी और आपराधिक गतिविधियां संचालित करने की जिम्मेदारी दी गई थी। साथ ही उसे दिल्ली-एनसीआर में युवाओं की भर्ती कर उन्हें नेटवर्क से जोड़ने का काम भी सौंपा गया था। विजय को 14 मई को पुणे से और उसके सहयोगी नितीश पासवान को 17 मई को झारखंड के साहिबगंज से गिरफ्तार किया गया।

दोनों की भर्ती मुंबई के एक व्यक्ति हुजैफा ने की थी, जो फिलहाल फरार है। विजय से पूछताछ के बाद पुलिस ने 27 मई को मुंबई से तौकीर रिजवान अहमद शेख और साजिद महबूब शेख उर्फ अरबाज खान को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि दोनों ढूस्ढू से जुड़े हैंडलरों यावर खान और मुन्ना झिंगाड़ा के संपर्क में थे।

शिवकुमार कर्नाटक के 24वें सीएम होंगे

● सिद्धारमैया ने नाम बढ़ाया, उनका बेटा भी मंत्री बनेगा

राज्य को 4 डिप्टी सीएम भी मिलेंगे

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अब राज्य के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे। बेंगलुरु में शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा। इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि 3 जून की शाम डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बैठक में बाद शिवुकमार ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक सीएम के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी।

मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। इसमें सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे भी शामिल होंगे। 4 डिप्टी ष्टरूभी बनाए



जा सकते हैं। शिवकुमार 'सीएम रोटेशनल फॉर्मूला' के तहत मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। सिद्धारमैया 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे हैं। आज की बैठक में कर्नाटक कांग्रेस इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। दोनों को पर्यवेक्षक बनाया गया है।

डीके के पास 1400 करोड़ की संपति, मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ भी जा चुके

कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे डीके शिवकुमार देश के सबसे अमीर नेताओं में हैं। उनके पास 1413 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। वह रियल एस्टेट, खनन, होटल कारोबारी भी हैं। दिलचस्प ये है कि इतनी संपति के बावजूद उनके चुनावी हलफनामे में एक टोयोटा क्वालिस कार दर्ज है। 263 करोड़ का कर्ज भी है।

केरल में 24 किलो मादक पदार्थ जब्त, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने केरल में 24 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि राजस्व खुफिया निदेशालय की कोचीन केंद्र के नशीले पदार्थों के खिलाफ समन्वित अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत कोच्चि, मलप्पुरम और तिरुवनंतपुरम में नशीली दवाओं और साइकोट्रॉपिक पदार्थों की बड़ी मात्रा ज़ब्त की गई। इनमें मेथैक्यूलोन, मेथामफेटामाइन और हशीश तेल शामिल हैं। इनका इस्तेमाल अवैध रूप से बेचने और तस्करी करने के लिए किया जाना था। मंत्रालय ने बताया कि डीआरआई के चलाए गए इन अभियानों में कुल 24 किलो से ज्यादा नशीली दवाएं और साइकोट्रॉपिक पदार्थ जब्त किए गए हैं। तस्करी के नेटवर्क में शामिल मुख्य लोगों सहित 5 लोगों को 'नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम 1985' के प्रावधानों के अंतर्गत गिरफ़्तार किया गया है।

बंगाल में अभिषेक बनर्जी से मारपीट

● अंडे फेंके, शर्ट फाड़ी, चोर-चोर के नारे लगाए

हेलमेट पहनाकर निकालना पड़ा; टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने गए थे

एजेंसी

जयपुर। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर दक्षिण में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से शनिवार शाम को मारपीट हुई है। वे यहां चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ित टीएमसी कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे। आरोप है कि



वहां पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए उनके साथ मारपीट कर दी। लोगों ने उन पर पत्थर, जूते और अंडे फेंके, उनकी शर्ट फाड़ दी। अभिषेक को हेलमेट पहनाकर वहां से निकाला गया। हमले के बाद अभिषेक ने चुनाव के बाद हुई हिंसा में मारे गए ञ्जस्ष्ट कार्यकर्ता के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा- मैं सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा और संसद में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दूंगा। जब तक पुलिस नहीं आती, मैं पीड़ित परिवार को नहीं छोड़ूंगा, नहीं तो लोग उन्हें मार सकते हैं।

नेताओं की प्रतिक्रिया-

ममता बनर्जी: शासक हत्यारे बन गए- भाजपा को शर्म आनी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे: एक बड़े विपक्षी नेता को पूरी पुलिस सुरक्षा न देना क्रूरक्की बदले की राजनीति को दिखाता है। पश्चिम बंगाल और केंद्र सरकार को सभी विपक्षी नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। ऐसे हमले रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद हिंसा का कारण नहीं बन सकते।

अखिलेश यादव: अभिषेक बनर्जी पर जानलेवा हमला करवाकर बंगाल की अराजक भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि भाजपा नफरत भरी नकारात्मक हिंसक राजनीति के सिवा और कुछ नहीं कर सकती है।

मिशन 2027 में जुटे कार्यकर्ता, विपक्ष के नकारात्मक एजेंडे का दें प्रभावी जवाब: नितिन नवीन

● भाजपा अध्यक्ष ने प्रदेश की मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी टीम के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की

एजेंसी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी टीम को सरकार और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए मिशन-2027 में जीत की हैट्रिक सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

अपने तीन दिवसीय उत्तराखंड प्रवास के अंतिम दिन शनिवार को देहरादून के बीजापुर सेफ हाउस में आयोजित बैठक में भाजपा अध्यक्ष ने प्रदेश की मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी टीम के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने संगठन और सरकार की उपलब्धियों के प्रभावी प्रस्तुतीकरण पर जोर देते हुए विपक्ष के नकारात्मक एजेंडे का तथ्यात्मक और सकारात्मक तरीके से जवाब देने को कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के विकास



एवं जनकल्याण से जुड़े अनेक कार्य जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संगठन और विशेष रूप से मीडिया टीम की है।नितिन नवीन ने कहा कि विपक्ष लगातार झूठ, भ्रम और अफवाह फैलाकर मीडिया का दुरुपयोग करने का प्रयास करता है, लेकिन पार्टी को सकारात्मकता और प्रभावी संवाद के माध्यम से उसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि सत्य और विकास के मुद्दों के सामने विपक्ष की राजनीति टिक नहीं पाएगी। बिहार, बंगाल, असम और पुडुचेरी के उदाहरणों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक दिलाने में मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया और सोशल मीडिया सबसे प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया की कार्यक्षमता और प्रदर्शन चुनावी सफलता के अंतर को तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को समन्वय के साथ काम करना होगा, ताकि 2027 में जीत की हैट्रिक नए रिकॉर्ड के साथ दर्ज हो सके।

आसमान में रविवार की रात दिखेगा साल का सबसे छोटा ब्लू माइक्रोमून

एजेंसी

भोपाल। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए रविवार, 31 मई की रात बेहद खास होने जा रही है। इस दौरान आसमान में अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। आकाश में ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की पूर्णिमा का चंद्रमा ब्लू माइक्रोमून के रूप में दिखाई देगा। यह साल 2026 का सबसे छोटा फुलमून होगा। मध्य प्रदेश की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने शनिवार को इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ब्लू मून नाम सुनकर लोग यह न समझें कि चांद नीले रंग का दिखेगा। यह सिर्फ एक पारंपरिक नाम है। जब एक ही अंग्रेजी कैलेंडर महीने में दो पूर्णिमा आती हैं, तो दूसरी पूर्णिमा के चांद को ब्लू मून कहा जाता है। इसका कारण यह है कि दो लगातार पूर्णिमाओं के बीच का समय लगभग 29.5 दिन होता है। इस महीने पहली पूर्णिमा एक मई को थी और रविवार, 31 मई को यह दूसरी पूर्णिमा है। सारिका के अनुसार रविवार की रात चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए अपने सबसे दूर बिंदु यानी एपोजी पर रहेगा। पृथ्वी से अत्यधिक दूरी लगभग 4 लाख 6 हजार किलोमीटर होने के कारण यह आम पूर्णिमा के मुकाबले आकार में लगभग 5 से 7 प्रतिशत छोटा और करीब 10 प्रतिशत कम चमकीला दिखाई देगा। इसी वजह से इसे माइक्रोमून कहा गया है। एक ही रात को मंथली ब्लू मून और माइक्रोमून का एक साथ होना बेहद दुर्लभ संयोग है। हिंदू पंचांग के अनुसार, रविवार को अधिकमास की ज्येष्ठ पूर्णिमा है और चंद्रमा वृश्चिक राशि में स्थित रहेगा इसलिये इसे स्कार्पियो ब्लू मून भी कहा जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज की रात एक और खगोलीय दृश्य देखने को मिलेगा।

पश्चिम बंगाल में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने लांच किया 'स्वच्छता' ऐप

● 'स्वच्छता और कचरा प्रबंधन शहरी विकास के प्रमुख आधार हैं।'

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय ऊर्जा तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के लिए 'स्वच्छता' ऐप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल, ऊर्जा मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल और दामोदर घाटी निगम के अध्यक्ष सुरेश कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि स्वच्छता और कचरा प्रबंधन शहरी विकास के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने कहा कि घर-घर से कचरा संग्रह, उसके पृथक्करण और वैज्ञानिक प्रसंस्करण की प्रभावी व्यवस्था से शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि बेहतर आधारभूत संरचना और आधुनिक व्यवस्थाओं के जरिए हर वर्ष लाखों टन कचरे का वैज्ञा निक निपटान संभव हो सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 'स्वच्छता' ऐप नागरिकों को स्वच्छता अभियान से सीधे जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम बनेगा। इसके जरिए लोग अपने क्षेत्र में कचरे के ढेर या अन्य सफाई संबंधी समस्याओं की तस्वीर लेकर ऐप पर अपलोड कर सकेंगे।



शिकायतें भौगोलिक पहचान (जियो-टैगिंग) के साथ संबंधित नगर निकायों तक पहुंचेंगी, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि शिकायत के समाधान के बाद नगर निकाय के अधिकारी स्थल की पहले और बाद की तस्वीरें भी ऐप पर अपलोड करेंगे। साथ ही नागरिकों को प्रतिक्रिया देने की सुविधा मिलेगी, जिससे कार्रवाई की गुणवत्ता का आकलन किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ऐप के प्रथम चरण में राज्य की 10 नगरपालिकाओं में इसकी शुरुआत की जाएगी। इनमें आसनसोल, दुर्गापुर, बशीरहाट, पुजाली, तुफानगंज, कांथी, कृष्णानगर, बैद्यबाटी और मध्यमग्राम सहित अन्य नगरपालिकाएं शामिल हैं। बाद में इसे राज्य की सभी नगरपालिकाओं तक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप पश्चिम बंगाल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि जल जीवन मिशन के तहत राज्य को 39 हजार करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत 2,103 करोड़ रुपये तथा आयुष्मान भारत योजना के तहत 976 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

बाल तपस्वी मेरु अचल डूंगरवाल ने 3 वर्ष की आयु में किया प्रथम आयंबिल तप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



महिदपुर। रोड अबोल प्राणी करुणा दिवस पर मात्र छोटी सी 3 वर्ष की उम्र में मेरू अचल डूंगरवाल ने प्राणी मात्र के प्रति जीव दया ,प्रेम करुणा, वात्सल्य का भाव रखते हुए अबोल प्राणी करुणा दिवस आयंबिल तप करके अबोल जीवो को शाता पहुंचने का करुणामय कार्य छोटी सी उम्र में नन्हे से बालक में भूख प्यास की बिना परवाह करते हुए अनुकरणीय कार्य किया है यह हम सभी के लिए अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक है। छोटा सा बालक भीषण गर्मी में तप कर सकता है तो आप और हम क्यों नहीं कर सकते हैं। बालक मेरू ने छोटी सी उम्र में धर्म के प्रति इतनी अटूट आस्था एवं श्रद्धा निश्चित उज्जवल भविष्य एवं संस्कारों को प्रतिबिंबित करती है निश्चित ही बालक मेरू में डूंगरवाल कोचर परिवार के साथ-साथ समाज एवं नगर का नाम भी गोरवान्वित कर जिन शासन की शोभा में अभिवृद्धि करने का अनुकरणीय कार्य किया है।जैन समाज मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बालक मेरु डूंगरवाल की प्रथम आयंबिल तपस्या के निमित्त वर्धा जी खूबचंद डूंगरवाल परिवार खाचरोद द्वारा 11111 रुपए (ग्यारह हजार एक सो ग्यारह रुपए)की नगद राशि जैन श्री संघ महिदपुर रोड को साधारण खाते में भेंट की गई इस अवसर पर भेंट करता लाभार्थी डूंगरवाल परिवार की महिदपुर रोड सकल जैन श्री संघ के महानुभावों द्वारा खूब-खूब अनुमोदना की गई। नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट। ,9179662633

नागदा का डिजिटल महाभारत: जासूसी कहानियों और कानूनी दांवपेंच के बीच उलझता जैन समाज

सोशल मीडिया की अफवाहों के खिलाफ अभय चोपड़ा का शंखनाद, 'जगत' की कार्यप्रणाली पर उठाए गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नागदा। शहर की फिजाओं में इन दिनों एक अजीब सी बेचैनी है। कभी अपनी शांति, व्यापार और सद्भाव के लिए पहचाना जाने वाला स्थानीय जैन समाज आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहां असल जिंदगी के रिश्ते सोशल मीडिया की आभासी दुनिया के दांवपेंच में उलझकर रह गए हैं। यह विवाद अब बंद कमरों की फुसफुसाहट से बाहर निकलकर फेसबुक और व्हाट्सएप की चौपालों पर खुलेआम लड़ा जा रहा है। इसी खींचतान के बीच नागदा के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता अभय चोपड़ा ने मोर्चा संभालते हुए 'जगत' नामक व्यक्ति पर सीधा और बेहद तीखा प्रहार किया है। उनका यह हमला सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि उस पूरी प्रवृत्ति पर है जो बिना तथ्यों के समाज में भ्रम का जहर घोल रही है। अभय चोपड़ा ने अपने सार्वजनिक बयान में दो टूक लहजे में कहा कि आज के दौर में कुछ लोग सोशल मीडिया को अपनी निजी जागीर समझ बैठे हैं। बिना किसी सिर-पैर और पुख्ता सबूतों के मनगढ़ंत कहानियां गढ़ना अब एक शगल बन गया है। इस पूरे विवाद पर तंज कसते हुए चोपड़ा ने कहा, मैंने पहले भी फोन पर स्पष्ट किया था और आज फिर कह रहा हूं कि मैं एक लॉ ग्रेजुएट (कानून स्नातक) हूं। मैं तथ्यों, सबूतों और तर्कों पर बात करता हूं, जबकि आपकी हरकतें किसी चौथी-पांचवीं कक्षा के नादान छात्र जैसी प्रतीत होती हैं। ऐसा लगता है कि बचपन में आपने जासूसी उपन्यास कुछ ज्यादा ही पढ़ लिए हैं, और अब उसी कल्पना की दुनिया में जी रहे हैं। आपको नींद में नहीं, बल्कि दिन के उजाले में सोशल मीडिया पर रोज नए सपने आते हैं, जिन्हें आप सच मानकर समाज के सामने परोस देते हैं। विवाद की असली जड़ यानी गच्छ विवाद और करोड़ों रुपये के तथाकथित दावों की परतों को उधेड़ते हुए चोपड़ा ने पूरी स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने मजबूती से अपनी बात रखते हुए कहा कि उनका संगठन 'अखिल भारतीय हिंदू जैन साधु संत रक्षा समिति' शीशे की तरह पूरी तरह पारदर्शी है और समाज हित के लिए समर्पित है। उन्होंने जगत की कार्यप्रणाली पर सीधा निशाना साधते हुए एक पुरानी कहावत का जिक्र किया कि सावन के अंधे को हरा ही हरा सूझता है और चोरों को सब जगह चोर ही नजर आते हैं। जो लोग समाज के नाम पर करोड़ों रुपये ऐंठने के सुनहरे सपने देख रहे थे, उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया गया है, शायद यही उनकी असली बौखलाहट का मुख्य कारण है। कोर्ट-कचहरी और कानूनी मुकदमों का डर दिखाने वालों को भी उन्होंने आड़े हाथों लिया। उन्होंने समाज को आगाह करते हुए स्पष्ट किया कि जो केस बताए जा रहे हैं, वे अभी तक अन-रजिस्टर हैं। कुछ वकील सिर्फ अपने निजी फायदे के लिए लोगों को गुमराह कर रहे हैं और हवा में तीर चलाए जा रहे हैं। अपने बयान में चोपड़ा ने कुछ बेहद चुभने वाले प्रहार किए।

अटाली में लिफ्ट के खुले शाफ्ट में गिरे वर्कर की हालत गंभीर, डेढ़ महीने में दूसरे बड़े हादसे से सिस्टम पर उठ रहे सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वागरा। तालुका के अटाली गांव में मौजूद आरती फार्मा कंपनी में एक बार फिर वर्करों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। कंपनी के ब्लॉक नंबर-2 के पहले फ्लोर पर काम कर रहे 47 साल के वर्कर प्रसादीदास जंतारीदास के लिफ्ट के खुले शाफ्ट से सीधे नीचे गिरने से हड़कंप मच गया। इस भयानक हादसे में वर्कर के सिर में गंभीर फ्रैक्चर आया है। उसकी पीठ और शरीर के दूसरे हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं। पता चला है कि घायल वर्कर की हालत बेहद गंभीर है, जिसका अभी इलाज चल रहा है, जिससे लेबर कम्युनिटी में काफी गुस्सा है। मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित वर्कर प्रसादीदास आरती फार्मा कंपनी के ब्लॉक-2 के पहले फ्लोर पर लिफ्ट शाफ्ट के पास मैकेनिक का काम कर रहा था। इस बीच, वह अपना टिफिन लिफ्ट शाफ़्ट की खतरनाक खुली जगह में रखने गया था। कंपनी एडमिनिस्ट्रेशन की बड़ी लापरवाही की वजह से, क्योंकि वहाँ कोई सेफ्टी इक्विपमेंट या बैरियर नहीं थे, अचानक उसका बैलेंस बिगड़ गया। और वह लिफ्ट के गहरे शाफ़्ट में गिर गया। इस गंभीर हादसे की खबर मिलते ही दहेज पुलिस मौके पर पहुँची और शिकायत दर्ज की। और आगे की जाँच शुरू कर दी है। हालाँकि, इंडस्ट्रियल सेफ्टी के नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वाली इस घटना ने कंपनी एडमिनिस्ट्रेटर्स की क्रिमिनल लापरवाही को सामने ला दिया है। सबसे चौंकाने वाली और शर्मनाक बात यह है कि ठीक डेढ़ महीने पहले, इसी आरती फार्मा कंपनी में ऐसा ही एक भयानक हादसा हुआ था, जिसमें एक बेकसूर वर्कर को अपनी जान गँवानी पड़ी थी। थोड़े समय में दूसरी बार हुआ यह हादसा साबित करता है कि कंपनी अधिकारियों के लिए वर्कर्स की जान की कोई कीमत नहीं है। पिछली मौत से सबक सीखने के बजाय, वर्कर्स को मौत के मुँह में धकेलने का ट्रेंड जारी है। स्थानीय लोग और मज़दूर संगठन अब इस मामले में फैक्ट्री इंस्पेक्टर और ज़िम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई और कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की माँग कर रहे हैं। गौरतलब है कि आरती फार्मा कंपनी में हुए इस भयानक हादसे ने यह साबित कर दिया है कि इंडस्ट्रीज़ में वर्कर्स की सेफ्टी सिर्फ़ कागज़ों तक ही सीमित है। और असल में, इंडस्ट्रियल सेफ्टी के नाम पर बहुत ज़्यादा कन्फ्यूजन है। फैक्ट्री एक्ट के सख्त नियमों के बावजूद, लिफ्ट शाफ्ट जैसी खतरनाक और खुली जगहों पर किसी भी तरह का सेफ्टी नेट, गार्डरेल या वॉर्निंग बोर्ड न होना कंपनी एडमिनिस्ट्रेटर्स की क्रिमिनल लापरवाही दिखाता है। प्रॉफिट कमाने में अंधी कंपनियाँ गरीब वर्कर्स के खून से अपनी जेबें भर रही हैं। एक ही महीने में दो गंभीर एक्सीडेंट होने के बावजूद डायरेक्टरेट ऑफ़ इंडस्ट्रियल सेफ्टी एंड हेल्थ और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन चुप क्यों बैठे हैं? यह एक बड़ा सवाल है। इस घटना को लेकर लेबर ऑर्गनाइज़ेशन और लोकल लोगों में भारी गुस्सा है। अब सिर्फ़ शिकायतें जानकर संतुष्ट होने के बजाय, इस मामले में फैक्ट्री मालिकों और सेफ्टी ऑफिसर्स के खिलाफ क्रिमिनल केस तक, सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने और कंपनी को तुरंत सील करने की ज़ोरदार मांग की जा रही है।

10 हज़ार रुपये में प्रेस कार्ड खरीदकर पत्रकार बने एक पत्रकार को पुलिस के ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज करानी पड़ी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मोरबी। कहते हैं कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, और जब यह कानून उन पर पड़ता है, तो किसी भी नकली 'साहब' के होश उड़ जाते हैं। मोरबी में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहाँ सिर्फ़ 10 हज़ार रुपये देकर रातों-रात पत्रकार बने एक व्यक्ति को पुलिस के ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज करानी पड़ी है। मोरबी डिवीजन पुलिस ने इस नकली पत्रकार को सज़ा देकर गिरफ़्तार कर लिया है, इतना ही नहीं, पत्रकारिता के पवित्र पेशे को कलंकित करते हुए 10-10 हज़ार रुपये में कार्ड बेचने वाले असली पत्रकार के ख़िलाफ़ भी कानून का शिकंजा कस दिया है। गाड़ी चेकिंग में खुलासाः 'प्रेस' लिखी गाड़ी और झूठी पहचान घटना की जानकारी यह है कि जब मोरबी ए डिवीजन पुलिस टीम इलाके में कड़ी गाड़ी चेकिंग कर रही थी, तो पुलिस ने वहां से गुजर रही एक संदिग्ध गाड़ी को रोका। जैसे ही गाड़ी रोकी गई, अंदर बैठा आदमी पुलिस को ऐसे आंख मारने लगा जैसे वह कोई बड़ा मीडिया किंग हो और अपनी जेब से 'प्रेस कार्ड' निकालकर पुलिस को दिखाने लगा। पुलिस को धमकाने और उनका मजाक उड़ाने के इरादे से आए इस आदमी की हरकतें पुलिस के सामने नहीं चलीं। जब पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की और उसका आई-कार्ड चेक किया, तो इस नकली पत्रकार के पसीने छूट गए।

10 हजार में खरीदी थी पत्रकारिता!

पुलिस के अनोखे अंदाज में पूछताछ के दौरान इस आदमी ने कबूल किया कि वह किसी मीडिया हाउस में काम नहीं करता, बल्कि उसने सिर्फ 10 हजार रुपये देकर यह प्रेस कार्ड खरीदा था। इस सनसनीखेज कबूलनामे के बाद मोरबी ए डिवीजन पुलिस ने नकली पत्रकार के खिलाफ केस दर्ज कर उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है। इसके साथ ही, पुलिस ने पैसे लेकर इस व्यक्ति को कार्ड बेचने वाले कथित पत्रकार के खिलाफ भी केस दर्ज किया है और कानूनी कार्रवाई की बात कही है। इस घटना से मोरबी के नकली पत्रकार ग्रुप में अफवाह फैल गई है।

छत्तीसगढ़ की बालिका बास्केटबॉल टीम जुनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुद्दुचेरी। छत्तीसगढ़ की बालिका बास्केटबॉल टीम ने पुद्दुचेरी में बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा पुद्दुचेरी बास्केटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित जुनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में केरल को 55-51 अंको से परास्त कर स्वर्ण पदक जीता। छत्तीसगढ़ की और से दिव्या रंगारी ने 22 अंक, अंजली कोडापे (कप्तान) 14, रूमी कोनवर और अंजनी ने 7 - 7 अंक, अदिति कोडापे 3 अंक, सारा सिंह 2 अंक लगा कर अपनी टीम को विजयी होने में महति भूमिका निभाई। सोफी सिका एवं नंदनी माधो प्रधान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ टीम ने सेमीफाइनल में कर्नाटक की टीम को 67-62 को परास्त कर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल मैच में छत्तीसगढ़ की टीम ने महाराष्ट्र की टीम को 56-44 अको से परास्त किया था। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संध में विवाद होने के कारण बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा छत्तीसगढ़ टीम के चयन के लिए एड हॉक कमेटी बनाई है जो छत्तीसगढ़ के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की टीम चयनीत कर विभिन्न राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भेजती है। छत्तीसगढ़ की इस टीम को भी बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन समिति के चेयरमैन शक्ति सिंह गोहिल एवं भारतीय बास्केटबॉल टीम के कई वर्षों तक कप्तान रहे, वर्षों भारतीय रेल्वे टीम के कप्तान, भारतीय टीम के कोच, चयनकर्ता, खेलों इंडिया की टेलेंट आईडेंटिफिकेशन कमेटी के सदस्य, बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की टेलेंट रिसर्च विंग के सदस्य एवं बास्केटबॉल खेल के लाईफटाईम अवार्ड ध्यान चंद अवार्ड से सम्मानित रामकुमार ने मिलकर चयनीत किया था। इस कमेटी में कोई भी स्थानीय सिलेक्टर नहीं थे। उनके द्वारा छत्तीसगढ़ के अच्छे खिलाड़ियों को चयनीत किया जिसके कारण वर्षों बाद ईस टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके पूर्व लीग मैचेस में छत्तीसगढ़ की टीम ने पिछले कई वर्षों से लगातार गोल्ड मेडल जीत रही तमिलनाडु और कर्नाटक को परास्त किया था। छत्तीसगढ की और से पुरी प्रतियोगिता में दिव्या रंगारी, रूमी कोनवर, अदिति कोडापे, अंजली कोडापे, अंजनी, सोफी सिका, एवं नंदनी माधो प्रधान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अडास गांव के पास बन रहे पुल का एक बड़ा हिस्सा गिरा, बड़ा हादसा टला!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अडास गांव के पास बन रहे ओवरब्रिज का एक बड़ा हिस्सा अचानक गिर गया है। अडास गांव को नेशनल हाईवे से जोड़ने वाली सड़क पर रेलवे लाइन पर यह पुल बनाने का काम चल रहा था, इसी दौरान यह हादसा हुआ।

कुछ दिन पहले ही लगाया गया था गर्डर

मिली जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले ही इस पुल के पिलर पर एक बहुत बड़ा गर्डर लगाया गया था। इस बहुत बड़े गर्डर के अचानक गिरने का कारण अभी साफ नहीं है, लेकिन जैसे ही गर्डर गिरा, आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

खुशकिस्मती से, बड़ा हादसा टल गया

सबसे राहत की खबर यह है कि बड़ा हादसा टल गया क्योंकि हादसे के समय मौके पर कोई मौजूद नहीं था और न ही कोई गर्डर के नीचे आया। लेकिन, बन रहे पुल का इतना बड़ा हिस्सा गिरने से, स्थानीय लोगों में काम की क्वालिटी और प्रशासन की लापरवाही को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। कुछ दिन पहले ही लगाया गया बड़ा गर्डर अचानक कैसे गिर गया? क्या काम में कोई खराबी थी या



मॉनिटरिंग की कमी थी? प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करेगा? इस मामले पर लेटेस्ट अपडेट के लिए, बने रहें सच के साथ, हमेशा आपके साथ!

गांधीनगरः देहगाम-मोटा चिलोडा हाईवे पर चलती कार में आग लग गई..

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले में देहगाम-मोटा चिलोडा हाईवे पर चलती एक बलेनो कार में आज सुबह आग लग गई। जलाराम फार्म के पास हुई इस घटना में कार पूरी तरह जलकर राख हो गई, लेकिन खुशकिस्मती से ड्राइवर बाल-बाल बच गया। घटना की जानकारी मिलने पर गांधीनगर फायर टीम और मोटा चिलोडा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। मिली जानकारी के मुताबिक, देहगाम तालुका के वासनानिमुवाड़ी-वासना सोगाठी गांव के रहने वाले राजूसिंह कालूसिंह राठौड़ अपनी पेट्रोल-छह्न बलेनो कार में मोटा चिलोडा की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 9:30 से 10:00 बजे के बीच, मगोडीखारी नदी से पहले जलाराम फार्म के पास उनकी कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा। और देखते ही देखते कार पूरी तरह जलकर राख हो गई।

खुशकिस्मती से ड्राइवर सुरक्षित बच गया।



मामले की गंभीरता को समझते हुए राजूसिंह राठौड़ ने तुरंत कार सड़क के किनारे खड़ी की और उससे बाहर निकल गए। कुछ ही देर में आग ने भयानक रूप ले लिया और देखते ही देखते पूरी कार आग की लपटों में घिर गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही आस-पास के लोग और गाड़ी चलाने वाले मौके पर पहुंचे। आग की गंभीरता को देखते हुए गांधीनगर से फायर ब्रिगेड की टीम बुलाई गई। मोटा चिलोडा पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची और ज़रूरी कार्रवाई की। आग लगने से ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई आग लगने से देहगाम-मोटा चिलोडा हाईवे पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। फिलहाल इस रोड पर फोर-लेन सड़क का काम चल रहा है, इसलिए गाड़ियों की आवाजाही सीमित रोड पर हो रही है, जिससे दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और गाड़ी चलाने वालों को मुश्किल का सामना करना पड़ा। कार में टेक्निकल खराबी या शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की संभावना फायर डिपार्टमेंट की टीम ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन कार को बहुत नुकसान हुआ। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। राजूसिंह राठौड़ अकेले यात्रा कर रहे थे और उनके समय पर पहुंचने की वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, आग कार में टेक्निकल खराबी या शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी। आग लगने का सही कारण जांच के बाद ही पता चलेगा।

मनोज जरांगे पाटिल ने 40 डिग्री की चिलचिलाती गर्मी में फिर आमरण अनशन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। मराठा आरक्षण के मुद्दे पर महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। मराठा आंदोलन का मुख्य चेहरा बन चुके मनोज जरांगे पाटिल ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ जंग लड़ने के लिए अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है। लेकिन इस बार यह आंदोलन न सिर्फ सरकार के लिए बल्कि जरांगे पाटिल की सेहत के लिए भी कड़ा इम्तिहान साबित होने वाला है, क्योंकि वे किसी एयर-कंडीशनर या पंखे के नीचे नहीं, बल्कि 40 डिग्री की चिलचिलाती गर्मी में खुले मैदान में अनशन पर बैठे हैं।

सरकार के खिलाफ फिर बांसुरी

मनोज जरांगे पाटिल लंबे समय से कुनबी जाति के तहत OBC कैटेगरी में मराठों के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं। सरकार के पहले के आश्वासन और कानूनी वादे सिर्फ कागजों पर ही रहने के कारण जरांगे पाटिल ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि जब तक रिश्तेदारों (सागेसोयर) के सर्टिफिकेट पर ऑर्डिनेंस पूरी तरह लागू नहीं हो जाता, वे अन्न का एक दाना भी नहीं लेंगे।

40 डिग्री गर्मी में खुले आसमान के नीचे जान का खतरा

इस समय पूरे देश समेत महाराष्ट्र में पारा आसमान छू रहा है। दोपहर में घर से निकलना मुश्किल है, ऐसे समय में जब जरांगे पाटिल खुली धूप में स्टेज पर बैठकर अनशन कर रहे हैं। इतनी चिलचिलाती गर्मी में बिना पानी और खाने के बैठने से उनकी सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है। डॉक्टरों की टीम ने भी उन्हें सावधान रहने को कहा है, लेकिन पाटिल अपनी मांग पर अड़े हुए है.

भीनमाल में सावलाजी सेवा संस्थान घांची समाज की बैठक संपन्न,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। शहर में शनिवार को श्री सावलाजी सेवा संस्थान घांची समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय घांची समाज न्याति नोहरा में आयोजित की गई। यह बैठक संस्थान के अध्यक्ष बाबूलाल चौहान की गरिमामयी अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें समाज के विकास और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रतिभाओं का होगा सम्मान, करियर गाइडेंस शिविर पर मंथन

बैठक की जानकारी देते हुए सचिव दिनेशकुमार भाटी ने बताया कि इस दौरान समाज के होनहार और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक विशेष करियर गाइडेंस शिविर आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की गई। इन सभी महत्वपूर्ण विषयों को अंतिम रूप देने और व्यापक स्तर पर निर्णय लेने के लिए आगामी 28 जून को समाज की एक विशाल जनरल बैठक (आम सभा) आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

बैठक में यह रहे उपस्थित

समाज हित में आयोजित इस बैठक में एकजुटता दिखाते हुए राजमल चौहान, चुन्नीलाल चौहान, माधवाराम सोलंकी, बाबूलाल चौहान, मोहनलाल भाटी, भंवरलाल चौहान, मेघाराम चौहान, पारसमल चौहान, दिनेशकुमार भाटी, भीखाराम भाटी, दिनेश चौहान, कलाराम चौहान, मसराराम राठौड़, चतराराम चौहान, डायालाल चौहान, हीरालाल यूं चौहान, थानाराम चौहान, कालुराम परमार, चंपालाल राठौड़, मसराराम चौहान, दलपत भाटी, कालुराम बोराणा, जुगराज चौहान, नारायण चौहान, हीरालाल चौहान, घेवाराम मोदी, गणाराम राठौड़ और बाबूलाल भाटी सहित घांची समाज के कई गणमान्य नागरिक एवं समाज बंधु मौजूद रहे।

अंबाजी पुलिस स्टेशन में फिर से प्राइवेट आदमियों का विवादित चेहरा कौन है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। चल रहे अड्डों के एडमिनिस्ट्रेटर पुलिस स्टेशन के बाहर बैठते हैं। तीर्थ नगरी अंबाजी में रात के समय विदेशी शराब के अड्डों और होम डिलीवरी की चर्चा ने ज़ोर पकड़ लिया है। जब वही लोग जो पहले विवादों में थे, अब पुलिस के दोस्त बनकर पुलिस स्टेशन के बाहर बैठते हैं, तो अंबाजी में चल रहे विदेशी शराब के तस्करों से बात करते हैं और पुलिस के लिए मोटी किश्तें तय करते हैं। एक तरफ अंबाजी पुलिस काले शीशे लगाकर पुलिस ट्रैफिक ड्राइव चलाती है, दूसरी तरफ अंबाजी पुलिस और पुलिस के प्राइवेट आदमियों की काले शीशे वाली और बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियां पुलिस स्टेशन के सामने खड़ी रहती हैं। जब अंबाजी ट्रैफिक पुलिस सिर्फ आम जनता को कानून सिखाती है, तो उनके बाकी दोस्त काले शीशे वाली गाड़ियां लेकर पुलिस स्टेशन के बाहर खड़े रहते हैं। फिर, अगर बनासकांठा SP पुलिस के साथ रहने वाले प्राइवेट लोगों के खिलाफ आरोपों की जांच करते हैं, तो बनासकांठा SP के लिए ऐसे लोगों की जांच करना और पुलिस के साथ यात्रा करने वाले प्राइवेट लोगों को पुलिस के साथ यात्रा करने से रोकना ज़रूरी हो गया है।

ब्लैक मार्केटिंग करते 5 गैंग पकड़े गए, तीन गुना कीमत पर टिकट बेचने का प्लान था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 31 मई को होने वाले IPL 2026 के फाइनल मैच से पहले टिकट की ब्लैक मार्केटिंग करने वाले दो अलग-अलग नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। अहमदाबाद शहर की चांदखेड़ा पुलिस और क्राइम ब्रांच ने अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से ऊंचे दामों पर बेचने के लिए रखे गए फाइनल मैच के टिकट और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, चांदखेड़ा पुलिस की सर्विलांस टीम को 29 मई को जानकारी मिली कि न्यू CG रोड पर कुछ लोग क्रिकेट फैंस को IPL फाइनल के टिकट ब्लैक मार्केट में बेच रहे हैं। पुलिस ने तुरंत छापेमारी कर 21 साल के ईशान भट्ट और 21 साल के निर्मल कुमार को गिरफ्तार कर लिया, जो मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं और फिलहाल अहमदाबाद में रहते हैं। गवाहों की मौजूदगी में की गई जांच के दौरान उनके पास से IPL फाइनल के दो टिकट बरामद हुए। इन टिकटों की ऑफिशियल कीमत 3,500 रुपये थी, लेकिन वे कस्टमर्स से हर टिकट के 15,000 रुपये (ओरिजिनल कीमत से चार गुना) चार्ज कर रहे थे। पूछताछ में दोनों ने बताया कि ये टिकट उन्हें ऋषभ चंद्र दरलेशा जैन नाम के एक युवक ने दिए थे, जो बापूनगर के एक होटल में ठहरा हुआ था। पुलिस ने उसे भी पकड़ लिया। ऋषभ ने माना कि उसने टिकट ओरिजिनल कीमत पर खरीदे थे और उन्हें ज़्यादा कीमत पर बेचने के बदले कमीशन देने का वादा किया था।

क्राइम ब्रांच ने सिंधु भवन रोड से 2 लोगों को अरेस्ट किया

दूसरी तरफ, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच टीम को जानकारी मिली कि सिंधु भवन रोड से दो लोग टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग कर रहे हैं। क्राइम ब्रांच ने रेड करके बोदकदेव के 19 साल के मान पटेल और गोमतीपुर के सफीक उर्फ बनी मोहम्मद अयूब अंसारी को अरेस्ट कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से नरेंद्र मोदी स्टेडियम के के कुल 4 टिकट ज़ब्त किए, जिनकी कीमत Rs 3500 है, जन्हें वे क्रिकेट फैंस को Rs 10000 में बेचने की कोशिश कर रहे थे। आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने टिकट पहले से ऑनलाइन बुक कर लिए थे। मैच के टिकटों के अलावा, पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल Rs 1.25 लाख के दो स्मार्टफोन ज़ब्त किए हैं और जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की सख्त कार्रवाई और जांच

सभी पांच आरोपियों के खिलाफ गुजरात पुलिस एक्ट के संबंधित नियमों के तहत बिना इजाज़त बिक्री और मुनाफाखोरी का मामला दर्ज किया गया है और कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह देखने के लिए आगे की जांच चल रही है कि क्या ये आरोपी टिकटों की ब्लैक मार्केट में शामिल किसी बड़े ऑर्गनाइज़्ड नेटवर्क या गैंग से जुड़े हैं। गौरतलब है कि 31 मई को होने वाले फाइनल मैच को देखते हुए पुलिस स्टेडियम के आसपास के इलाकों में कड़ी निगरानी रख रही है।

किसानों के साथ हो रहे कथित अन्याय पर करशनदास बापू का कड़ा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सुरेंद्रनगर। जिले के पोंध गांव से उठा किसानों का गुस्सा अब पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन गया है। कांग्रेस नेता करशनदास बापू भद्रका ने पोंध गांव से गुजरने वाली बिजली लाइन के मुद्दे पर किसानों के साथ हो रहे कथित अन्याय और कम मुआवजे को लेकर BJP सरकार पर अब तक का सबसे कड़ा हमला बोला है। उन्होंने किसानों को खुली चेतावनी दी है कि अगर किसान BJP-BJP करते रहे तो भविष्य में उनके भूखे मरने की बारी आएगी। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है और बिजली लाइनों और किसानों के हक का मुद्दा फिर से चर्चा के केंद्र में आ गया है।

कहावतें बदल गई हैं, अब पानी मिले तो ही नहाओ!

करशनदास बापू ने सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि हमारे बड़े-बुज़ुर्ग कहते थे कि एक बार नहाओ और तीन बार खाओ। लेकिन इस BJP सरकार ने किसानों की हालत ऐसी कर दी है कि अब उन्हें तीन दिन में एक बार खाना पड़ता है और पानी मिलने पर ही नहाना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार प्राइवेट और सरकारी बिजली कंपनियों को भारी आर्थिक फ़ायदा पहुँचाने के लिए अपने ही अन्नदाता को बर्बाद करने की कोशिश कर रही है। किसानों की कीमती ज़मीनों से लाइनें गुज़रवाकर उन्हें मुआवज़े के नाम पर सिर्फ़ बेतुकी रकम दी जा रही है।

डर है कि 7/12 प्लॉट से नाम हटा दिए जाएँगे!

किसानों से एकता दिखाने की अपील करते हुए उन्होंने गहरी चिंता जताई है। बापू ने कहा कि अगर किसान अभी नहीं जागे और अपनी एकता नहीं दिखाई, तो यह सरकार आने वाले दिनों में किसानों के नाम उनकी ही ज़मीन के 7/12 प्लॉट से भी हटा देगी। कानून और सत्ता के बल पर किसानों को दबाने का यह खेल अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कथित अन्याय का विरोध करने के लिए आज, 30 मई को सुबह 10 बजे सुरेंद्रनगर के मेला ग्राउंड में बड़ी संख्या में किसानों को बुलाया गया है। इस कन्वेंशन को सरकार के खिलाफ देश भर में लड़ाई की शुरुआत माना जा रहा है। डेवलपमेंट के नाम पर किसानों की ज़मीन हड़पना और उन्हें सही मुआवज़ा न देना डेमोक्रेसी में बहुत बड़ा अन्याय है।

पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी, समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

महानगर मेट्रो ब्यूरो



रायपुर। पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर परिश्रम करते हुए सूचनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हैं और समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मीडिया की सकारात्मक आलोचना केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि प्रशासन और सरकार को भी आत्ममंथन और बेहतर कार्य की दिशा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर परिसर के सुंदर सदन में आयोजित पत्रकारिता गौरव मार्तंड उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माता कौशल्या की धरती और भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा पर आधारित ऐसा अद्भुत आयोजन निश्चित रूप से अभिनंदनीय है। उन्होंने आयोजन के लिए रायपुर प्रेस क्लब को बधाई देते हुए कहा कि रायपुर प्रेस क्लब देश के पुराने और प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है, जिसका इतिहास समृद्ध और प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और पत्रकारों के सम्मान में आयोजित ऐसे कार्यक्रम प्रेस क्लब की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का सशक्त प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर की पत्रकारिता परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस शहर ने पत्रकारिता जगत को अनेक शिखर पुरुष दिए हैं। उन्होंने मधुकर खेर, मायाराम सुरजन, ललित सुरजन, रमेश नैय्यर और बबन प्रसाद मिश्र सहित अनेक प्रतिष्ठित संपादकों और पत्रकारों का स्मरण करते हुए कहा कि इन विभूतियों ने पत्रकारिता की सशक्त और वैचारिक परंपरा को समृद्ध किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र की आधारशिला है और देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तक पत्रकारिता ने हमेशा परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 30 मई 1826 को कोलकाता से श्री जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित देश के प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड ने भारतीय पत्रकारिता की मजबूत नींव रखी। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने भारतीय सनातन परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देवर्षि नारद को आदि पत्रकार माना जाता है और इसी कारण पत्रकार बंधु नारद जयंती को सम्मानपूर्वक मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत रोचक और प्रेरक तथ्य है कि उदंत मार्तंड का प्रकाशन भी नारद जयंती के दिन आरंभ हुआ, जो इस बात का प्रतीक है कि भारतीय पत्रकारिता की जड़ें हमारी सांस्कृतिक चेतना और सनातन मूल्यों से गहराई से जुड़ी रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय पत्रकारिता ने राष्ट्रवादी चेतना को स्वर देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, माधवराव सप्रे और सुभाषचंद्र बोस सहित अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने पत्रकारिता को सामाजिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के माध्यम के रूप में उपयोग किया। उन्होंने कहा कि जब भी भारतीय पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास लिखा जाएगा, तब छत्तीसगढ़ का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। उन्होंने मां भारती के सपूत माधवराव सप्रे का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ से छत्तीसगढ़ मित्र का संपादन कर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को जागृत और संगठित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पत्रकारिता की चर्चा जब भी होगी, तब भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण स्वाभाविक रूप से होगा। उन्होंने कहा कि अटल जी ने अपनी पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय चेतना की जो अलख जगाई, उसने स्वतंत्र भारत में लाखों लोगों को प्रेरित किया। स्वदेश और राष्ट्रधर्म जैसे प्रकाशनों ने राष्ट्र चेतना और राष्ट्रीय अस्मिता को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने मोदी की गारंटियों को धरातल पर उतारने का कार्य किया है .

ठेकेदारों से निवेदन करने वाला महापौर स्वयं का घर भर सकता है सड़क़ डामरीकरण नही करवा सकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो



राजनांदगांव। शहर कांग्रेस के पूर्व महामंत्री हेमंत ओस्तवाल ने एक पत्र के माध्यम् से जिले के कलेक्टर से यह मांग की है कि पूर्व में मेरे द्वारा पत्र के माध्यम् से निगम आयुक्त महापौर सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं जिले के कलेक्टर आदि से लगभग 10 करोड़ 4 लाख 34 हजार रूपये की जो स्वीकृति निगम सीमा क्षेत्र में 41 सडक़ों के सडक़ डामरीकरण की स्वीकृति 03/09/2024 को निगम को प्राप्त हुई और निगम आयुक्त व कार्यपालन अभियंता के द्वारा समाचार पत्रों में यह कहा जा रहा है कि 27 सडक़ों का निर्माण हो गया है और 14 सडक़ों के लिये टेंडर लगाया जा रहा है तो सच्चाई क्या है इसको जिले के कलेक्टर को आम जनता और शासन हित में निगम के भ्रष्ट आयुक्त और संविदा कार्यपालन अभियंता श्री यू.के. रामटेके एवं कार्यपालन अभियंता दीपक खांडे आदि अधिकारियों की जो मिलीभगत के चलते 10 करोड़ के सडक़ डामरीकरण में निविदा टेंडर और गुणवत्ताहिन सडक़ निर्माण करने वाले ठेकेदारों से साठ-गांठ करके करोड़ों रूपयों का भ्रष्टाचार किया गया है? और निविदा टेंडर में शासन से स्वीकृति के विरूद्ध निविदा टेंडर में जो लाभ ठेकेदारों को पहुंचाकर भ्रष्टाचार किया गया है जबकि ठेकेदार दास प्रोसेस वर्धमान नगर को अनुबंध-कार्यादेश निरस्तीकरण आदेश जो उक्त ठेकेदार को 03 वर्ष के लिये काली सूची में डालने का आदेश क्रमांक 777/लोक-11/2025-26 राजनांदगांव दिनांक 18/08/2025 को आयुक्त अतुल विश्वकर्मा के हस्ताक्षर से काली सूची (ब्लैक लिस्टेड) किया जाने का आदेश जारी किया गया। वही दूसरी ओर अभय कोटडिया आदि जिन ठेकेदार के पास न तो सडक़ डामरीकरण से संबंधित हॉट मिक्सिंग प्लांट ही नही है फिर ठेकेदारों को कार्यादेश जो जारी किया गया है शासन के किन शर्तों के आधार पर जारी किया गया उसकी जांच होनी चाहिये पूर्व में मेरे द्वारा दिनांक 23/03/2026 को शिकायत पत्र दिया गया था उस पत्र को संज्ञान में लेते हुए जिले के कलेक्टर से चाहूंगा कि तत्काल भ्रष्ट अधिकारी और ठेकेदारों आदि के खिलाफ जांच का आदेश जारी करवाए और जिस तरह आज के समाचार पत्रों में निगम के महापौर श्री मधुसूदन यादव के द्वारा सडक़ डामरीकरण करने से संबंधित ठेकेदारों की बैठक लेकर जिस तरह से हाथ पैर जोड़ते हुए निवेदन किया जा रहा है कि बरसात के पूर्व शेष बची सडक़ो का डामरीकरण करने का निवेदन ठेकेदारों से किया गया और ठेकेदारों ने अपनी तकलीफ बताते हुए बम्बई आदि क्षेत्रों से डामर आदि आने की तकलीफ बताई जबकि बरसात सिर पर आ गई है और 15 जुन के बाद सडक़ डामरीकरण पर पूरी तरह शासन द्वारा प्रतिबंध लग जाता है तो महापौर मधुसूदन यादव यह बैठक भी दिन में लेने की बजाय क्या रात में ली गई ? जहां एक ओर उस बैठक में काली सूची में जिस ठेकेदार को डाला गया वह ठेकेदार उस बैठक में कैसे उपस्थित है क्या काली सूची का मामला निगम के भ्रष्ट आयुक्त/संविदा कार्यपालन अभियंता श्री यू.के. रामटेके एवं कार्यपालन अभियंता दीपक खांडे आदि के द्वारा महापौर मधुसूदन के इशारे पर कितनी मोटी रकम लेकर उक्त ठेकेदार दास प्रोसेस के काली सूची के मामले को दबा दिया गया? या उक्त ठेकेदार आज भी काली सूची में है या काली सूची से बाहर हो गया या मामला कहा लंबित है उसका खुलासा कलेक्टर साहब को कराना होगा। वही दूसरा ठेकेदार अभय कोटडिसा जिसके पास स्वयं का हाट मिक्सिंग प्लांट एवं मशीनरी आदि नही है? उसके बावजूद वह भी उस बैठक में उपस्थित है इससे स्वयंमेव यह प्रमाणित हो जाता है कि महापौर मधुसूदन यादव कड़ी कार्यवाही की हिम्मत नही रखते है और यदि हिम्मत है तो शहर की जनता को चमचमाती हुई सडक़ डामरीकरण बरसात के पूर्व गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाकर दिखाये और यदि नही दिखा पाते तो शहर की जनता को समझ में आ जायेगा कि महापौर के हाथ कुछ ठेकेदारों और निगम के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के हाथ में फंसा हुआ है ? इस कारण महापौर खाली फोटो छपाकर निर्देश दे रहे है मगर उनकी स्थिति यह है कि निगम का चपरासी भी उनके निर्देशों का पालन नही कर रहा है ? तो आयुक्त और संविदा भ्रष्ट अधिकारी श्री यू.के. रामटेके तो भ्रष्टाचार करने और भ्रष्टाचार के मामलों को दबाने में महारथ हासिल है इसलिये तो रिटायर अधिकारी को काला पीला करने के लिये संविदा में लाकर निगम आयुक्त और महापौर ने एक महायुद्ध जीत लिया एवं महापौर श्री यादव आम जनता का विकास खाली मुंह जबानी में करना जानते है धरातल पर स्थायी सुविधा आम जनता को नही दिला सकते है यह सडक़ डामरीकरण उसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

मानेकचौक में दिनदहाड़े चोरी: मोबाइल फोन में बिज़ी एक कर्मचारी के बैग से नोटों का बंडल चुराकर चोर फरार हो गया!



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मिानेकचौक। अहमदाबाद के मानेकचौक इलाके में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है। सोने के बिस्किट खरीदने जा रहे एक ज्वेलरी फर्म के कर्मचारी के बैग से चोर ने 5 लाख रुपये से ज़्यादा कैश चुरा लिया और मार्केट में रफूचक्कर हो गया। पूरी घटना पास की एक दुकान के CCTV कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर खड़िया पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश कर रही है।

कर्मचारी 45 लाख रुपये कैश लेकर सोने के बिस्किट खरीदने निकला था

मिली जानकारी के मुताबिक, मोटेरा इलाके में रहने वाले और मानेकचौक में एक ज्वैलर की दुकान में काम करने वाले अजय सिंह राजपूत ने इस मामले में खड़िया पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। कल (29 मई) दोपहर को फर्म के मालिक ने अजय सिंह को पास के बुलियन ऑफिस में 45 लाख रुपये के कैश से भरा बैग देकर सोने के बिस्किट खरीदने के लिए भेजा। अजय सिंह इतनी बड़ी रकम लेकर पैदल बुलियन ऑफिस पहुंचे। जब बिजनेसमैन ने पैसे गिनने शुरू किए तो पता चला कि कुल रकम से 5.50 लाख रुपये कम थे।

CCTV फुटेज चेक करते समय चोरी का पता चला

जैसे ही पैसे कम पाए गए, कर्मचारी अजय सिंह ने तुरंत शेख को फोन करके इसकी जानकारी दी। इसके बाद बिजनेसमैन और कर्मचारी दोनों ने मानेक चौक रोड पर अलग-अलग दुकानों के CCTV फुटेज चेक किए। इस जांच के दौरान एक दुकान के फुटेज में चौंकाने वाले सीन सामने आए। CCTV में साफ देखा गया कि जब अजय सिंह कैश से भरा बैग लेकर सड़क से गुजर रहे थे और अपने मोबाइल में बिज़ी थे, तभी पीछे से आए एक चोर की नज़र उन पर पड़ी और उसने बैग की चेन खोल ली। चोर ने बड़ी चालाकी से एक के बाद एक नोटों के बंडल निकाले और 5.50 लाख रुपये चुराकर भाग गया।

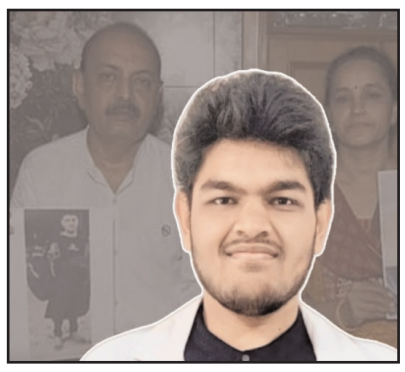
खड़िया पुलिस ने जांच शुरू कर दी है

बाजार में हुई इस घटना से व्यापारी समुदाय में भी चिंता फैल गई है। फिलहाल, खड़िया पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए अलग-अलग दिशाओं में जांच शुरू कर दी है।



जॉर्जिया में 16 दिनों से लापता स्टूडेंट ध्वनित राजदीप की संदिग्ध मौत, परिवार के PG मालिक पर गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। मेडिकल फील्ड में हायर एजुकेशन लेने विदेश गए एक होनहार गुजराती स्टूडेंट की मौत की खबर से परिवार सदमे में है। यूरोपियन देश जॉर्जिया में पिछले 16 दिनों से संदिग्ध हालात में लापता अहमदाबाद के युवक ध्वनित राजदीप का शव वहां की एक नदी में मिला है। वह 14 मई से लापता था।

हॉस्टल से अचानक गायब हुआ 22 साल का ध्वनित

अहमदाबाद के निकोल इलाके का रहने वाला 22 साल का ध्वनित राजदीप डॉक्टर बनने का सपना लेकर जॉर्जिया में पढ़ाई कर रहा था। जैसे ही ध्वनित के अचानक लापता होने की खबर मिली, अहमदाबाद में रहने वाला उसका परिवार परेशान हो गया। उन्होंने सोशल मीडिया और केंद्रीय विदेश मंत्रालय से उसे ढूंढने के लिए मदद की गुहार लगाई।

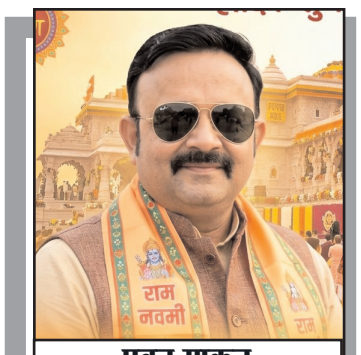
परिवार को मकान मालिक से झगड़े का शक

परिवार ने गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि धवनित के अचानक गायब होने की वजह उसके लोकल मकान मालिक से हुई बड़ी लड़ाई हो सकती है। परिवार के मुताबिक, मकान मालिक धवनित को बार-बार मेंटली टॉर्चर करता था और उनके बीच झगड़े होते थे। परिवार को पूरा शक है कि इस लगातार हैरेसमेंट की वजह से धवनित के साथ कोई अनचाही या संदिग्ध घटना हुई है।

यूक्रेन में पढ़ रहा था, युद्ध शुरू होने पर जॉर्जिया शिफ्ट हो गया

परिवार के मुताबिक, धवनित राजदीप पढ़ाई में बहुत होशियार स्टूडेंट था। वह करीब चार साल पहले मेडिसिन की पढ़ाई करने यूक्रेन गया था। लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद उसके माता-पिता ने सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए उसे जॉर्जिया शिफ्ट कर दिया। धवनित दो साल से ज़्यादा समय से जॉर्जिया में कॉकेशस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में MBBS की पढ़ाई कर रहा था। उसका फोकस सिर्फ पढ़ाई पर था और वह किसी तरह की नौकरी नहीं कर रहा था।

अहिल्याबाई होल्कर भारतीय संस्कृति की अमरज्योति



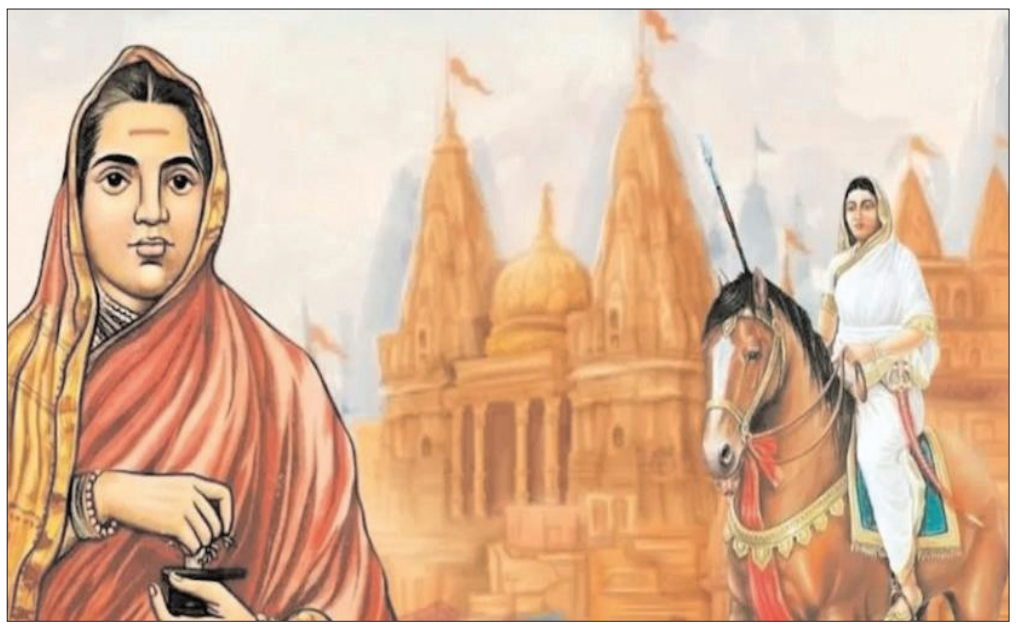
पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे।

भारतीय इतिहास के विशाल आकाश में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं, जो केवल अपने समय के शासक नहीं होते, बल्कि युग की चेतना बन जाते हैं। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ऐसा ही एक दिव्य व्यक्तित्व हैं। वे केवल मालवा की रानी नहीं थीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सुशासन, न्याय और लोककल्याण की जीवित प्रतिमूर्ति थीं। 31 मई 2026 को उनकी 301वीं जयंती मनाई जा रही है। यह अवसर केवल एक महान शासिका को स्मरण करने का नहीं, बल्कि उस दिव्यदृष्टि और जीवन-दर्शन को पुनः समझने का है, जिसकी आज के भारत को अत्यंत आवश्यकता है। 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी गांव में जन्मी अहिल्या एक सामान्य परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी शिंदे ग्राम प्रधान थे। उस समय जब स्त्री-शिक्षा का प्रचलन लगभग नहीं था, तब उन्होंने अपनी पुत्री को शिक्षा, संस्कार और आत्मविश्वास दिया। यही शिक्षा आगे चलकर उन्हें भारतीय इतिहास की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में स्थापित करने वाली बनी।

मालवा के शासक मल्हार राव होलकर ने बालिका अहिल्या में अद्भुत प्रतिभा देखी और उनका विवाह अपने पुत्र खंडेराव होल्कर से करवा दिया। किंतु विवाह के कुछ वर्षों बाद ही युद्ध में पति की मृत्यु हो गई। उस युग की परंपराओं के अनुसार अहिल्याबाई सती होना चाहती थीं, लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें रोकते हुए कहा कि राज्य और प्रजा को उनकी आवश्यकता है। यही वह क्षण था, जहां से एक साधारण स्त्री का असाधारण नेतृत्व आरंभ हुआ। अहिल्याबाई का जीवन संघर्षों की अग्निपरीक्षा रहा। पति की मृत्यु, पुत्र मालेराव का निधन और बाद में ससुर मल्हार राव का बिछोह-इन सब आघातों के बाद भी उन्होंने स्वयं को टूटने नहीं दिया। उन्होंने व्यक्तिगत पीड़ा को जनसेवा की शक्ति में बदल दिया। यही कारण है कि उनका शासन केवल राजसत्ता नहीं, बल्कि करुणा और उत्तरदायित्व का आदर्श बन गया।

1767 में जब वे मालवा की गद्दी पर बैठीं, तब राजनीतिक अस्थिरता, षड्यंत्र और बाहरी आक्रमणों का दौर था। किंतु उन्होंने अद्भुत धैर्य, विवेक और साहस के साथ शासन संभाला। उनका प्रशासन इस बात का उदाहरण था कि सुशासन केवल शक्ति से नहीं, बल्कि संवेदना, न्याय और नैतिकता से संचालित होता है। उन्होंने कर व्यवस्था को सरल बनाया, किसानों पर लगान कम किया और व्यापार को संरक्षण दिया। उनके शासन में मालवा समृद्धि, शांति और सांस्कृतिक विकास का केंद्र बन गया। आज जब राजनीति अक्सर सत्ता-संघर्ष और स्वार्थ का पर्याय बनती जा रही है, तब अहिल्याबाई का जीवन यह संदेश देता है कि शासन का वास्तविक उद्देश्य जनता का कल्याण होना चाहिए। उन्होंने



कभी राजसत्ता को अहंकार का माध्यम नहीं बनने दिया। वे प्रतिदिन खुले दरबार में प्रजा की समस्याएं सुनती थीं। उनके न्याय में न पक्षपात था और न विलंब। यही कारण था कि जनता उन्हें 'लोकमाता' कहकर सम्मान देती थी।

अहिल्याबाई का सबसे बड़ा योगदान भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में दिखाई देता है। मुगल आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण देश के अनेक मंदिर और तीर्थस्थल नष्ट हो चुके थे। उन्होंने केवल मंदिरों का पुनर्निर्माण नहीं करवाया, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारका, बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम और उज्जैन सहित अनेक तीर्थों में उन्होंने घाट, मंदिर, कुएं और धर्मशालाएं बनवाईं। यह कार्य किसी संकीर्ण धार्मिक आग्रह से प्रेरित नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता को बचाने का राष्ट्रीय प्रयास था। उनकी दृष्टि केवल धर्म तक सीमित नहीं थी। वे समाज-सुधार की भी प्रबल पक्षधर थीं। उन्होंने विधवाओं को संपत्ति का अधिकार दिया, सती प्रथा और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया तथा महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिलाने का प्रयास किया। यह उस समय की दृष्टि से अत्यंत क्रांतिकारी सोच थी। उन्होंने महिलाओं की एक विशेष सैन्य टुकड़ी भी गठित की। यह इस बात का प्रमाण है कि वे नारी को केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि शक्ति और नेतृत्व की प्रतीक मानती थीं।

महेश्वर को राजधानी बनाकर उन्होंने उसे संस्कृति, कला और उद्योग का केंद्र बनाया। महेश्वरी साड़ियों की परंपरा आज भी उनके दूरदर्शी आर्थिक चिंतन की साक्षी है। उन्होंने स्थानीय उद्योगों को संरक्षण देकर आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत किया। वर्तमान समय में जब 'लोकल फॉर वोकल' और आत्मनिर्भर भारत की चर्चा हो रही है, तब अहिल्याबाई का मॉडल और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। अहिल्याबाई का व्यक्तित्व आध्यात्मिकता और व्यवहारिकता का अद्भुत समन्वय था। वे धर्मनिष्ठ थीं, किंतु कट्टर नहीं। वे परोपकारी थीं, किंतु दिखावे से दूर। वे शक्तिशाली शासक थीं, किंतु विनम्रता उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि सत्ता का सर्वोच्च रूप सेवा है। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन कीए ने उन्हें 'दार्शनिक रानी' कहा था, जबकि एनी बेसेंट ने उनके शासनकाल को मालवा का 'स्वर्ण युग' बताया। यह केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक सत्य की स्वीकृति है कि अहिल्याबाई ने भारतीय शासन परंपरा को नैतिक ऊंचाई प्रदान की। अहिल्याबाई शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता, भ्रष्टाचार और सांस्कृतिक विघटन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब अहिल्याबाई का जीवन हमारे लिए प्रकाशस्तंभ की तरह है। वे बताती हैं कि नेतृत्व केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना है। राष्ट्र निर्माण केवल बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि सेवा, न्याय और संवेदना से होता है। अहिल्याबाई होलकर का कृतित्व बहुआयामी, दूरदर्शी और लोककल्याणकारी था। वे केवल एक सफल शासिका नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और नारी नेतृत्व की अद्वितीय प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने न्यायपूर्ण एवं संवेदनशील शासन व्यवस्था स्थापित कर मालवा को समृद्धि, शांति और विकास के शिखर पर पहुँचाया। कृषि, व्यापार, जलसंधारण, उद्योग एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा दिया, किसानों को संरक्षण दिया तथा सामाजिक समरसता को मजबूत किया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के संरक्षण हेतु तीर्थस्थलों का पुनर्निर्माण एवं विकास कराया। नारी सम्मान, विधवा संरक्षण, शिक्षा, लोकसेवा और परोपकार के क्षेत्रों में उनके कार्य अत्यंत प्रेरणास्पद रहे। उनका कृतित्व प्रशासनिक दक्षता, मातृवत् संवेदना, धर्मनिष्ठा, साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रनिर्माण की चेतना का अद्वितीय संगम था।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। अहिल्याबाई होल्कर भारतीय नारी शक्ति का वह उज्ज्वल अध्याय हैं, जिसमें साहस है, संवेदना है, संस्कृति है और सृजन है। वे इतिहास की स्मृति भर नहीं, वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की प्रेरणा हैं। उनकी 301वीं जयंती पर उन्हें स्मरण करना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके जीवन मूल्योंकृसुशासन, लोककल्याण, नारी सम्मान, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय संवेदना को अपने राष्ट्रीय जीवन में पुनः प्रतिष्ठित करें। लोकमाता अहिल्याबाई सचमुच भारतीय संस्कृति की वह अमर ज्योति हैं, जो युगों-युगों तक समाज को प्रकाश देती रहेंगी।

संपादकीय

इबोला का 'मृत्यु-काल'

कोरोना वैश्विक महामारी का खौफ, तनाव और मौत का भय आज भी हम महसूस करते हैं, लेकिन इबोला वायरस ने नए ह्यस्वास्थ्य आतंकवादह्ल का भाव पैदा कर दिया है। अब इबोला सिर्फ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि 10 अन्य अफ्रीकी देश संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। अकेले कांगो में ही करीब 200 मौतें हो चुकी हैं। मौत का कुल आंकड़ा अभी तक 250 के करीब बताया जा रहा है और करीब 1000 लोग संदिग्ध मरीज बताए जा रहे हैं। ये आंकड़े सरकारी हैं, हकीकत नहीं हैं, क्योंकि संदिग्ध मरीजों में से कितने स्वस्थ हो गए हैं अथवा कितनों की मौत हो चुकी है, इसका कोई भी डाटा सामने नहीं है। इस त्रासद स्थिति से पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इबोला वायरस और संक्रमण को 'वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित कर दिया था। भय, तनाव, असहाय स्थितियां इसलिए भी हैं, क्योंकि अभी तक इबोला 'लाइलाज' है। दुनिया में एक भी टीका या गोली अथवा कैप्सूल ऐसा नहीं है, जो इबोला का इलाज कर सके, लिहाजा इस संक्रमण से मौत की संभावनाएं 25-80 फीसदी तक हैं, यह विशेषज्ञ चिकित्सकों का मानना है। लिहाजा हम मौजूदा दौर को आदमी का 'मृत्यु-काल' मानते हैं। हालांकि सीरम इंस्टीट्यूट, पुणे और ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से इबोला के टीके पर प्रयोग कर रहे हैं। उन्हें भरोसा है कि आगामी 6 माह में एक कारगर टीका विश्व-बाजार में होगा। सीरम और ऑक्सफोर्ड यूनि. ने कोरोना के टीके 'कोविशील्ड' का व्यापक स्तर पर उत्पादन किया, नतीजतन करोड़ों मरीज स्वस्थ हुए और अंततः कोरोना गायब हो सका। उस टीके का आविष्कार ऑक्सफोर्ड ने किया था, लेकिन सीरम ने उसे विश्व स्तर पर उत्पादित किया। बहरहाल अब रूस का भी दावा है कि उसके विशेषज्ञ डॉक्टर और शोधकर्ता भी इबोला के टीके पर काम कर रहे हैं। बहुत जल्द इबोला का टीका बाजार में आ सकता है! इबोला वायरस और संक्रमण के अधिकतर लक्षण एक-समान लगते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, त्वचा पर चकत्ते, उल्टी, दस्त, थकान, बेहद कमजोरी, गले में खराश आदि इबोला वायरस के भी शुरूआती लक्षण हैं। आंख, नाक, कान या मल-मूत्र के रास्ते आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव होना भी महत्वपूर्ण लक्षण है। इबोला से संक्रमित जानवरों (चमगादड़ या बंदर) का मांस खाने से भी यह संक्रमण फैलता है। इसका संक्रमण इतना भयावह है कि यूरोपीय देशों, अमरीका, भारत आदि को 'हाई अलर्ट' घोषित और लागू करना पड़ा है। कनाडा ने तो कुछ समय के लिए वीजा जारी करने पर ही रोक लगा दी है। हालांकि भारत में अभी तक इबोला संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है, लेकिन हवाई अड्डों पर विशेष जांच और निगरानी जारी है। संक्रमण के लक्षण पाए जाने के बाद 'आइसोलेशन' (अलग-थलग रखना) का प्रोटोकॉल भी शुरू कर दिया गया है।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

हीटवेव का खतरा और ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी:45 डिग्री के पार तापमान, संकट में जनजीवन



सुनील कुमार महला

आज ग्लोबल वार्मिंग का दौर है और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम का सामान्य बदलाव नहीं रह गई है, बल्कि यह एक गंभीर आपदा का रूप ले चुकी है। कहना गलत नहीं होगा कि लगातार बढ़ता तापमान, हीटवेव और जल संकट लोगों के स्वास्थ्य, कामकाज और दैनिक जीवन पर गहरा असर डाल रहे हैं। खासकर उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म शहर माना गया, जहां तापमान लगभग 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी क्षेत्र भी अत्यधिक गर्मी के कारण चर्चा में रहा, जहां तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर और बाड़मेर, हरियाणा के सिरसा और रोहतक, तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और झांसी जैसे शहर भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी और हीटवेव का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम होती हरियाली और बढ़ता प्रदूषण माना जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य, जल संकट और सामान्य जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण दिन के समय सड़कों पर सन्नाटा दिखाई देने लगा है और आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मजदूर, किसान, रिक्शा चालक और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक परेशान हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों में डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, हीट स्ट्रोक और अन्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। पाठक जानते होंगे कि भारत इस समय दुनिया के सबसे गर्म देशों में शामिल हो गया है। देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी सामान्य से अधिक गर्मी का सामना कर रही है। हर साल बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि एक बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अस्पतालों में गर्मी से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और अधिक खतरनाक बन गई है। इसी गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक में सभी मंत्रालयों को हीटवेव से लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ आम नागरिकों से भी मिलकर काम करने की अपील की है, ताकि गर्मी से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। देश के अधिकांश शहर पहले से ही प्रदूषण, कम हरियाली और खराब शहरी योजना जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। महानगरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल, वाहनों की अधिकता और बढ़ती आबादी के कारण गर्मी और अधिक महसूस होती है। शहरों में पेड़ों की कटाई और खुले स्थानों की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गांवों की तुलना में शहरों में तापमान अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। यही कारण है कि लोग रात के समय भी गर्मी से राहत महसूस नहीं कर पा रहे हैं। ये शहर देश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए लोगों का बाहर निकलना और काम करना जरूरी होता है, जिसके कारण वे हीटवेव का सबसे ज्यादा प्रभाव झेलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की गर्मी से होने वाली मौतों में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तव में, गर्मी का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव जल संकट, खेती और बिजली व्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। कई क्षेत्रों में जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है और लोगों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। नदियां, तालाब और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। किसानों के लिए भी यह समय बेहद कठिन बनता जा रहा है, क्योंकि अत्यधिक गर्मी फसलों की उत्पादकता को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली कटौती की समस्या भी सामने आ रही है। अब आवश्यकता इस बात की है कि गर्मी को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए, जितनी बाढ़, भूकंप या तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं को दी जाती है। हीटवेव को भी राष्ट्रीय आपदा की तरह समझने और उससे निपटने के लिए व्यापक तैयारी करने की जरूरत है। लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए, अधिक पानी पीना चाहिए और जरूरतमंद लोगों, पशु-पक्षियों तथा बुजुर्गों की सहायता करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी लोगों से अपील की है कि वे गर्मी से होने वाली समस्याओं को नजरअंदाज न करें और दूसरों की मदद के लिए आगे आएं। साइमन स्टील के अनुसार, बढ़ती गर्मी की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में हालात और अधिक कठिन हो सकते हैं। इसलिए सरकारों और समाज को मिलकर दीर्घकालिक तैयारी करनी होगी। शहरों में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और प्रदूषण कम करने जैसे कदम बेहद जरूरी हैं। साथ ही सस्ती और निरंतर बिजली उपलब्ध कराना भी आवश्यक है, ताकि लोग अत्यधिक गर्मी से राहत पा सकें। स्थानीय प्रशासन को भी गर्मियों के लिए उतनी ही गंभीर तैयारी करनी चाहिए, जितनी बारिश या सर्दियों के दौरान की जाती है। अंत में, यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी अब केवल मौसमी परेशानी नहीं रही, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भयावह रूप ले सकता है। इसलिए सरकार, समाज और आम नागरिकों को मिलकर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में गंभीर और सतत प्रयास करने होंगे। तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दिया जा सकेगा।

निकोटीन का नया जाल: युवाओं की नसों में घुलता जहर



योगेश कुमार गोयल

युवाओं के भविष्य पर मंडराता तंबाकू का संकट...

तंबाकू मानव स्वास्थ्य का ऐसा मौन शत्रु है, जिसकी विनाशकारी शक्ति को लेकर अब किसी प्रकार का संशय शेष नहीं रह गया है। पिछले कई दशकों में विश्वभर में हुए हजारों वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह निर्विवाद रूप से सिद्ध किया है कि धूम्रपान अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन शरीर के लिए घातक है। इसके बावजूद जब कम उम्र के किशोरों और युवाओं को सिगरेट, बीड़ी, ई-सिगरेट, गुटखा, पान मसाला अथवा अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखा जाता है तो यह केवल स्वास्थ्य का नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक चेतना का भी गंभीर संकट प्रतीत होता है। वास्तव में किशोरों के मन में तंबाकू को लेकर अनेक भ्रम घर कर जाते हैं। उन्हें लगता है कि धूम्रपान से तनाव कम होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, मन शांत रहता है या फिर यह आधुनिकता और परिपक्वता का प्रतीक है। विज्ञापनों, फिल्मों, सोशल मीडिया और मित्र समूहों के प्रभाव से यह भ्रम और भी गहरा हो जाता है जबकि वैज्ञानिक सत्य इससे बिल्कुल विपरीत है। तंबाकू न तो शक्ति देता है, न व्यक्तित्व निखारता है और न ही तनाव का स्थायी समाधान है। सच्चाई यह है कि तंबाकू एक धीमा जहर है, जो शरीर के भीतर चुपचाप अपना विनाशकारी प्रभाव छोड़ता रहता है। यह कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों, स्ट्रोक और अनेक घातक रोगों को जन्म देकर व्यक्ति को धीरे-धीरे मृत्यु की ओर धकेलता है। इसलिए तंबाकू के विरुद्ध जागरूकता आज केवल स्वास्थ्य नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों के अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है।

लोगों को तंबाकू को छोड़ने और इसे कभी हाथ नहीं लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'आकर्षण का पदार्फाशः निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम निर्धारित करते समय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैनी, जर्दा इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है।



दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

बहरहाल, धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

उत्तर प्रदेश में बिजली हुई महंगी, जून से 10% बढ़ा हुआ आएगा बिल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर आई है. यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने फ्यूल सरचार्ज में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की है, जो जून महीने के बिजली बिल के साथ लागू होगी. बीते कुछ हफ्तों में दूध, पेट्रोल-डीजल, सीएनजी आदि के दाम बढ़ने के बाद अब उत्तर प्रदेश के लोगों की जेब पर एक और बड़ा बोझ बढ़ गया है. यूपी में अब बिजली भी महंगी हो गई है. जिसके कारण अगले ही महीने से बढ़ा हुआ बिल देना होगा. यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने बिजली बिल में 10 फीसदी एक्स्ट्रा चार्ज लगाने का फैसला किया है.

10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क बढ़ा

सामने आया है कि, अगले महीने से उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगने जा रहा है. यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (**राजस्थान पत्रिकाराजस्थान पत्रिका**ष्ट्र) ने बिजली बिल में 10 फीसदी तक अतिरिक्त शुल्क वसूलने का फैसला किया है. यह राशि फ्यूल सरचार्ज पर बढ़ोतरी के कारण बढ़ी है. जारी आदेश के अनुसार, बढ़ा हुआ शुल्क जून महीने के बिजली बिल के साथ जोड़ा जाएगा. यानी उपभोक्ताओं को अपने नियमित बिजली बिल के अलावा 10 फीसदी अतिरिक्त राशि भी चुकानी होगी. इस फैसले का असर प्रदेश के लाखों घरेलू, व्यावसायिक और अन्य श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ेगा. बिजली विभाग का कहना है कि बिजली उत्पादन और खरीद में आने वाली अतिरिक्त लागत की भरपाई के लिए फ्यूल सरचार्ज लगाया जा रहा है. इसके तहत उपभोक्ताओं के बिल में अलग से शुल्क जोड़ा जाएगा.

कई इलाकों में बिजली कटौती से जूझ रहे हैं लोग

हालांकि ऐसे समय में बिजली दरों में बढ़ोतरी का फैसला आया है, जब प्रदेश के कई हिस्सों में बिजली कटौती और आपूर्ति संबंधी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं.

दर्द से राहत देने वाली मशीन बन गई मौत की वजह, थेरेपी मैट में लगी आग, 90 साल के बुजुर्ग की गई जान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। पीठ दर्द से राहत पाने के लिए 90 साल के ग्लैडविन इलेक्ट्रिक थेरेपी मैट का इस्तेमाल कर रहे थे. उन्हें क्या पता था कि जिस मशीन पर भरोसा करके वे दर्द कम करने की कोशिश कर रहे हैं, वही उनकी जिंदगी की आखिरी वजह बन जाएगी. भोपाल के ईंटखेड़ी इलाके में थेरेपी के दौरान मैट में अचानक शॉर्ट-सर्किट हुआ, स्पार्किंग के बाद आग लग गई और बुजुर्ग उसकी चपेट में आ गए. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है. यहां इलेक्ट्रिक थेरेपी मैट में हुए शॉर्ट-सर्किट ने 90 साल के बुजुर्ग की जान ले ली. घटना के बाद परिवार सदमे में आ गया. ईंटखेड़ी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि मशीन में तकनीकी खामी थी, रखरखाव में कोई कमी थी या फिर किसी अन्य कारण से यह हादसा हुआ. जांच के बाद ही पूरी तस्वीर साफ हो सकेगी. पुलिस के मुताबिक, 27 मई की दोपहर ग्लैडविन अपने घर में थे. लंबे समय से पीठ दर्द से परेशान होने के कारण वे नियमित रूप से इलेक्ट्रिक थेरेपी मैट का उपयोग करते थे. उस दिन भी वे उसी मैट पर थेरेपी ले रहे थे. सब कुछ सामान्य चल रहा था. तभी अचानक मशीन से स्पार्किंग होने लगी. परिजनों को कुछ समझ आता, उससे पहले ही थेरेपी मैट में आग लग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि ग्लैडविन उसकी चपेट में आ गए. उम्र अधिक होने और शरीर के कमजोर होने के कारण वे खुद को बचा नहीं पाए. परिजनों ने तुरंत उन्हें आग से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया. अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन शरीर का बड़ा हिस्सा झुलस जाने के कारण उनकी हालत लगातार गंभीर बनी रही. इलाज के दौरान आखिरकार उन्होंने दम तोड़ दिया. इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया शुरुआती जांच में सामने आया है कि थेरेपी मैट की बैटरी या उसके इलेक्ट्रिक सिस्टम में किसी तकनीकी खराबी के कारण शॉर्ट-सर्किट हुआ. इसी शॉर्ट-सर्किट के बाद स्पार्किंग हुई और फिर आग लग गई. हालांकि हादसे की असली वजह क्या थी, इसका पता लगाने के लिए पुलिस विस्तृत जांच कर रही है. विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे उपकरणों का उपयोग हमेशा सावधानी से करना चाहिए. यदि किसी मशीन से असामान्य गर्मी, जलने की गंध या स्पार्किंग जैसी स्थिति दिखाई दे तो उसका इस्तेमाल तुरंत बंद कर देना चाहिए.

लव मैरिज पर 'दलाली टैक्स', बड़वानी में ?2.5 लाख के लिए दूल्हे के परिजनों को रातभर बंधक बनाकर पीटा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में प्रेम विवाह के बाद समझौते के नाम पर ढाई लाख रुपये की अवैध वसूली और बंधक बनाकर मारपीट करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने चार दलालों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। बड़वानी में ?2.5 लाख के लिए दूल्हे के परिजनों को रातभर बंधक बनाकर पीटा

बड़वानी: मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में प्रेम विवाह के एक मामले में कथित तौर पर समझौते के नाम पर अवैध वसूली और बंधक बनाने का मामला सामने आया है। सेंधवा ग्रामीण पुलिस ने चार दलालों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जामपाटी गांव की एक बालिग युवती अपनी मर्जी



से जामनिया गांव के युवक के साथ चली गई थी और दोनों ने विवाह कर लिया। इसके बाद कुछ लोगों ने युवक पक्ष के परिजनों को बातचीत के लिए बुलाया और कथित तौर पर समझौते के नाम पर ढाई लाख रुपये की मांग की।

पूरी रात बंधक बनाकर पीटा, दो ने भागकर बचाई जान

जब युवक पक्ष ने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई, तब आरोपियों रामलाल, गोरेलाल, राकेश और भरसिया ने जामनिया गांव के चेतन और ओंकार को कथित रूप से बंधक बना लिया। आरोप है कि आरोपियों ने पूरी रात उनके साथ मारपीट की और रुपये नहीं मिलने तक छोड़ने से इनकार कर दिया। इसी दौरान दो अन्य लोग, डिमानिया और सुखलाल, वहां से भाग निकलने में सफल रहे और उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मामला सामने आया। सेंधवा ग्रामीण थाना प्रभारी ओपी सिंह चौंगड़े ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ अवैध बंधक बनाने, मारपीट और जबरन वसूली सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है तथा उनकी तलाश जारी है। बड़वानी पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं

उत्तरप्रदेश केहमीरपुर पुल हादसा: 6 मजदूरों की मौत मामले में एक्शन, कंपनी मालिक समेत 3 पर केस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमीरपुर। उत्तरप्रदेश के हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल का सेगमेंटल स्पैन गिरने से 6 मजदूरों की मौत के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है. कुरारा थाने में निर्माण कंपनी एमएस द सेल्टर, उसके मालिक विजय प्रताप सिंह और सुपरवाइजर नीतिश सचान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. एफआईआर में ठेकेदार की लापरवाही को हादसे की वजह बताया गया है. उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में निर्माणाधीन पुल का हिस्सा गिरने से 6 मजदूरों की मौत के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निर्माण कार्य से जुड़ी कंपनी, उसके मालिक और प्रोजेक्ट सुपरवाइजर के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है. हादसे के बाद जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है और विभागीय स्तर पर भी जांच शुरू कर दी गई है. जानकारी के अनुसार हमीरपुर के कुरारा थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल के सेगमेंटल स्पैन के गिरने से छह मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी. इस घटना ने निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. मामले में उत्तर प्रदेश सेतु निर्माण निगम के उप परियोजना प्रबंधक दिलीप कुमार की ओर से कुरारा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है. निर्माण कार्य के दौरान नहीं रखा गया मानकों का ध्यान दर्ज एफआईआर में निर्माण कार्य कर रही कंपनी एमएस द सेल्टर, उसके मालिक विजय प्रताप सिंह व



प्रोजेक्ट सुपरवाइजर नीतिश सचान को नामजद आरोपी बनाया गया है. शिकायत में कहा गया है कि निर्माण कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया. एफआईआर के अनुसार ठेकेदार की लापरवाही के कारण तेज आंधी आने पर पुल का सेगमेंटल स्पैन गिर गया, जिसके नीचे काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए और छह लोगों की जान चली गई. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि हादसे के वास्तविक कारणों की गहराई से जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी. घटना से जुड़े तकनीकी पहलुओं की भी जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि निर्माण कार्य में कहीं किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही तो नहीं बरती गई. मामले में सेतु निर्माण निगम ने भी अपनाया सख्त रुख हादसे के बाद उत्तर प्रदेश सेतु निर्माण निगम ने भी सख्त रुख अपनाया है. विभाग ने प्राथमिक जांच के आधार पर निगम के सहायक अभियंता गजेंद्र चौधरी को निलंबित कर दिया है. इसके अलावा एफआईआर दर्ज कराने वाले उप परियोजना प्रबंधक दिलीप कुमार के खिलाफ भी विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं. विभाग यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि परियोजना की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्थाओं में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई. इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक मजदूरों के परिवारों में शोक का माहौल है. वहीं प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके.. उत्तरप्रदेश के हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल का सेगमेंटल स्पैन गिरने से 6 मजदूरों की मौत के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है. कुरारा थाने में निर्माण कंपनी एमएस द सेल्टर, उसके मालिक विजय प्रताप सिंह और सुपरवाइजर नीतिश सचान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. एफआईआर में ठेकेदार की लापरवाही को हादसे की वजह बताया गया है. उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में निर्माणाधीन पुल का हिस्सा गिरने से 6 मजदूरों की मौत के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निर्माण कार्य से जुड़ी कंपनी, उसके मालिक और प्रोजेक्ट सुपरवाइजर के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है. हादसे के बाद जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है और विभागीय स्तर पर भी जांच शुरू कर दी गई है.

पांडुर्णा कलेक्टर नीरज कुमार का तगड़ा एक्शन, पूर्व सरपंच और ठेकेदार पर ठोका ?5.44 करोड़ का जुर्माना,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पांडुर्णा। मध्य प्रदेश के पांडुर्णा जिले में अवैध खनन पर प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी चोट की है। कलेक्टर के निर्देश पर पूर्व सरपंच और ठेकेदारों समेत 8 लोगों पर 5 करोड़ 44 लाख रुपए का भारी-भरकम जुर्माना ठोका गया है।

पांडुर्णा कलेक्टर नीरज कुमार का तगड़ा एक्शन

छिंदवाड़ा: पांडुर्णा जिले में सरकारी और निजी जमीनों को खोदकर प्राकृतिक संपदा लूटने वालों पर प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। रेत, मिट्टी और मुरम का अवैध कारोबार करने वाले 8 लोगों पर कुल 5 करोड़ 44 लाख 27 हजार रुपए का भारी जुर्माना लगाया गया है। इस एक्शन के बाद से इलाके के खनन माफिया में हड़कंप मचा हुआ है। कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में एक तत्कालीन महिला सरपंच और सचिव भी लपेटे में आए हैं। प्रशासन ने सख्त लहजे में साफ कर दिया है कि अगर एक महीने के भीतर जुर्माने की रकम जमा नहीं की गई, तो कुर्की जैसे कड़े कदम उठाकर भू-राजस्व के तहत वसूली की जाएगी।



रंगारी गांव में हुई सबसे बड़ी लूट

इस पूरे मामले में सबसे बड़ी कार्रवाई सौंसर तहसील के रंगारी गांव में हुई है। जांच टीम को पता चला कि यहां तय लीज एरिया से बाहर जाकर करीब 3510 घनमीटर रेत गायब कर दी गई। इस बड़ी गड़बड़ी के लिए तत्कालीन सरपंच प्रतिभा आनंदराव ठाकरे, तत्कालीन सचिव और संबंधित ठेकेदार को सीधे तौर पर जिम्मेदार माना गया। इन तीनों पर संयुक्त रूप से 5 करोड़ 26 लाख 50 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया है। इसके अलावा रामाकोना, घोतकी, बोरगांव और काजलवानी क्षेत्र में भी निजी जमीनों से बिना अनुमति मुरम और मिट्टी खोदने वालों पर लाखों का जुर्माना हुआ है। अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सख्त है। नियमों का उल्लंघन करके सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने और पर्यावरण से खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। सभी मामलों की गहराई से जांच के बाद यह अर्थदंड लगाया गया है। अगर तय समय सीमा में राशि जमा नहीं हुई, तो संपत्ति कुर्क कर वसूली की जाएगी।

लोनी नगर पालिका बोर्ड बैठक में हंगामा, सभासद ने खुद पर पेट्रोल डाल किया आत्मदाह का प्रयास



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। नगर पालिका परिषद लोनी की बोर्ड बैठक भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई। जनसमस्याओं, सफाई कर्मचारियों के बकाया वेतन, बढ़ते प्रदूषण और नगर पालिका में कथित भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर वॉर्ड-1 के सभासद आदर्श प्रधान ने बैठक में जोरदार विरोध दर्ज कराया। मामला इतना बढ़ गया कि उन्होंने कथित तौर पर अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि मौके पर मौजूद अधिकारियों और अन्य सभासदों ने समय रहते उन्हें रोक लिया। घटना के बाद बैठक में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हंगामे के बीच पालिकाध्यक्ष रंजीता धामा बैठक छोड़कर चली गईं। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और सभासद को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद आदर्श प्रधान अन्य सभासदों के साथ धरने पर बैठ गए। करीब दो घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद वह अपने घर लौट गए।

भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं को लेकर उठाए सवाल

बोर्ड बैठक में सभासद आदर्श प्रधान ने पालिका प्रशासन और अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था बदहाल हो चुकी है और कई क्षेत्रों में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। दिल्ली-सहारनपुर रोड सहित प्रमुख मार्गों पर धूल और प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, लेकिन पानी के छिड़काव की व्यवस्था सिर्फ कागजों तक सीमित है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और विकास कार्यों को लेकर वॉर्डों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उनका कहना था कि जनता की मूलभूत समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है, जबकि सफाई कर्मचारियों को समय पर वेतन भी नहीं मिल रहा है।

सफाई टेंडर पर भी उठाए सवाल

सभासद ने हाल ही में जारी किए गए सफाई टेंडर पर भी सवाल खड़े किए। उनका आरोप था कि टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं और पारदर्शिता का अभाव है। उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, जिसके कारण उन्हें विरोध का यह कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा।

आंधी-तूफान और बारिश ने ककमें मचाई तबाही, 16 लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



उत्तर प्रदेश। मौसम की करवट कई लोगों के लिए आफत बन गई. राज्य में तेज आंधी, बारिश और तूफान के चलते 16 लोगों की मौत की खबर सामने आई है. सबसे ज्यादा असर बुंदेलखंड क्षेत्र में देखने को मिला, जहां 10 लोगों की जान जाने की सूचना है. नौतपा की तपती गर्मी के बीच उत्तर प्रदेश में तेज आंधी, बारिश और तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया. लखनऊ समेत पश्चिमी, पूर्वी और तराई क्षेत्रों के कई जिलों में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ. अलग-अलग हादसों, बिजली गिरने और बाढ़ जैसी स्थितियों में प्रदेशभर में 16 लोगों की मौत हो गई. कई इलाकों में पेड़, टिनशेड और बिजली के खंभे गिरने की जानकारी सामने आई. प्रदेश में सबसे अधिक 10 मौतें बुंदेलखंड क्षेत्र में दर्ज की गईं. बांदा और हमीरपुर में तीन-तीन लोगों की जान गई. इसके अलावा रायबरेली, अंबेडकरनगर, कौशांबी, प्रतापगढ़, आजमगढ़, बलिया, भदोही, देवरिया, आगरा, मथुरा, उन्नाव और फतेहपुर समेत कई जिलों में भी मौतों की सूचना प्रशासन को मिली है, जिसकी जांच जारी है. इस बीच, सहारनपुर के शाकंभरी देवी क्षेत्र में पहाड़ियों से आए तेज जलप्रवाह की चपेट में आकर दो महिलाओं की मौत होने की खबर भी सामने आई है. आंधी-बारिश के कारण कई जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली. मिर्जापुर में 100 मिमी, अयोध्या में 90 मिमी, प्रयागराज में 61 मिमी और उन्नाव में 59 मिमी बारिश दर्ज की गई. सीतापुर, बदायूं और झांसी समेत कई जिलों में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे फसलों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा. मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के 46 जिलों में आंधी-तूफान और 14 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है.



PM मोदी के दौरे से पहले नरसिंहपुर में बड़ी वारदात; बीच सड़क आधे घंटे तक चले लाठी-डंडे, सहम गए दुकानदार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर खून-खराबा हुआ। बीच सड़क पर करीब आधे घंटे तक चले इस लाठी-डंडे और धारदार हथियारों के खेल में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। PM मोदी के दौरे से पहले नरसिंहपुर में बड़ी **वारदात नरसिंहपुर:** मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा से एक रूह कंपाने वाली हिंसक झड़प का मामला सामने आया है। यहां के व्यस्त पलोहा तिराहे पर जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच सरेराह लाठी-डंडे और धारदार हथियार चल गए। करीब आधे घंटे तक चले इस तांडव के कारण पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दहशत का आलम यह था कि आसपास के दुकानदारों ने अपनी सुरक्षा के लिए तुरंत दुकानों के शटर गिरा दिए और राहगीर जहां-तहां छिप गए। इस खूनी संघर्ष में दो लोग गंभीर



रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कहासुनी से शुरू हुआ खूनी खेल जानकारी के मुताबिक, भार्गव पान सेंटर के संचालक धर्मेंद्र भार्गव और उनके छोटे भाई महेंद्र भार्गव का दूसरे पक्ष के संजय पटेल, अजय पटेल, राजदीप पटेल और जयदीप पटेल से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। घटना के दिन दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और किसी बात पर बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ी कि दोनों पक्षों के लोग लाठियां और हथियार निकालकर एक-दूसरे पर टूट पड़े। इस हमले में अजय पटेल और राजदीप पटेल के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को गाडरवारा के अस्पताल पहुंचाया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। पीएम दौरे के अलर्ट के बीच वारदात चिंता की बात यह है कि इन दिनों प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर पूरा जिला प्रशासन और पुलिस अमला सुरक्षा व्यवस्थाओं में मुस्तैद है। ऐसे वीआईपी अलर्ट के समय शहर के मुख्य तिराहे पर आधे घंटे तक हुई इस गुंडागर्दी ने स्थानीय कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गाजियाबाद : फेसबुक पर महिला से दोस्ती, शादी का झांसा देकर बनाए संबंध, तेजाब पिलाकर मारने की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद के मोदीनगर में एक महिला ने फेसबुक पर दोस्ती करने वाले युवक पर शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने और बाद में कथित तौर पर तेजाब पिलाकर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। गाजियाबाद के मोदीनगर क्षेत्र में एक महिला ने फेसबुक पर दोस्ती करने वाले युवक पर शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने और बाद में तेजाब पिलाकर जान से मारने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की हालत में सुधार होने के बाद उसने शुक्रवार को मोदीनगर कोतवाली पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

फेसबुक पर हुई थी दोस्ती

पीड़िता मोदीनगर कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी की रहने वाली है। महिला द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार करीब तीन महीने पहले उसकी फेसबुक के



माध्यम से एक युवक से पहचान हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और आरोपी ने महिला से प्रेम संबंध होने का दावा करते हुए शादी का प्रस्ताव रखा। महिला का आरोप है कि युवक ने शादी का भरोसा दिलाकर उसका विश्वास जीता और फिर उसे गाजियाबाद के एक होटल में ले गया। वहां जल्द विवाह करने का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

सिकंदराबाद ले जाकर तेजाब पिलाने का आरोप

महिला का आरोप है कि कुछ दिन बाद आरोपी उसे अपनी बहन से मिलवाने के बहाने बुलंदशहर के सिकंदराबाद ले गया। वहां आरोपी और उसकी बहन ने मिलकर उसे चोरी-छिपे, चालाकी से तेजाब पिला दिया। तेजाब पीने के बाद महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। किसी तरह वह वहां से निकलकर मोदीनगर पहुंची, जहां उसकी हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अस्पताल में चला इलाज

पीड़िता के अनुसार लंबे इलाज के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ। स्वास्थ्य में सुधार आने के बाद उसने पूरे घटनाक्रम की शिकायत पुलिस से की और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। महिला का कहना है कि आरोपी ने पहले शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया और बाद में जान से मारने की नीयत से उसे तेजाब पिलाया। मोदीनगर पुलिस का कहना है कि महिला की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

दिल्ली में ट्रैफिक चालान का ऑन-द-स्पॉट डिजिटल भुगतान, अब मौके पर ही PI और कार्ड से कटेगा जुर्माना!



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात प्रबंधन को डिजिटल रूप से सशक्त और पारदर्शी बनाने के लिए फील्ड अधिकारियों को 1,500 नई आधुनिक ई-चालान मशीनें बांटी हैं, जिससे अब लोग मौके पर ही कई तरीकों से चालान भर सकेंगे।

ट्रैफिक पुलिस ने चालान सिस्टम में किया बदलाव

नई दिल्ली: दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अपने चालान और यातायात प्रबंधन सिस्टम में एक बड़ा तकनीकी बदलाव शुरू किया है, जिसका उद्देश्य यातायात नियमें के उल्लंघन को अधिक पारदर्शी, नागरिक अनुकूल, प्रभावी और डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है।

लोग मौके पर ही भर सकेंगे चालान

इस पहल के तहत अब यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोग मौके पर ही UPI, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड जैसी विभिन्न डिजिटल भुगतान सुविधाओं से अपने चालान का भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए फील्ड में तैनात ट्रैफिक पुलिस अधिकारी हैंडहेल्ड डिवाइस का उपयोग करेंगे।

मामले में क्या बोले ट्रैफिक के अडिशनल पुलिस कमिश्नर

ई चालान मशीनों से फिलहाल चालान के साथ-साथ पुराने चालानों का भी डिजिटल भुगतान सड़क पर तैनात ट्रैफिक कर्मियों की सहायता से किया जा सकेगा। इससे यात्रियों को होने वाली असुविधा तो कम होगी ही साथ ही कैश रहित लेनदेन को भी बढ़ावा मिलेगा। अडिशनल पुलिस कमिश्नर (ट्रैफिक) विजयंता गोयल आर्या ने बताया कि चालान का भुगतान डिजिटल रूप में करने की व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दिल्लीभर में फील्ड अधिकारियों को लगभग 1,500 नई ई-चालान मशीनें बांटी की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस मुख्यालय टोडापुर में कुछ ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ये मशीनों बांटकर इस मुहिम की शुरूआत की गई है। इन हैंडहेल्ड डिवाइस के माध्यम से तेज चालान जेनरेशन, तुरंत भुगतान प्रक्रिया, गाड़ी और उल्लंघनकर्ता की फोटो कैप्चर करने, गाड़ी को टो किए जाने की सूचना गाड़ी मालिक के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजने और बेहतर डेटा और रेकॉर्ड प्रबंधन जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस राने दोनों प्रकज जानकारी दी गई।

दिल्ली में धड़ल्ले से चल रहा फर्जी रेंट एग्रीमेंट का खेल, अब 34 करोड़ रुपये का GST घोटाला आया सामने!



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एक कारोबारी की जानकारी के बिना उसके पते पर फर्जी फर्म खड़ी कर जीएसटी फर्जीवाड़ा की घटना सामने आई है। आरोप है कि फर्जी सिग्नेचर और बिजली बिल का इस्तेमाल कर फर्म रजिस्टर की गई। इसके बाद बोगस बिलिंग कर करोड़ों रुपये का जीएसटी लाभ हासिल किया गया। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। जीएसटी फर्जीवाड़े का एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि एक कारोबारी की जानकारी के बिना उसके पते, बिजली बिल और कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर फर्जी फर्म खड़ी कर दी गई। इसके बाद उसी फर्म के जरिए करोड़ों रुपये की बोगस बिलिंग कर जीएसटी लाभ हासिल करने का खेल खेला गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शिकायतकर्ता के बयान पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता रवि कुमार ने आरोप लगाया है कि सोनिया विहार स्थित उनकी संपत्ति के पते का दुरुपयोग कर एक नाम से जीएसटी फर्म रजिस्टर कराई गई। उन्हें जानकारी तब मिली, जब जीएसटी विभाग ने पूछताछ के लिए बुलाया।

मुंबई में सीएनजी फिर महंगी, 2 रुपये बढ़े दाम, अब 86 हुई कीमत,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई में सीएनजी एक बार फिर महंगी हो गई है। पिछले 15 दिनों में यह दूसरी बार है जब सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं। महानगर गैस लिमिटेड ने शुक्रवार को नई दरों का ऐलान किया। 30 मई की आधी रात से सीएनजी की कीमत में 2 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी होगी। इसके बाद मुंबई में सीएनजी का दाम 84 रुपये से बढ़कर 86 रुपये प्रति किलो हो जाएगा। वहीं घरेलू पाइप गैस भी 50 पैसे प्रति एससीएम महंगी हो गई है। इस बढ़ोतरी का असर मुंबई के करीब 12 लाख सीएनजी वाहनों पर पड़ेगा, जिनमें लगभग 2.80 लाख ऑटो रिक्शा शामिल हैं। ही साथ ही 31 लाख घरों पर भी, जिनके घर पीएनजी कनेक्शन है।

ऑटो और टैक्सी चालकों की मुश्किलें बढ़ीं

सीएनजी महंगी होने से ऑटो और टैक्सी चालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मुंबई रिक्शा मेन्स यूनियन के नेता थम्पी कुरियन ने कहा कि किराया बढ़ाने की जरूरत है। उनके अनुसार मौजूदा फार्मूले के हिसाब से बेस किराये में करीब 1 रुपये 12 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होनी चाहिए । इस मामले में हमने एमएमआरटीए को पत्र भेजा है। टैक्सी यूनियनों ने भी बेस किराये में 2 से 3 रुपये बढ़ाने की मांग की है। यूनियनों का कहना है कि लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों से ड्राइवरों की कमाई पर असर पड़ रहा है। हालांकि बढ़ी हुई कीमतों के बावजूद सीएनजी अब भी पेट्रोल और डीजल के मुकाबले सस्ता ईंधन है।

दिल्ली में एक और आतंकी हमले की साजिश का पर्दाफाश, ISI-मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के 9 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पुलिस की स्पेशल सेल ने इस बार दिल्ली को दहलाने की साजिश को नाकाम कर दिया है। स्पेशल सेल की टीम ने पाकिस्तानी आईएसआई-मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के इशारे पर काम करने वाले 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद कई खुलासे होने की उम्मीज जताई जा रही है। नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को फिर से दहलाने की साजिश रची जा रही थी। लेकिन समय से पहले एक्शन लेते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी आईएसआई-मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के इशारे पर काम करने वाले 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन्हें दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने का काम सौंपा गया था। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के अनुसार, इनके पास से हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं।



विस्फोटक बरामद हुए हैं।

पाकिस्तानी आतंकियों के संपर्क में थे सभी आरोपी

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के मुताबिक ये सभी आरोपी पाकिस्तानी आईएसआई हैंडलर के इशारे पर काम कर रहे थे। उन्हें दिल्ली के हॉटस्पॉट इलाकों में हमला करने का काम सौंपा गया था। इतना ही नहीं सुरक्षाकर्मियों पर भी हमला करने की प्लानिंग थी। इनके पास से कई खतरनाक हथियार और

लाल किले हमले के बाद यह गिरफ्तारियां अहम मानी जा रही

बता दें कि दिल्ली के लाल किले पर हमले के बाद यह गिरफ्तारियां अहम मानी जा रही हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी जुटाने और उभरते खतरों की पहचान करने के लिए राजधानी के प्रत्येक पुलिस स्टेशन में समर्पित आतंकवाद-विरोधी इकाइयों (सीटीयू) के गठन का आदेश दिया था।

सीटीयू को दी गई थी ये जिम्मेदारी

इन इकाइयों को संवेदनशील स्थानों की निगरानी करने, कट्टरपंथी व्यक्तियों का पता लगाने, अस्थाई आबादी की पुष्टि करने और आतंकी गतिविधियों से जुड़े संदिग्धों, गैंगस्टरों और हवाला संचालकों पर नजर रखने का काम सौंपा गया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि यह कदम खुफिया जानकारी के आधार पर उठाया गया है, जिसमें संकेत मिले हैं कि विदेशों से संचालित आतंकी सरगना भारत में अपने गुर्गों की भर्ती, उन्हें कट्टरपंथी बनाने और मार्गदर्शन करने के लिए एन्क्रिप्टेड ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और स्थानीय स्लीपर नेटवर्क का तेजी से उपयोग कर रहे हैं।

मुंबई में जर्जर इमारतों पर रेड अलर्ट!, मानसून की बारिश से पहले प्रशासन ने जारी की लिस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मानसून से पहले म्हाडा ने 82 जर्जर इमारतों को अतिसंकटग्रस्त घोषित किया है. 2,736 रहवासियों की सुरक्षा को लेकर नोटिस जारी कर वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है. मुंबई में मानसून की दस्तक से पहले मुंबई हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) ने बड़ा कदम उठाया है. शहर द्वीप क्षेत्र की पुरानी और जर्जर इमारतों का मानसून पहले सर्वे पूरा होने के बाद 82 इमारतों को अतिसंकटग्रस्त घोषित किया गया है. इन इमारतों की हालत इतनी खराब बताई गई है कि तेज बारिश और खराब मौसम के दौरान इनके गिरने का खतरा बना हुआ है. म्हाडा के मुंबई भवन मरम्मत एवं पुनर्रचना मंडल की ओर से जारी सूची में कई ऐसी इमारतें शामिल हैं जो पहले भी खतरनाक घोषित की जा चुकी थीं. इस बार की सूची में पिछले साल अतिसंकटग्रस्त घोषित की गई 43 इमारतें भी शामिल हैं. प्रशासन का कहना है कि इन भवनों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी कारण समय रहते कार्रवाई शुरू कर दी गई है. हजारों लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता म्हाडा के आंकड़ों के अनुसार, इन 82 खतरनाक इमारतों में कुल 2,736 लोग रह रहे हैं या उनका उपयोग कर रहे हैं. इनमें 2,256 निवासी और 480 अनिवासी किरायेदार शामिल हैं. बारिश के मौसम में इन इमारतों की स्थिति और खराब हो सकती है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. प्रशासन का मानना है कि यदि लगातार भारी बारिश होती है या तेज हवाएं चलती हैं, तो कमजोर ढांचे वाली इमारतों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है. इसी वजह से लोगों को पहले से सतर्क किया जा रहा है. रहवासियों को



जारी किए गए नोटिस म्हाडा ने खतरनाक घोषित इमारतों में रहने वाले 176 निवासियों को परिसर खाली करने के लिए नोटिस जारी किए हैं. इसके बाद कुछ लोगों ने प्रशासन के निर्देशों का पालन भी किया है. जानकारी के अनुसार, 29 निवासी किरायेदार और रहवासी म्हाडा के अस्थायी शिविरों में स्थानांतरित हो चुके हैं. वहीं 36 परिवारों ने अपनी व्यवस्था खुद करते हुए अन्य स्थानों पर रहने का फैसला किया है. हालांकि अभी भी बड़ी संख्या में लोग इन इमारतों में रह रहे हैं. ऐसे में प्रशासन लगातार लोगों से भवन खाली करने की अपील कर रहा है. अस्थायी शिविरों की तैयारी शुरू म्हाडा ने बताया कि करीब 2,102 किरायेदारों और रहवासियों के लिए संक्रमण शिविरों में व्यवस्था किए जाने की जरूरत है. इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर अन्य रहवासियों को भी नोटिस जारी किए जाएंगे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाएगा. प्रशासन का प्रयास है कि किसी भी तरह की जनहानि से बचा जा सके. जिन इलाकों की इमारतों को सबसे अधिक जोखिमपूर्ण माना गया है उनमें गिरगांव, कालबादेवी, माझगांव, नागपाड़ा, कामाठीपुरा, दादर, माहिम और आसपास के कई पुराने इलाके शामिल हैं. इन क्षेत्रों में कई इमारतें दशकों पुरानी हैं और लंबे समय से मरम्मत या पुनर्विकास की प्रतीक्षा कर रही हैं. लगातार बढ़ती उम्र और मौसम के असर के कारण उनकी संरचना कमजोर हो चुकी है. मानसून में क्यों बढ़ जाता है खतरा?

कांग्रेस 8, उद्धव सेना 4 और 3 सीटों पर लड़ेगी शरद पवार की NCP

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद की 17 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में महाविकास अघाड़ी के बीच 15 सीटों पर सहमति बन गई है। समझौते के अनुसार, कांग्रेस 8, उद्धव सेना 4 और एनसीपी (एसपी) 3 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। बाकी दो सीटों पर भी जल्द निर्णय लिया जाएगा। विधान परिषद सीट बंटवारे को लेकर शुक्रवार को यशवंत चव्हाण सेंटर में महाविकास अघाड़ी के नेताओं की बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल , एनसीपी (एसपी) की कार्याध्यक्ष सांसद सुप्रिया सुले, प्रदेश महासचिव अदिती नलावडे और पूर्व विधायक मिलिंद अण्णा कांबले, उद्धव सेना के नेता सांसद अनिल देसाई, विधायक अंबादास दानवे, विधायक मिलिंद नार्वेकर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाप बड़ा ना भैया, सबसे बड़ा रुपैया

एमवीए की बैठक के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सपकाल ने आरोप लगाया कि विधान परिषद के चुनाव में सत्ताधारी दल द्वारा बड़े पैमाने पर पैसों का उपयोग कर रहा है। विपक्षी दलों के नगरसेवकों को तोड़ा जा रहा है। कई सारे नगरसेवकों को तो 5-5 लाख रुपये एडवांस भी दे दिए गए हैं। सपकाल ने दावा किया कि इस चुनाव में 'बाप बड़ा ना भैया, सबसे बड़ा रुपैया' का खेल खेला जा रहा है। सत्ताधारी सहयोगी दलों के बीच भी खरीद-फरोख्त चल रही है। लोकतंत्र के उत्सव कह जाने वाले चुनाव को बीजेपी महायुति ने 'खरीद-फरोख्त' में बदल दिया है। बीजेपी महायुति की दादागिरी के खिलाफ महाविकास अघाड़ी चुनावी मैदान में उतरी है।



कौन किस सीट पर लड़ेगा

चर्चा के बाद कांग्रेस चंद्रपुर, यवतमाल, भंडारा, अमरावती, अहिल्यानगर, सोलापुर और धाराशिव-लातूर-बीड सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि एनसीपी (एसपी) पुणे, ठाणे और सांगली-सातारा की 3 सीटों पर तथा उद्धव सेना रायगढ़, जलगांव, परभणी-हिंगोली और छत्रपति संभाजीनगर की 4 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

बीजेपी ने घेरा

महाराष्ट्र बीजेपी के प्रवक्ता नवनाथ बन ने सपकाल के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें ही घेरा। बन ने कहा कि सपकाल ही नहीं बल्कि उनकी महाविकास अघाड़ी के नेताओं को अच्छी तरह से जानकारी है कि वे एक भी सीट नहीं जीत रहे हैं इसलिए बिन सिर पैर के आरोप लगा रहे हैं। उल्टे उनके नगरसेवक ही टूट रहे हैं। उनका छोड़ रहे हैं। वे पार्टी का आदेश नहीं मान रहे हैं क्योंकि नगरसेवकों को भी पता है

महाराष्ट्र: पुणे जा रही निजी बस ने बाइक सवारों को रौंदा, एक ही गांव के 4 युवकों की मौत



महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। शनिवार तड़के सुबह परभणी-पाथरी हाईवे पर मोटरसाइकिल और निजी यात्री बस की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। यह हादसा परभणी-पाथरी मार्ग पर राहुल जिनिंग के पास अंधरवाड़ मारुति मंदिर इलाके में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, निजी बस परभणी से पुणे की ओर जा रही थी, तभी कथित तौर पर उसकी टक्कर विपरीत दिशा से आ रही एक मोटरसाइकिल से हो गई। टक्कर की जोरदार आवाज सुनकर स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने बताया कि कुछ ही देर बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब गुस्साए लोगों की भीड़ ने कथित तौर पर दुर्घटना में शामिल निजी बस को नुकसान पहुंचाया।

पुलिस के हस्तक्षेप से काबू में आया मामला

पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया, और आखिरकार स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। स्थानीय लोगों की मदद से, पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने सड़क से क्षतिग्रस्त वाहनों को भी हटा दिया और यातायात की आवाजाही बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए। इस दुर्घटना के कारण परभणी-पाथरी हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया, जिससे ट्रैफिक जाम लग गया और यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों द्वारा सड़क साफ करने और शुरुआती राहत कार्यों को पूरा करने के बाद सामान्य यातायात बहाल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर के सही कारणों का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी गई है। पीड़ितों और दुर्घटना के कारणों के बारे में विस्तृत जानकारी का अभी इंतजार है।

बकरीद की रात खूनी वारदात से दहला दिल्ली का जहांगीरपुरी... 26 साल के युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जहांगीरपुरी। नॉर्थ वेस्ट दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में बकरीद के जश्न के बीच एक युवक की हत्या कर दी गई. जिस घर में सेवइयां बन रही थीं, वहां अब चीख-पुकार और आंसू हैं. मामूली कहासुनी ने एक 26 साल के युवक की जान ले ली. सिगरेट को लेकर हुए विवाद में कुछ लड़कों ने युवक पर चाकुओं से हमला कर दिया. पुलिस ने मामले में तीन नाबालिगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है. बकरीद की रात घरों में जश्न का माहौल था, लोग अपनों के साथ त्योहार की खुशियां बांट रहे थे. लेकिन दिल्ली के जहांगीरपुरी में एक परिवार के लिए यह रात हमेशा का दर्द बन गई. जिस घर में ईद मनाई जा रही थी, वहां कुछ ही देर बाद मातम पसर गया. मामूली विवाद के बाद 26 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. मामला नॉर्थ वेस्ट दिल्ली के जहांगीरपुरी थाना क्षेत्र के सी ब्लॉक का है. पुलिस के मुताबिक, 26 वर्षीय अरबाज शुक्रवार रात करीब 11 बजे अपने घर के पास मौजूद था. इसी दौरान इलाके के कुछ लड़कों के साथ उसकी कहासुनी हो गई. शुरुआती जांच में सामने आया है कि विवाद एक मामूली बात को लेकर शुरू हुआ था, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया. झगड़े के दौरान अरबाज पर चाकुओं से हमला किया गया. हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया. खून से लथपथ हालत में उसे तत्काल बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. अरबाज जहांगीरपुरी के सी ब्लॉक का रहने वाला था और इलाके में ही एक सुनार की दुकान पर काम करता था. युवक की मौत के बाद घर में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. पुलिस ने स्थानीय लोगों और चश्मदीदों से पूछताछ के आधार पर तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया है. उनसे पूछताछ की जा रही है और वारदात में उनकी भूमिका की जांच की जा रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है. यह पता लगाया जा रहा है कि विवाद की असली वजह क्या थी और आखिर मामूली कहासुनी इतनी बड़ी वारदात में कैसे बदल गई. हत्या के बाद इलाके में तनाव की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है.

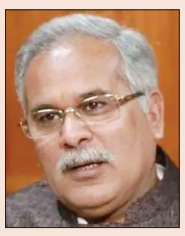
दिल्ली: Re-NEET एग्जाम के लिए छात्रों को बड़ी राहत, 21 जून को DTC बसों में फ्री सफर.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने 21 जून को होने वाले NEET-UG री-एग्जाम देने वाले छात्रों के लिए DTC बसों में मुफ्त सफर का ऐलान किया है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि छात्र सिर्फ अपना वैध एडमिट कार्ड दिखाकर फ्री यात्रा कर सकेंगे. यह फैसला पेपर लीक के बाद दोबारा परीक्षा दे रहे छात्रों पर पड़ रहे मानसिक और आर्थिक दबाव को देखते हुए लिया गया है. दिल्ली में 21 जून को होने वाले NEET-UG री-एग्जाम से पहले छात्रों के लिए राहत भरी खबर है. है कि परीक्षा देने वाले सभी छात्र उस दिन DTC बसों में मुफ्त सफर कर सकेंगे. इसके लिए छात्रों को बस कंडक्टर को सिर्फ अपना वैध नीट एडमिट कार्ड दिखाना होगा. सरकार का मानना है कि दोबारा परीक्षा दे रहे छात्रों समेत उनके परिवारों पर मानसिक-आर्थिक दबाव पहले से बहुत ज्यादा है, इसी वजह से सफर को आसान बनाने का यह फैसला लिया गया. दरअसल, 3 मई को हुई नीट परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने रद्द कर दिया था. इसके बाद अब री-एग्जाम की तारीख 21 जून तय की गई है. ऐसे में हजारों छात्रों को दोबारा तैयारी करनी पड़ी, जिससे उनका तनाव काफी बढ़ गया. इसी को देखते हुए दिल्ली सरकार परीक्षा वाले दिन बस यात्रा मुफ्त करने का कदम उठा रही है. सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार चाहती है कि किसी भी छात्र को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई दिक्कत न हो. परीक्षा जैसे अहम दिन पर ट्रांसपोर्ट की चिंता छात्रों का ध्यान भटका सकती है. दिल्ली सरकार की कोशिश यही है कि बच्चे समय पर अपने सेंटर पहुंच जाएं. इससे वे बिना किसी फालतू तनाव के, पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना पेपर दे सकेंगे. छात्रों का भविष्य और मेहनत हमारे लिए सबसे जरूरी: मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार के मुताबिक, इस सुविधा का फायदा उठाने के लिए किसी अलग पास या रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होगी.

वंदे मातरम् विवाद पर भूपेश बघेल का भाजपा को खुला चैलेंज, बोले- बिना देखे गाकर दिखाएं

रायपुर (एजेंसी)। केरल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को लेकर छिड़े राजनीतिक विवाद के बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। रायपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे एक साथ बिना देखे वंदे मातरम् गाकर दिखाएं। भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस की परंपरा में वंदे मातरम् हमेशा से शामिल रहा है और पार्टी के कार्यक्रमों की शुरुआत इसी गीत से होती है। उन्होंने दावा किया कि जिला स्तर से लेकर बड़े आयोजनों तक कांग्रेस कार्यकर्ता नियमित रूप से वंदे मातरम् गाते हैं, जबकि भाजपा के लोग इस विषय पर केवल राजनीति करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के जिला, ब्लॉक और प्रदेश स्तर के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् का गायन एक परंपरा है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग आज राष्ट्रवाद की बात करते हैं, वे पहले कभी वंदे मातरम् गाते तक नजर नहीं आते थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय उनका सम्मान किया जाना चाहिए। अपने हालिया दिल्ली दौरे को लेकर भी भूपेश बघेल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी मुलाकात कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई। बघेल ने कहा कि बैठक में विशेष रूप से पंजाब की राजनीतिक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा हुई। संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। केंद्र में भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर शुरू किए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान पर भी पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनसंपर्क अभियान अवश्य चलाना चाहिए, क्योंकि जनता उनके जवाब का इंतजार कर रही है। भूपेश बघेल ने कहा कि महाजनसंपर्क अभियान के दौरान जनता भाजपा से महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और अन्य जनहित के मुद्दों पर सवाल पूछेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को अब जनता के सवालों का जवाब देना होगा।



उत्तरकाशी में खाई में गिरी कार, 2 की मौत, 3 गंभीर घायल अस्पताल में भर्ती

-एसडीआरएफ ने अंधेरे और विषम परिस्थितियों के बीच चलाया रेस्क्यू

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में जनपद उत्तरकाशी के गंगनानी क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एसडीआरएफ ने अंधेरे और विषम परिस्थितियों के बीच बचाव अभियान चलाकर सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गंगनानी-भटवाड़ी मार्ग पर स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट भटवाड़ी की टीम उपनिरीक्षक गब्बर सिंह और पोस्ट उजेली की टीम आरक्षी शक्ति सिंह के नेतृत्व में आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि वाहन गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त पड़ा है। कार में कुल पांच लोग सवार थे, जिनमें से 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल थे। एसडीआरएफ जवानों ने रात के अंधेरे में रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें अस्पताल भिजवाया गया। वहीं, मृतकों के शवों को भी खाई से बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे में घायल होने वालों में विमल कुमार प्रधान (61), उपासना प्रधान (54) निवासी भुवनेश्वर और यशवीर (35) निवासी पंजाब शामिल हैं। दुर्घटना में दामोदर हरीराम रामटेककर (77) एवं लक्ष्मी दामोदर रामटेककर (67) निवासी नागपुर, महाराष्ट्र की मृत्यु हो गई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

कल्याण में ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला- प्रेम विवाह से नाराज पिता ने बेटी की हत्या की

कल्याण (एजेंसी)। मुंबई से सटे कल्याण शहर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। प्रेम विवाह करने से नाराज एक पिता ने अपनी ही विवाहित बेटी की हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कल्याण पश्चिम के पार नाका इलाके में रहने वाली गायत्री वसईकर ने कुछ महीने पहले अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध जाकर अपने प्रेमी से विवाह किया था। बताया जा रहा है कि परिवार ने पहले उसका रिश्ता कहीं और तय किया था और सगाई भी हो चुकी थी। हालांकि, गायत्री ने वह रिश्ता तोड़कर अपनी पसंद के युवक से शादी कर ली थी। परिजनों के अनुसार, बेटी के इस फैसले से उसके पिता विनोद वसईकर बेहद नाराज थे। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव बना हुआ था। घटना वाले दिन गायत्री अपने मायके आई हुई थी। दोपहर के भोजन के बाद घर में एक बार फिर शादी और परिवार की नाराजगी को लेकर चर्चा शुरू हुई, जो धीरे-धीरे विवाद में बदल गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक, बेटी द्वारा परिवार की इच्छा के खिलाफ जाकर विवाह करने की बात को लेकर आरोपी पिता के मन में गहरा आक्रोश था। विवाद बढ़ने पर उन्होंने एक धारदार हथियार से बेटी पर हमला कर दिया। हमले में गायत्री गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे गहरी चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। गंभीर हालत के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पिता वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बाजारपेठ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की तलाश की और कुछ ही समय में उसे गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने पूरे कल्याण क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है कि पारिवारिक मतभेद और सामाजिक दबाव किस हद तक पहुंच सकते हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उसे अदालत में पेश करने की तैयारी की जा रही है। जांच अधिकारी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना से पहले घर में क्या परिस्थितियां थीं और विवाद किस तरह हिंसक रूप ले बैठा। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

आज रामगढ़ के लोग नहीं निकल सकेंगे घरों से बाहर, सभी को दी सचेत रहने की सलाह

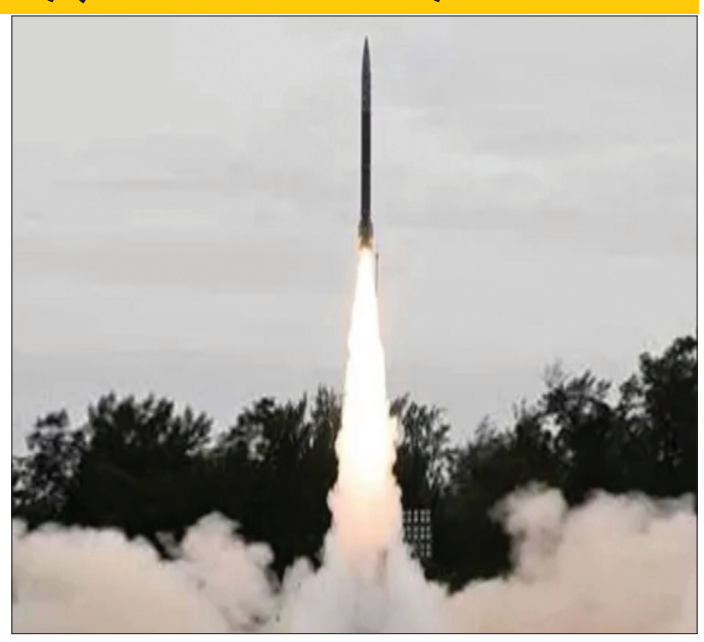
-लोग करें सुरक्षा निर्देशों का पालन, डीआरडीओ हाई-पावर बम का करने जा रहा टेस्ट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला जिले में रामगढ़रेंज के पास रहने वाले लोगों को रविवार को घर में ही रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) इस सुविधा केंद्र पर एक हाई-पावर बम का टेस्ट करने जा रहा है। यह ट्रायल टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी द्वारा किया जाएगा। यह डीआरडीओ की एक प्रमुख प्रयोगशाला है जो गोला-बारूद, विस्फोटक और हथियार प्रणालियों के परीक्षण और मूल्यांकन में विशेषज्ञता रखती है।

एहतियात के तौर पर स्थानीय अधिकारियों से कहा गया है कि वे टेस्टिंग रेंज के पास स्थित गांवों के लोगों को सचेत करें। लोगों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित टेस्टिंग समय में अपने घरों के अंदर ही रहें और खुले इलाकों में जाने से बचें। प्रशासन ने जोर देकर कहा है कि यह अभ्यास रक्षा से जुड़ा एक नियमित टेस्ट है और इसमें घबराने की बात नहीं। लोगों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अफ़वाहों पर ध्यान न दें और अधिकारियों द्वारा जारी सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीआरडीओ वैज्ञानिकों द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक ट्रायल के दौरान होने वाला धमाका इतना ज़ोरदार हो सकता है कि बम के टुकड़े हवा में 1.5 किलोमीटर तक दूर जा सकते हैं। अधिकारियों ने धमाके वाली जगह के करीब दो किलोमीटर के दायरे को टुकड़ों से होने वाले ख़तरे वाले इलाके के रूप में भी घोषित किया है। टेस्टिंग में प्रतिबंधित इलाकों में प्रवेश पर कड़ी नजर रखी जाएगी ताकि आम लोगों की सुरक्षा तय की जा सके।

पूरी टेस्टिंग प्रक्रिया कड़े सुरक्षा नियमों के तहत की जाएगी और भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी निगरानी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह तय करने के लिए व्यापक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं कि ट्रायल सुरक्षित रूप से हो और आस-पास के समुदायों पर इसका कोई बुरा असर न पड़े। पंचकूला के उपायुक्त को भेजे गए एक संदेश में, टीबीआरएल के टेक्नोलॉजी डायरेक्टर ने अनुरोध किया कि भानु और बिल्ला गाँवों के लोगों को टेस्ट के दौरान घर के अंदर रहने का निर्देश दिया जाए।



चिलचिलाती धूप व गर्मी में खुले मैदान में जरांगे का अनशन फिर शुरु

-महाराष्ट्र सरकार पर बढ़ा दबाव, मंत्री पाटिल 400 किमी दूर मनाने पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने शनिवार को जालना जिले में भीषण गर्मी के बीच अपना नौवां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया, जिससे आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार पर दबाव और बढ़ गया। अंतरवाली सराटी गांव में आंदोलन शुरू होते ही मराठा आरक्षण मंत्रिमंडलीय उप-समिति के अध्यक्ष और मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल वहां पहुंचे और जरांगे से बात कर उन्हें आंदोलन वापस लेने का प्रयास किया। मुंबई से करीब 400 किलोमीटर दूर स्थित अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे ने भीषण गर्मी के बावजूद बिना किसी टेंट या छाया के खुले मैदान में अनशन शुरू किया। जरांगे सरकार से बार-बार कहते रहे हैं कि वह मराठा समुदाय की ''अग्निपरीक्षा'' न ले। उन्होंने यह भी संकल्प जताया कि उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रहेगा। जरांगे ने मराठा समुदाय के सदस्यों को ओबीसी आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने की अपनी मांग दोहराई है। इसके अलावा उन्होंने हैदराबाद और सातारा गजट अभिलेख लागू करने और आरक्षण आंदोलन में भाग लेने वाले मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की भी मांग की है। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बने मंत्रालय की तर्ज पर मराठा समुदाय के लिए अलग मंत्रालय बनाने की मांग की।



अमरनाथ यात्रा के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम, 80 हजार जवान रहेंगे तैनात



-दो माह तक चलने वाली यात्रा में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए जा रहे हैं। 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलने वाली इस वर्ष की यात्रा के लिए 80 हजार से अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार यह अमरनाथ यात्रा के इतिहास की सबसे बड़ी सुरक्षा व्यवस्था मानी जा रही है।

सुरक्षा योजना के तहत लगभग 60 हजार अर्धसैनिक बलों के जवानों को जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की करीब 700 कंपनियां विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में लगाई जाएंगी। इनके अलावा पहले से तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना के करीब 20 हजार जवान भी यात्रा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

यात्रा मार्गों, आधार शिविरों, संवेदनशील स्थानों और श्रद्धालुओं के ठहराव केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां आधुनिक तकनीक, निगरानी उपकरणों और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के जरिए यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाने की तैयारी में जुटी हैं। इस वर्ष सुरक्षा बढ़ाने का एक प्रमुख कारण यात्रा की अवधि में वृद्धि भी है। पिछले वर्ष यात्रा 38 दिनों तक चली थी, जबकि इस बार इसकी अवधि लगभग दो महीने निर्धारित की गई है। लंबी अवधि के कारण अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस बार देशभर से 5 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। इसे देखते हुए सुरक्षा के साथ-साथ यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं, आवास और आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रा के दौरान किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा बलों तथा प्रशासन के बीच समन्वित व्यवस्था बनाई गई है। इससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित की जा सकेगी।

केजरीवाल बोले- शिक्षा व्यवस्था माफिया के चंगुल में

-वायुसेना के विमान से प्रश्नपत्र पहुंचाने के प्रस्ताव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक रोकने के लिए वायुसेना के विमानों के इस्तेमाल संबंधी प्रस्तावित व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केवल प्रश्नपत्रों के परिवहन का तरीका बदलने से पेपर लीक जैसी समस्याएं खत्म नहीं होंगी और इसके लिए मजबूत एवं पारदर्शी व्यवस्था की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में केजरीवाल ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पेपर लीक रोकने की बजाय दिखावटी उपायों पर केंद्रित दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था परीक्षा माफिया के प्रभाव में आ चुकी है और इसे सुधारने के लिए



व्यापक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के बाद रद्द कर दी गई थी। अब इसकी पुनर्परीक्षा 21 जून को प्रस्तावित है। इसी बीच, देशभर में आयोजित सीयूईटी-यूजी परीक्षा के दौरान भी कुछ केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं की शिकायतें सामने आई हैं।

आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भी वाराणसी के एक परीक्षा केंद्र पर कथित सर्वर समस्या का मुद्दा उठाया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में छात्रों को परीक्षा शुरू होने में हुई देरी से परेशान दिखाया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने परीक्षा प्रबंधन पर सवाल उठाए और कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

नीट और सीयूईटी को लेकर उठे सवालों के बीच परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, तकनीकी तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बहस तेज हो गई है। विपक्षी दल जहां सरकार को घेर रहे हैं, वहीं केंद्र और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा कराने का भरोसा जता रही हैं।

आईएसआई और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े 9 संदिग्ध गिरफ्तार

-दिल्ली पुलिस का बड़ा दावा- धार्मिक स्थलों और सरकारी प्रतिष्ठानों को बना सकते थे निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से कथित रूप से जुड़े 9 संदिग्धों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से हथियार, ग्रेनेड और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह समूह दिल्ली, मुंबई और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े हमलों की साजिश रच रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इनके संभावित निशानों में प्रमुख धार्मिक स्थल, सरकारी इमारतें, मंत्रालय और सुरक्षा बलों से जुड़े प्रतिष्ठान शामिल थे। हालांकि इन आरोपों की जांच अभी जारी है और मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया चल रही है। सूत्रों के अनुसार, यह कथित मॉड्यूल लंबे समय से सक्रिय था और इसके कुछ सदस्य पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में थे। पुलिस सूत्रों का कहना है, कि गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली, मुंबई और पंजाब से जुड़े लोग शामिल हैं, जबकि कुछ नेपाली नागरिक भी हिरासत में लिए गए हैं।

जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क के मास्टरमाइंड, फंडिंग चैनल और स्थानीय सहयोगियों की भूमिका की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि इस मॉड्यूल को संचालित करने के लिए एक व्यापक लॉजिस्टिक और संपर्क तंत्र का इस्तेमाल किया जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि फिलहाल संदिग्धों से पूछताछ जारी है और उनके डिजिटल रिकॉर्ड, वित्तीय लेन-देन तथा संपर्कों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां उन भारतीय मददगारों और विदेशी संचालकों की पहचान करने का प्रयास कर रही हैं, जिन्होंने कथित तौर पर इस नेटवर्क को सहायता प्रदान की। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़े और तथ्य सामने आ सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील मामला बताते हुए सतर्कता बढ़ा दी है।

राजस्थान में रेतीले बवंडर का कहर, दिन में छाया अंधेरा

-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी

-पेड़ और बिजली पोल गिरे, सीमा से सटे इलाकों में सबसे अधिक असर

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शनिवार को आए भीषण रेतीले तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर जिलों में दोपहर के समय तेज रेतीला बवंडर उठने से दिन में ही अंधेरे जैसी स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि इसका प्रभाव लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में देखा गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर क्षेत्र से हुई, जिसके बाद यह तेजी से आसपास के जिलों में फैल गया। इस दौरान 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। धूल और रेत के घने गुबार के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे लोगों को दिन के समय भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा।

तूफान के वीडियो हुए वायरल

तूफान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें लोग तेज हवाओं और धूल से बचने



के लिए घरों और दुकानों की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतना व्यापक और घना रेतीला तूफान नहीं देखा। कुछ लोगों के अनुसार धूल का गुबार 80 से 100 फीट तक ऊंचा दिखाई दे रहा था, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पेड़े जड़ से उखड़े

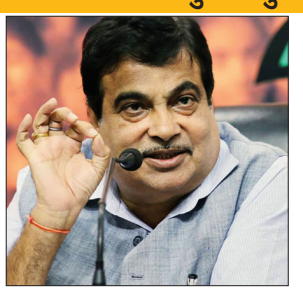
तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ जड़ समेत उखड़ गए और बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए रखी है। राहत की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यह रेतीला तूफान पाकिस्तान की ओर से उठी धूलभरी हवाओं के प्रभाव के कारण राजस्थान के सीमावर्ती जिलों तक पहुंचा। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने, अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने और मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने की सलाह दी है। अगले कुछ घंटों तक क्षेत्र में तेज हवाओं और मौसम में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

अब नहीं होना पड़ेगा एलपीजी गैस पर निर्भर, रसोई का बदल जाएगा स्वरूप

-केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इथेनॉल आधारित आधुनिक कुक स्टोव का किया अनावरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में इथेनॉल आधारित एक आधुनिक कुक स्टोव का अनावरण किया है, जिसे घरेलू रसोई में एलपीजी गैस सिलेंडर का सस्ता, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल विकल्प माना जा रहा है। यह पूरी तरह भारत में विकसित और निर्मित तकनीक है, जिसका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के क्षेत्र में देश की विदेशी निर्भरता को कम करना और घरेलू संसाधनों के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देना है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह चूल्हा भविष्य में आम लोगों की रसोई का स्वरूप बदल सकता है। इस चूल्हे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे चलाने के लिए इथेनॉल को पानी में मिलाया जाता है। जानकारी के मुताबिक पानी में केवल सात फीसदी इथेनॉल मिलाकर इसे जलाया जा सकता है। यह मिश्रण तेज नीली लौ पैदा करता है, जिससे खाना करीब उसी गति से पकता है जैसे एलपीजी गैस चूल्हे पर पकता है। चूंकि इसमें तरल ईंधन का इस्तेमाल होता है, इसलिए एलपीजी सिलेंडर की तरह उच्च दबाव या विस्फोट का खतरा नहीं रहता, जिससे यह घरेलू उपयोग के लिए अधिक सुरक्षित माना जा रहा है।



विशेषज्ञों का कहना है कि यह चूल्हा पर्यावरण के लिहाज से भी काफी बेहतर है। इसके जलने पर हानिकारक धुआं या प्रदूषणकारी गैसें बहुत कम निकलती हैं, जिससे यह स्वच्छ ऊर्जा के रूप में उभर सकता है। इसके अलावा, पानी के साथ सीमित मात्रा में इथेनॉल के उपयोग के कारण इसकी ईंधन लागत भी काफी कम हो सकती है। अनुमान है कि इथेनॉल की कीमत 60 से 70 रुपए प्रति लीटर के आसपास हो सकती है, जिससे मासिक खर्च एलपीजी सिलेंडर की तुलना में काफी कम पड़ेगा। दुनिया के कई देश ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने के लिए इथेनॉल आधारित ईंधन को बढ़ावा दे रहे हैं।

बता दें इथेनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन की अवधारणा को 1973 के वैश्विक तेल संकट के बाद तेजी मिली थी, जब अरब देशों द्वारा तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने से दुनिया को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा था। विशेषज्ञ मानते हैं कि इथेनॉल आधारित यह नया चूल्हा भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम पहल साबित हो सकता है। इससे किसानों को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि इथेनॉल उत्पादन के लिए कृषि आधारित उत्पादों की मांग बढ़ेगी।

कर्नाटक के नए सीएम के सामने होंगी राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक चुनौतियां

-कार्यभार संभालने से पहले शिवकुमार के सामने मंत्रियों की परिषद चुनने की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में बड़ी राजनीतिक हलचल के बीच सिद्दरमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और उम्मीद है कि डीके शिवकुमार राज्य के नए सीएम होंगे। कर्नाटक के नए सीएम के सामने कई चुनौतियां भी होंगी जिनमें राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक चुनौतियां हैं। इनमें नई कैबिनेट में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों को संतुलित करने से लेकर, वित्तीय दबाव के बीच कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मेकेदातु जलाशय मुद्दे को सुलझाना शामिल है। ये काम शिवकुमार के लिए मुश्किलों भरा रहने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने से पहले ही शिवकुमार के सामने मंत्रियों की परिषद चुनने की बड़ी चुनौती है। शिवकुमार के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौतियों में से एक अहिंदा के उस समर्थन आधार को बनाए रखना है, जिसे सिद्दरमैया ने बड़ी मेहनत से तैयार किया था। अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के इस सामाजिक गठबंधन ने 2023 में कांग्रेस की सत्ता में वापसी में अहम भूमिका निभाई थी और यह पार्टी की चुनावी रणनीति का मुख्य केंद्र बना हुआ है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उन्हें अहिंदा समुदायों को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनके हितों की रक्षा आगे भी होती रहेगी। जरा सी भी अनदेखी या नाराजगी बीजेपी-जेडीएस को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का मौका दे सकती है। इसलिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना राजनीतिक रूप से बेहद जरूरी होगा।

सिद्दरमैया के साथ तालमेल बिठाकर काम करने की शिवकुमार की क्षमता ही यह तय करेगी कि 2028 में कांग्रेस सत्ता की बागडोर दोबारा संभाल पाती है या नहीं। बता दें सिद्दरमैया ने राज्य की राजनीति में सक्रिय रहने का प्रण लिया है।

कांग्रेस की मुख्य गारंटी योजनाओं को जारी रखते हुए राज्य के वित्त का प्रबंधन करना एक मुश्किलभरा काम साबित हो सकता है। सरकार पहले से ही पांच योजनाओं पर सालाना लगभग 51,000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है, जिसमें गृह लक्ष्मी, शक्ति, अन्न भाग्य, युवा निधि और गृह ज्योति जैसी योजनाएं शामिल हैं। राजस्व जुटाना, बढ़ती सब्सिडी की प्रतिबद्धताएं और उधार लेने की सीमाएं मुख्य चिंताएं बनी रहेंगी लेकिन कल्याणकारी योजनाओं में कटौती करने से राजनीतिक जोखिम हो सकते हैं। कर संग्रह में सुधार, निवेश आकर्षित करना और खर्च को प्राथमिकता देना मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

बेंगलुरु से बाहर विकास का विस्तार करना और कृषि संबंधी चिंताओं को दूर करना एक और अहम क्षेत्र है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। भले ही बेंगलुरु निवेश, बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक ध्यान के मामले में हावी बना हुआ है, लेकिन उत्तरी और ग्रामीण कर्नाटक के प्रतिनिधियों ने लगातार इन क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान देने की मांग की है। कई जिलों के किसानों को सूखे, सिंचाई की कमी, फसलों के नुकसान और बाजार की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बेंगलुरु की शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर की मांगों और ग्रामीण विकास की उम्मीदों के बीच संतुलन बनाने के लिए संसाधनों का सोच-समझकर बंटवारा करना होगा। शिवकुमार के प्रशासन का मूल्यांकन न केवल बेंगलुरु के विकास से होगा, बल्कि इस बात से भी होगा कि विकास छोटे शहरों तक पहुंच पाता है या नहीं। मेकेदातु बैलेंसिंग रिजर्वोयर प्रोजेक्ट और



कावेरी नदी से जुड़े बड़े विवाद के संवेदनशील राजनीतिक चुनौतियों के रूप में सामने आने की उम्मीद है। 2023 के चुनावों से पहले कनकपुरा से बेंगलुरु तक पदयात्रा करके मेकेदातु प्रोजेक्ट की जोरदार वकालत करने वाले शिवकुमार पर सीएम के तौर पर इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का भारी दबाव होगा। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु ने कावेरी नदी के पानी में अपने हिस्से को लेकर चिंताओं का हवाला देते हुए लगातार इसका विरोध किया है।

सरकारी तेल कंपनियों को 30 दिन का एलपीजी बैकअप रखने का आदेश

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज में फंसे जहाज भी चुनौती

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव के मद्देनजर भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में जुट गया है। केंद्र सरकार ने सरकारी तेल कंपनियों को आपात स्थिति से निपटने के लिए कम से कम 30 दिनों का एलपीजी रिजर्व स्टॉक तैयार रखने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कच्चे तेल का अतिरिक्त भंडार बनाने पर भी काम जारी है, ताकि किसी भी संकटकाल में देश में गैस या ईंधन की किल्लत न हो। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी इस निर्देश का उद्देश्य देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाना है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं; फरवरी के 69.01 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर मई में यह 106.83 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इस भारी उछाल से भारतीय तेल कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 550 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, जिसका सीधा परिणाम पिछले 10 दिनों में पेट्रोल और डीजल में करीब 7.5 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि के रूप में सामने आया है। वर्तमान में भारत की दैनिक एलपीजी मांग लगभग 72,000 मीट्रिक टन है, जबकि घरेलू रिफाइनरियां प्रतिदिन 52,000 मीट्रिक टन का उत्पादन कर रही हैं। शेष आवश्यकता को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। उधर, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ते तनाव ने भी चिंता बढ़ा दी है, जहाँ भारत के 13 जहाज, जिनमें 1 एलपीजी कैरियर और 5 कच्चे तेल के जहाज शामिल हैं, फंसे हुए हैं। पोत परिवहन मंत्रालय इन जहाजों की सुरक्षित वापसी पर लगातार नजर बनाए हुए है।

युद्ध के डर से बढ़ी उर्वरक बिक्री, बढ़ी आयात लागत

देश में यूरिया 10 फीसदी और डीएपी की बिक्री 39 फीसदी तक बढ़ी



नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने के बाद से भारतीय किसानों में उर्वरक की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसके चलते देश में यूरिया और डाई अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। खरीफ सम्मेलन में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, किसानों द्वारा घबराहट में की गई खरीद, अत्यधिक भंडारण और जमाखोरी के कारण मार्च से मई के बीच यूरिया की बिक्री में लगभग 10 फीसदी और डीएपी की बिक्री में लगभग 39 फीसदी का उछाल आया है। इसके साथ ही, युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरक आयात की लागत में भी भारी वृद्धि हुई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि युद्ध के बाद से यूरिया की दैनिक बिक्री सामान्य 40,000-45,000 टन से दोगुनी होकर लगभग 80,000-85,000 टन हो गई है। 1 मार्च से 25 मई के बीच उपभोक्ताओं ने कुल 50.5 लाख टन यूरिया और 12.4 लाख टन डीएपी खरीदी, जो पिछले साल की इसी अवधि से क्रमशः 4.5 लाख टन और 3.5 लाख टन अधिक है। मुख्य रूप से महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में यह अतिरिक्त खरीद देखी गई है। सरकार ने ऐसे 100 जिलों की पहचान की है जहां उर्वरक की बिक्री सामान्य से बहुत अधिक हुई है, जिन पर नजर रखी जा रही है। युद्ध ने उर्वरक लागत को भी बढ़ा दिया है। खाद कारखानों के लिए गैस की खरीद 70-80 प्रतिशत महंगी हुई है, जबकि 25 लाख टन आयातित यूरिया 112 प्रतिशत और 13.5 लाख टन आयातित डीएपी 38 प्रतिशत महंगा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने बेहतर भंडारण के कदम उठाए हैं, जिससे खरीफ सीजन के लिए आवश्यक 390 लाख टन उर्वरक के मुकाबले देश में 200 लाख टन से अधिक का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

आरबीआई की विदेशी मुद्रा आय में रिकॉर्ड उछाल, पहुंचा 1.69 लाख करोड़

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से अपनी आय में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 52 प्रतिशत बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई।यह केंद्रीय बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार का संकेत है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से आरबीआई की आय 1.11 लाख करोड़ रुपये थी, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 में बड़ा उछाल देखा गया। इस अवधि में, आरबीआई का कुल बहीखाता आकार भी 15.72 लाख करोड़ रुपये बढ़कर रिकॉर्ड 91.97 लाख करोड़ रुपये हो गया। संपत्ति पक्ष पर यह वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू निवेश (44.9त्न), स्वर्ण भंडार (63.8 फीसदी) और विदेशी निवेश (7.9 फीसदी) में हुई



बढ़ोतरी के कारण दर्ज की गई। आरबीआई का अधिशेष (सरप्लस) भी वित्त वर्ष 2025-26 में 6.7 प्रतिशत बढ़कर 2,86,588.46 करोड़ रुपये हो गया। जो पिछले वित्त वर्ष 2,68,590.07 करोड़ रुपये था। यह मजबूत वित्तीय प्रदर्शन देश की आर्थिक स्थिरता में आरबीआई की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

सोना एक हफ्ते में हजार और चांदी दो हजार रुपए से अधिक सस्ती

सोना 1,56,463 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,63,350 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के दामों में इस हफ्ते उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार सोना 1200 रुपए से अधिक और चांदी 2600 रुपए से अधिक सस्ते हुए हैं। इस गिरावट के पीछे वैश्विक अस्थिरता और महंगाई बढ़ने की आशंकाएं मुख्य वजह मानी जा रही हैं, जिससे खरीदारों के लिए यह एक अच्छा मौका बन गया है। इस हफ्ते 24 कैरेट सोने का दाम 1,257 रुपए कम होकर 1,56,463 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जो पहले 1,58,720 रुपए था। वहीं चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है, यह 2,650 रुपए सस्ती होकर 2,63,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। विभिन्न कैरेट के सोने में भी नरमी आई है, 22 कैरेट सोना अब 1,43,320 और 18 कैरेट सोना 1,17,347 रुपए प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध है।

आईआईएफसीएल का 2025-26 में मुनाफा घटकर 1,379 करोड़ हुआ



नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने मुनाफे में 57 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की है, जो 1,379 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, कंपनी ने इसी अवधि में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड-तोड़ स्वीकृतियां और वितरण कर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को बनाए रखा है। वित्त वर्ष 2024-25 में 2,165 करोड़ रुपए के मुनाफे की तुलना में आईआईएफसीएल का लाभ उल्लेखनीय रूप से गिरा है। इसके बावजूद, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 57,680 करोड़ रुपए की अब तक की सर्वाधिक मंजूरी दी, जो पिछले वित्त वर्ष से लगभग 13 प्रतिशत अधिक है। आईआईएफसीएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि इस अवधि में वितरण भी 16 प्रतिशत बढ़कर 32,972 करोड़ रुपए हो गया, जिससे देश में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण को मजबूत गति मिली। 31 मार्च 2026 तक, आईआईएफसीएल का एकल आधार ऋण पोर्टफोलियो लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 81,715 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो कंपनी की बढ़ती पहुंच और बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, भले ही उसके लाभ में कमी आई हो।

शेयर बाजार ने रिकॉर्ड उछाल से जोरदार गिरावट तक का तय किया सफर

सोमवार को 1000 अधिक अंकों की रिकॉर्ड तेजी, सप्ताह के आखिर में सेंसेक्स 76,488 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को एक अप्रत्याशित यात्रा का अनुभव हुआ, जो एक मजबूत शुरुआत के साथ शुरू होकर भारी गिरावट के साथ समाप्त हुई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों, अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते शानदार तेजी के साथ हुई थी। हालांकि, यह उत्साह अल्पकालिक साबित हुआ, क्योंकि भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार का रुख पूरी तरह बदल दिया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने रिकॉर्ड तोड़ मजबूती दर्ज की। सेंसेक्स 1,073.61 अंक उछलकर 76,488.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 312.40 अंक बढ़कर 24,031.70 पर पहुंच गया। बैंकिंग और ऑटो जैसे प्रमुख क्षेत्रों में खरीदारी ने इस तेजी को बल दिया, वहीं रुपये ने भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की मजबूती दर्ज की। वैश्विक स्तर पर अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदें और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट इसका मुख्य कारण बनीं। हालांकि, यह सकारात्मक माहौल मंगलवार से बिगड़ना शुरू हो गया। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और विशेष रूप से ईरान पर अमेरिकी हमलों के प्रभावों की आशंकाओं ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। मंगलवार को सेंसेक्स 479.26 अंक और निफ्टी 118.00 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को भी बाजार उतार-चढ़ाव भरा रहा और मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ,



सेंसेक्स 141.90 अंक और निफ्टी 6.55 अंक नीचे आए। गुरुवार को ईद के त्योहार के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार की सुबह बाजार में थोड़ी हरियाली दिखी, लेकिन यह ज्यादा देर टिक नहीं पाई। दिन भर हुई भारी बिकवाली के चलते बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 359.41 अंक गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। इस गिरावट के साथ निफ्टी ने 23,600 और 23,550 जैसे महत्वपूर्ण स्तरों को भी तोड़ दिया, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कुल मिलाकर, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने भारतीय बाजार के एक मजबूत सप्ताह की शुरुआत को भारी गिरावट में बदल दिया।

इंडिगो को 2,537 करोड़ का घाटा, विदेशी मुद्रा, ईंधन व युद्ध ने बढ़ाई मुश्किल

नई दिल्ली।

प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 2,536.9 करोड़ रुपए का समेकित घाटा दर्ज किया है। कंपनी ने इस घाटे के लिए विदेशी मुद्रा में हुए भारी नुकसान, विमानन ईंधन (एटीएफ) की बढ़ी हुई कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उड़ानों के रद्द होने को मुख्य वजह बताया है। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में एयरलाइन ने 3,067.5 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था। एयरलाइन के अनुसार चौथी तिमाही में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगभग 5 फीसदी की कमजोरी आई, जिससे उसे 4,820 करोड़ रुपए का भारी विदेशी मुद्रा घाटा हुआ। मुख्य वित्तीय अधिकारी गौरव नेगी ने स्पष्ट किया कि यह मुख्य रूप से मार्क-टू-मार्केट नुकसान है, जो विमानों की लीज और रखरखाव से संबंधित भविष्य की देनदारियों से जुड़ा है। इसके अलावा पश्चिम एशिया युद्ध के कारण एयरलाइन को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों (लगभग 160 दैनिक उड़ानें) को रद्द करना पड़ा, जिससे परिचालन पर नकारात्मक असर पड़ा। विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में



अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 फीसदी और घरेलू स्तर पर 25-30 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई, जिसका पूरा बोझ इंडिगो यात्रियों पर नहीं डाल सकी। कुल मिलाकर, तिमाही में इंडिगो का कुल खर्च 30.1 फीसदी बढ़कर 25,932.5 करोड़ रुपए हो गया, जबकि कुल आय केवल 3.2 फीसदी बढ़कर 23,830.7 करोड़ रुपए रही।

निर्यातकों को अब 'ट्रेड कनेक्ट' पर मिलेंगे डिजिटल मूल प्रमाण पत्र

1 जून 2026 से प्रभावी होगी व्यवस्था

नई दिल्ली ।

भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत निर्यात करने वाले भारतीय निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा शुरू की जा रही है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घोषणा की है कि 1 जून 2026 से निर्यात के लिए आवश्यक 'मूलस्थान का तरजीही प्रमाणपत्र' 'ट्रेड कनेक्ट' नामक एकीकृत डिजिटल पोर्टल के माध्यम से जारी किया जाएगा। यह प्रमाणपत्र उन निर्यातकों के लिए अनिवार्य है जो व्यापार समझौतों के तहत ओमान में सीमा शुल्क रियायतों का लाभ उठाना चाहते हैं।

डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में बताया कि 'ट्रेड कनेक्ट' भारतीय निर्यात के लिए मूलस्थान के सभी इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणपत्र जारी करने का एक एकीकृत डिजिटल मंच है। यह नई व्यवस्था 1 जून 2026 से भारत-ओमान व्यापार समझौते के प्रभाव में आने के साथ ही शुरू हो जाएगी। इस समझौते पर दिसंबर 2025 में हस्ताक्षर किए गए थे। यह कदम निर्यात प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने में सहायक होगा।

क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट

संस्थागत बिकवाली ने बिटकॉइन को 72,000 डॉलर के नीचे धकेला

नई दिल्ली ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में इन दिनों भारी उथल-पुथल देखी जा रही है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय डिजिटल करेंसी बिटकॉइन, 72,000 डालर के अहम मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गई है, जिसने निवेशकों और ट्रेडर्स के बीच खलबली मचा दी है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह क्रिप्टो मार्केट से संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना पैसा निकालना माना जा रहा है, जिसने बाजार के सेंटिमेंट को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से आउटफ्लो बाजार में आई इस अचानक और तेज गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह स्पॉट बिटकॉइन से लगातार होने वाला भारी आउटफ्लो है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में इन ईटीएफ से करीब 2.8 बिलियन डॉलर का फंड बाहर निकाला जा चुका है। ब्लैकरॉक जैसे बड़े फंड्स से बड़े पैमाने पर हुई इस बिकवाली ने बाजार पर गहरा दबाव डाला है, जिससे बिटकॉइन के दाम तेजी से नीचे आ गए हैं। संस्थागत निवेशकों का यह कदम दर्शाता है कि वे फिलहाल जोखिम लेने से बच रहे हैं या मुनाफावसूली कर रहे हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस गिरावट के पीछे सिर्फ संस्थागत बिकवाली ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, बढ़ती ब्याज दरें और बड़े निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली करना भी शामिल है। फिलहाल, ट्रेडर्स और आम निवेशकों को बाजार में अत्यधिक सावधानी



बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ में दोबारा बड़े पैमाने पर निवेश शुरू नहीं होता या बाजार में स्थिरता नहीं आती, तब तक अस्थिरता बनी रह सकती है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अगले कुछ हफ्तों में होगा- राजदूत गोर

समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि दल अगले सप्ताह नई दिल्ली आएगा



नई दिल्ली ।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में घोषणा की है कि भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता अगले कुछ हफ्तों और महीनों में अंतिम रूप ले लेगा और उस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। यह जानकारी उन्होंने यूएस-इंडिया ट्रस्ट इनिशिएटिव में अनुसंधान और नवाचार में साझेदारी को बढ़ावा देने के मुद्दे पर दी, जहां उन्होंने दोनों देशों के बीच नवाचार और निवेश से प्रेरित रणनीतिक साझेदारी पर भी जोर दिया। राजदूत गोर ने बताया कि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की एक उच्चस्तरीय दल अगले सप्ताह नई दिल्ली पहुंच रहा है, ताकि व्यापार के अंतिम एक प्रतिशत पर चर्चा और निर्णय लिया जा सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका और भारत एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में बने हुए हैं। गोर ने कहा, महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यह डिजिटल व्यापार और उन्नत विनिर्माण से लेकर ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों तक, नवाचार, निवेश और उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों द्वारा तेजी से संचालित हो रहा है। उन्होंने बताया कि व्यापार में यह वृद्धि न केवल दोनों देशों की बड़ी कंपनियों को लाभ पहुंचा रही है, बल्कि स्टार्टअप्स और व्यक्तिगत उद्यमियों की भी मदद कर रही है। राजदूत गोर ने भारत की तकनीकी क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों में तकनीकी नवाचार अगले दो, पांच और दस वर्षों में वैश्विक मंच पर दिखाई देगा, जिनमें से कुछ नवाचार दुनिया भर के लोगों के लिए जीवन बदलने वाले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि महत्त्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां वैश्विक शक्ति संतुलन को नया आकार दे रही हैं और इस दिशा में नेतृत्व करने के लिए हमारे जैसी कोई बेहतर साझेदारी नहीं।

एनएफएचएस-6 में मोटापे-मधुमेह का बढ़ता बोझ, प्रगति के साथ चिंता



नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) के ताजा आंकड़े भारत के बदलते स्वास्थ्य परिदृश्य की एक जटिल तस्वीर पेश करते हैं। जहां एक तरफ देश स्वास्थ्य बीमा कवरेज, टीकाकरण दरों और मातृत्व एवं बाल पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ठोस प्रगति कर रहा है, वहीं दूसरी ओर मोटापा और मधुमेह का बढ़ता प्रसार एक नई और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गया है, जो कुपोषण और संचारी रोगों पर केंद्रित पुरानी व्यवस्था से गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि मोटापे का बढ़ता बोझ अब सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों दृष्टियों से चिंता का विषय है। शरीर का अत्यधिक वजन मधुमेह, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और कैंसर के बढ़ते जोखिम का एक प्रमुख कारक है। एनएफएचएस-5 (2019-21) और एनएफएचएस-6 (2023-24) के बीच मोटापे का प्रसार उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। 15 से 49 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं में मोटापे की शिकार महिलाओं का हिस्सा 24 फीसदी से बढ़कर 30.7 फीसदी हो गया है, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 22.9 फीसदी से बढ़कर 27.3 फीसदी पर पहुंच गया है। इस सर्वेक्षण में 25 किग्रा/मीट या इससे अधिक के बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को अधिक वजन या मोटापा परिभाषित किया गया है।

इस बढ़ती चुनौती के बीच, देश में वजन घटाने के उपचार और मेटाबोलिक स्वास्थ्य सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ी है। पिछले एक साल के दौरान इंजेक्टेबल जीएलपी-1 एगोनिस्ट जैसे मौनजारो, वेगोवी और ओजेम्पिक की बिक्री में 218 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

एसबीआई ने फोनपे, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड नियमों में किया बड़ा बदलाव

नए नियम 1 जुलाई 2026 से प्रभावी

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने फोनपे एसबीआई कार्ड सेलेक्ट ब्लैक क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। बैंक ने इस कार्ड से जुड़े रिवॉर्ड पॉइंट्स प्रोग्राम के नियमों में बड़े बदलाव किए हैं, जो 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होंगे। इन संशोधनों से कार्डधारकों को मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स में कमी आएगी। अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन शॉपिंग पर मिलने वाले 5 फीसदी रिवॉर्ड पॉइंट्स की मासिक सीमा 2,000 से घटाकर 1,000 कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त, टोल, ज्वेलरी, स्कूल/कॉलेज फीस, गिफ्ट्स और फोनपे ऐप के बाहर किए गए यूटिलिटी, इंश्योरेंस या यूपीआई ट्रांजैक्शन पर अब कोई रिवॉर्ड पॉइंट्स नहीं दिए जाएंगे।

फोनपे ऐप के जरिए यूटिलिटी, रिचार्ज या इंश्योरेंस पर कुल 2,000 रिवॉर्ड पॉइंट्स की मौजूदा लिमिट को भी विभाजित कर दिया गया है; अब इंश्योरेंस पर अधिकतम 500 और अन्य कैटेगरी पर अधिकतम 1,500 पॉइंट्स ही मिलेंगे। हालांकि, सामान्य खर्चों पर 1 फीसदी रिवॉर्ड पॉइंट्स, फ्यूल सरचार्ज वेवर, डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस (साल में 4 बार) और प्रायोरिटी पास मेंबरशिप जैसी सुविधाएं पहले की तरह ही मिलती रहेंगी। इस कार्ड की वार्षिक और रिन्यूअल फीस 1,499 रुपए है।



आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

पढ़ाई के बोझ के कारण बच्चों को हो रहा मानसिक तनाव

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज़्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय-समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

बच्चों से बात करें

घर पर खाली समय में, खासकर डिनर के दौरान बच्चों से बात करें। यह समय बहुत उपयोगी होता है जब माता-पिता अपने दिन की बातें बच्चों से साझा करते हैं। इससे बच्चे सीखते हैं कि अपनी बातें कैसे बताई जाती हैं और भावनाओं को कैसे व्यक्त किया जाता है।

बच्चों की बात ध्यान से सुनें

जब बच्चा अपनी कोई बात बताने आए, तो उसे पूरा ध्यान देकर सुनें। तुरंत प्रतिक्रिया न दें। यदि उसने कोई गलती की है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय शांत और समझदार भाषा में बात करें। आवाज का स्वर नरम और सहयोगी होना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है, जिससे वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

बच्चे में तनाव का क्या कारण है?

मां-बाप का बच्चों को समय ना दे पाना : नौकरी तथा अन्य कार्यों के चलते मां बाप बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इसीलिए अपने बच्चे के लिए हमेशा समय निकालें उसे पिकनिक डिनर या फिल्म दिखाने ले जाएं।

पढ़ाई का तनाव

आजकल की पढ़ाई लिखाई का बोझ बच्चों के मन पर तनाव पैदा कर रही है। उनका होमवर्क ना होना पढ़ाई में कम नंबर आना तथा क्लास में पीछे रह जाना इन सभी कारणों से मां-बाप तथा स्कूल में टीचर बच्चों को डांटते हैं।

इससे बच्चों पर भावनात्मक दबाव पड़ता है। माता पिता तथा अध्यापक हमेशा ही बच्चों पर अधिक नंबर लाने तथा कक्षा में प्रथम आने को कहते हैं हैं जिससे उनका कॉन्फिडेंस लेवल बहुत कम हो जाता है।

खेलकूद ना करना

भविष्य की चिंता या पढ़ाई का तनाव बच्चों में इतना रहता है कि उनके पास खेलना तो दूर खाने-पीने का भी समय नहीं होता है। आपको उसको मोबाइल कंप्यूटर की बजाय आउटडोर गेम्स खेलने के लिए प्रेरित करना चाहिए उसके साथ समय बिताएं।

माँ बाप का तनाव में रहना

अगर आपके चेहरे पर बहुत ज्यादा तनाव है तो इसका असर आपके बच्चों के दिमाग पर भी पड़ सकता है। आजकल बच्चों में यह समस्या बहुत बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। बच्चों में तनाव का सबसे बड़ा कारण हायर स्टडीज, सोशल साइट्स और खुद आप पर बोझ है।

अच्छा

डिप्रेशन क्या है

यह एक प्रकार का साइकॉटिक डिसऑर्डर है जिसमें 2 सप्ताह या उससे अधिक समय तक के लिए उदासी रहती है। बच्चे को हमेशा नकारात्मक विचार आते हैं और उसका मन किसी भी काम में नहीं लगता है। उसकी रोजमर्रा की जिंदगी अस्त व्यस्त हो जाती है।

वातावरण ना होना

बच्चों के मन पर घर के वातावरण का प्रभाव हमेशा रहता है और उनके विचारों को प्रभावित करता है। जहां पति-पत्नी काम करते हैं, वे अपने बच्चों को बहुत कम समय समर्पित कर सकते हैं । जो आपके बेटे में अलगाव लाता है और उसे तनाव में रखता है। अक्सर तनावग्रस्त बच्चे दोस्तों से दूर बैठे नजर आएंगे। कुछ बच्चे डर के मारे अपने नाखून चबाने लगते हैं। इसलिए आपको विशेष ध्यान देना चाहिए।

माँ बाप की लडाई

माता-पिता इस बात को भूल जाते हैं कि बहस करने और गाली देने की उनकी गलती बच्चों के लिए जीवन भर दुख बन जाती है । इन्हीं बातों की वजह से बच्चों में डर बस जाता है। ऐसे माहौल में आपके बच्चे का बचपन खत्म हो जाता है। कभी भी अपने बच्चे को ऐसा माहौल न दें।

बच्चे को हतोत्साहित करना

यदि आप बच्चे को किसी भी परीक्षा में सफलता नहीं मिलती है, तो कभी उसे डांटें या उस पर दबाव न डालें। इससे आपका बच्चा तनाव में आ जाएगा। आपको अपने बच्चे को यह समझने की जरूरत है कि यह जीवन का अंत नहीं है, यह एक नई शुरुआत है। कभी कभी बच्चा मानसिक तनाव से इतना घिरा जाता है कि उसे कुछ भी महसूस नहीं होता। वह धीरे-धीरे पढ़ाई में कमजोर हो जाता है। यह बात उसके दिमाग में बैठ जाती है कि वह अब कुछ नहीं कर सकता। अक्सर बच्चे दूसरे लोगों की तारीफें सुनकर चिढ़ जाते हैं। उनकी आत्म प्रशंसा से उनको ठेस पहुंचती है। अगर कोई उनका हौसला नहीं बढ़ाता तो वे हमेशा के लिए निराश हो जाते हैं। इसलिए आपको समय-समय पर अपने बच्चे की प्रशंसा और उसे प्रोत्साहित करना चाहिए।

बच्चे में तनाव के क्या लक्षण है

व्यवहार में परिवर्तन

जब शिशु तनाव में होता है, तो सबसे पहले जो चीज प्रभावित होती है, वह है उसका व्यवहार। बार-बार परेशान होना, अक्सर दुखी रहना, घंटों रोना, ये बच्चों में पाए जाने वाले तनाव के लक्षण हैं।

बिस्तर गीला करना

छोटे बच्चे कभी-कभी अपनी नींद में बिस्तर गीला कर देते हैं, लेकिन वे 3-4 साल की उम्र से ऐसा करना बंद कर देते हैं।

पसंदीदा सामान से दूरी

यदि आपका बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने से नहीं खेलता है और अपनी पसंदीदा डिश नहीं खाता है, तो वह तनाव में हो सकता है।

स्कूल से लगातार शिकायत

स्कूल से शिकायतें मिलना सामान्य बात है। लेकिन अगर यह हर दूसरे दिन आपके पास आता है, तो कुछ गलत हो सकता है।

नाखून चबाना

बच्चे अपने नाखूनों को तब चबाते हैं जब वे बहुत अधिक चिंता करते हैं या गुस्सा करते हैं।

खाने और सोने में बदलाव

यदि बच्चा चिंतित है, तो उसके खाने की आदतों में परिवर्तन होता है। अक्सर उदास बच्चे बहुत ज्यादा खाने या सपने देखने लगते हैं।

बच्चो को तनावमुक्त कैसे रखे

डॉक्टर आपके बच्चे के साथ समय बिताने की सलाह देते हैं। उनकी अच्छी दिनचर्या बनाएं और उन्हें व्यस्त रखें। अपने बच्चों को हर शाम व्यायाम करवाएं। सूर्यास्त के समय अपने घर के बगीचे या छत पर टहलें। यदि आप गर्म क्षेत्रों में हैं, तो सोने से पहले स्नान करें। इससे नींद अच्छी आएगी।

अपने बच्चे के व्यवहार पर ध्यान दें। यदि आपको लगता है कि आपका बच्चा इन दिनों अलग तरह से काम करता है, तो उसकी भावनाओं पर विचार करें, और उसके साथ अधिक समय बिताएं। अगर आपका बच्चा इन सब के बाद भी दुखी है, तो बाल रोग विशेषज्ञ को बुलाएं।

घंटों पीछे भागने के बाद भी नहीं खाता बच्चा? काम आएंगे ये स्मार्ट पैरेंटिंग टिप्स



खाने के समय नखरे करना बच्चों की आम समस्या है. कई माता-पिता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनका बच्चा ठीक से नहीं खाता तो उसे जरूरी पोषक तत्व कैसे मिलेंगे. भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चे का खान-पान सही रखना चुनौती भरा काम है लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है. विशेषज्ञों के अनुसार सही तरीके और धैर्य से इस समस्या को आसानी से सुलझाया जा सकता है.

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) बताता है कि छोटे बच्चों का स्वाद और पसंद हर दिन बदलती रहती है. दुनियाभर के माता-पिता इस समस्या से जूझ रहे हैं. अगर आपका बच्चा भी खाने में नखरे करता है तो सात आसान और प्रभावी टिप्स को अपनाकर आप उसे स्वस्थ और पौष्टिक भोजन की ओर प्रेरित कर सकते हैं. ये टिप्स अपनाकर माता-पिता अपने बच्चे को स्वस्थ खान-पान की आदत डाल सकते हैं. धैर्य और सकारात्मक रवैया सबसे जरूरी है.

बार-बार कोशिश करें

नया खाना बच्चे को तुरंत पसंद नहीं आता. किसी नए खाद्य पदार्थ को पसंद करने में उसे 10 बार से ज्यादा चखना पड़ सकता है. हार न मानें, थोड़ी मात्रा में नए खाने को बार-बार दें. जिस चीज को बच्चा नहीं खाता, उसे पसंद की चीज के साथ मिलाकर दें.

अलग-अलग तरह का पौष्टिक खाना दें

बच्चे को रोजाना फल, सब्जियां, अनाज, दालें, डेयरी उत्पाद, मेवे और बीज खिलाएं. अलग-अलग रंग, स्वाद और बनावट वाले खाने दें. एक ही सब्जी को कच्चा और पका दोनों रूप में ट्राई करें. विविधता बच्चे को आकर्षित करती है.

बच्चे को टीम का हिस्सा बनाएं

बच्चे को बाजार ले जाएं और उन्हें फल-सब्जी चुनने दें. घर पर उनकी उम्र के अनुसार छोटा काम सौंपें जैसे सामग्री मिलाना या प्लेट सजाना. जब बच्चा खुद खाना बनाने में शामिल होता है तो उसे खाने का ज्यादा उत्साह होता है.

उनकी भूख पर भरोसा करें

बच्चे को खाने के लिए मजबूर न करें. अगर वह कम खा रहा है तो दबाव न डालें. जब तक बच्चा स्वस्थ है, फुर्तीला है और वजन ठीक बढ़ रहा है, तो चिंता न करें. बच्चे को अपनी भूख-तृप्ति के संकेत समझने दें.

कम मात्रा में खाना दें

छोटे बच्चों का पेट बहुत छोटा होता है. उन्हें बड़ी मात्रा में खाना न दें. उनकी उम्र के हिसाब से छोटी-छोटी सर्विंग दें और थोड़ा खाने पर भी तारीफ करें.

खाने को इनाम या सजा न बनाएं

अच्छे व्यवहार के लिए मिठाई या जंक फूड का लालच न दें. इससे बच्चे अच्छे-बुरे खाने की गलत सोच विकसित करते हैं. इसके बजाय खेलने या घुमने का वादा करें.

खुद रोल मॉडल बनें

बच्चे अपने माता-पिता की नकल करते हैं. परिवार के साथ बैठकर पौष्टिक भोजन करें और उसे स्वादिष्ट बताएं. जब बच्चा देखेगा कि आप भी वही खा रहे हैं तो वह खुद इसे ट्राई करना चाहेगा.

बच्चों को इस प्रकार बतायें अक्षर का देश से संबंध



अभिभावक अपने बच्चों को इस बात की जानकारी दें कि ए से जेड तक हर अंग्रेज़ी अक्षर से कोई न कोई देश शुरू होता हैं। दुनिया में कुल मिलाकर लगभग 195 देश हैं। हर देश का नाम अपने इतिहास, संस्कृति और भौगोलिक पहचान से जुड़ा होता है।

ए- ऑस्ट्रेलिया : यह कंगारुओं, क्रिकेट और खूबसूरत बीचों का देश है। यहां का सिडनी ओपेरा हाउस और ग्रेट बैरियर रीफ दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं।

बी – ब्राजील : यह देश फुटबॉल के जुनून, अमेजन जंगल और रियो डी जनेरियो के कार्निवल के लिए जाना जाता है।

सी- कनाडा : यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो अपनी बर्फीली झीलों और शांत जीवनशैली के लिए मशहूर है।

डी – डेनमार्क : यह यूरोप के सबसे खुशहाल देशों में से एक है, जहां स्वच्छता और जीवन की गुणवत्ता सबसे बेहतरीन मानी जाती है।

ई – मिस्र : यह देश पिरामिड, दुनिया की सबसे लंबी नील नदी और फैरोस की रहस्यमयी सभ्यता का प्रतीक है.

एफ – (फ्रांस) : यह प्यार, फैशन और एफिल टॉवर का देश है, जहां हर साल लाखों पर्यटक आते हैं।

जी – जर्मनी : यह देश इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है. वहीं, बर्लिन की ऐतिहासिक दीवार इसकी पहचान है.

एच – हंगरी हंगरी : यह यूरोप का एक सुंदर देश है, जिसकी राजधानी बुडापेस्ट अपनी नदी और पुलों के लिए जानी जाती है।

आई –भारत : भारतअपनी संस्कृति, परंपरा और विविधता से भरा है, जहां हर 100 किलोमीटर पर भाषा और खानपान बदल जाता है।

जे – (जापान यह देश टेक्नोलॉजी, अनुशासन और सुशी के लिए मशहूर है। यहां की 'बुलेट ट्रेन' और 'चेरी ब्लॉसम' दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

के – केन्या अफ्रीका का यह देश, अपनी वाइल्डलाइफ सफारी और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है.

एल – लाओस यह देश शांत, आध्यात्मिक और हरियाली से भरपूर दक्षिण-पूर्व एशिया का काफी सुंदर देश है।

एम – मेक्सिको इसे टाकोस, म्यूजिक और रंगीन त्योहारों का देश कहा जाता है, जिसकी संस्कृति बेहद जीवंत है.

एन (नेपाल) दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत 'माउंट एवरेस्ट' यहीं मौजूद है। यहां की शांति और हिमालयी सौंदर्य दुनिया को आकर्षित करती है.

ओ – ओमान : यह अरब देशों में सबसे शांतिपूर्ण और विकसित देश है, जिसकी परंपरा और अतिथि सत्कार अद्भुत है.

पी (पुर्तगाल) : यह देश अपने समुद्र तटों, ऐतिहासिक इमारतों और फुटबॉल के लिए मशहूर है.

क्यू – कतर यह काफी तेजी से विकसित होता देश है, जिसने 2022 का फीफा वर्ल्ड कप भी आयोजित किया था।

आ – रूस : यह दुनिया का सबसे बड़ा देश है, जो यूरोप और एशिया महाद्वीप – दोनों में फैला हुआ है है.

एस –स्पेन यह देश फ्लैमिंगो डांस, टोमाटीना फेस्टिवल, बुल फाइटिंग, स्वादिष्ट खाना और फुटबॉल के जुनून के लिए जाना जाता है।

टी- तुर्की यह देश एशिया और यूरोप के संगम पर स्थित है। यह देश अपनी मस्जिदों और ऐतिहासिक बाजारों के लिए भी जाना जाता है।

यू- युगांडा : इसे अफ्रीका का 'मोती' कहा जाता है, जहां प्राकृतिक सुंदरता और जीव-जंतुओं की विविधता देखने लायक है।

वी – यह देश युद्ध के इतिहास और हरे-भरे नजारों वाला देश है, जो अब पर्यटन के लिए तेजी से विकसित हो रहा है।

डब्लयू – वेल्स (वेल्स) : यह देश यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा है, जहां किले, पहाड़ और संगीत संस्कृति का अहम स्थान है।

एक्स – इस अक्षर से कोई देश नहीं है।

वाय – यमन : यह देश दुनिया के नक्शे में मिडिल ईस्ट में मौजूद है, जिसकी ऐतिहासिक इमारतें और पुरानी सभ्यता बहुत प्रसिद्ध हैं.

जेड – जाम्बियायह भी अफ्रीका महाद्वीप का एक सुंदर देश है, जहां का शानदार विक्टोरिया फॉल्स दुनिया भर के टूरिस्ट्स को आकर्षित करता है।

आईपीएल 2026 : आरसीबी और टाइटंस के बीच आज होगा खिताबी मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिसके चलते करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का फाइनल हाल के वर्षों के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हो सकता है।

आरसीबी लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में पहुंची है और उसके पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का अच्छा अवसर है। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में रजत पाटीदार की आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज हैं किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। वहीं ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड का अनुभव आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, जबकि युवा स्पिनर सुयश शर्मा मध्य ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। जिससे टीम खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस भी किसी मायने में कम नहीं है। कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं और दूसरे क्वालिफायर में उनके शतक ने टीम आसानी से फाइनल में पहुंच गीय। उनके साथ साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी की है। उसे पास जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम को मजबूती देते हैं, जबकि राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के तौर पर सफल रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। मोहम्मद सिराज,



कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए परेशान खड़ी कर सकती है। वहीं राशिद खान अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। अहमदाबाद का मैदान गुजरात का घरेलू मैदान है और यहां टीम का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जिससे भी उसे हालातों का लाभ मिलेगा।

हालांकि आरसीबी की बल्लेबाजी अधिक अनुभवी और आक्रामक नजर आती है। विराट कोहली का अनुभव, फिल सॉल्ट की तेज शुरुआत और रजत पाटीदार की शानदार फॉर्म टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की उम्मीदें शुभमन गिल, जोस बटलर, राशिद खान और मोहम्मद सिराज पर टिकी होंगी।

विशेषज्ञों के अनुसार मुकाबले का परिणाम पावरप्ले और डेथ ओवरों के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगा। यदि आरसीबी के शीर्ष क्रम ने मजबूत शुरुआत दी तो टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है, जबकि गुजरात के गेंदबाज शुरुआती झटके देकर मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं अगर शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी लंबी साझेदारी करने में सफल रही तो गुजरात टाइटंस का पलड़ा भारी हो सकता है। कुल मिलाकर दोनों ही टीमें काफी संतुलित दिखाई दे रहा है ऐसे में प्रशंसकों को एक यादगार फाइनल देखने को मिलेगा । आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बची 8 मुकाबले हुए हैं। जिसमें दोनो ने ही 4-4 मेच खेले हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - स्वप्निल सिंह, वेंकटेश अय्यर, रसिख सलाम डार, रिचर्ड ग्लीसन

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - साई किशोर, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, अरशद खान।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा



-ट्रायल्स के सेमीफाइनल में थमा सफर, मीनाक्षी से हारीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया।

ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा। मुकाबले की शुरुआत में निशु ने 5-0 की बढ़त बना ली थी और एक समय विनेश लगभग फॉल होने की स्थिति में पहुंच गई थीं। हालांकि, अनुभवी विनेश ने शानदार वापसी की। तकनीकी फैसलों, वीडियो स्क्रीन की तकनीकी दिक्कतों और कोचों की आपत्तियों के बीच मुकाबला बेहद तनावपूर्ण हो गया। स्कोर 6-6 की बराबरी पर पहुंचा तो निशु के एक टेकडाउन प्रयास को अंक नहीं दिए गए। इसके बाद निशु के कोच ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन चुनौती असफल रही और विनेश मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं। हार के बाद भावुक निशु ने रेफरी और विनेश से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था।

आईपीएल 2026 : वैभव ऑरेंज कैप, रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मोहाली । आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है। इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। रबाडा ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार को दूसरे नंबर पर धकेल दिया। रबाडा अब कुल 28 विकेटों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। भुवनेश्वर कुमार 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स के घातक तेज गेंदबाज जोफा आर्चर 25 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे और सनराइजर्स हैदराबाद के युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा 20 विकेट लेकर पांचवें पायदान पर हैं।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंस : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहे। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है। मुंबई इंडियंस के आखिरी लीग मैच के बाद हुई कोचिंग स्टाफ की बैठक में भी सीनियर खिलाड़ियों से साफ कह दिया गया कि उन्हें मैदान पर दिए गए कोचिंग निर्देशों और डेटा-आधारित रणनीतियों का पालन करना चाहिए। कई बार खिलाड़ियों ने कोचिंग स्टाफ के सुझावों को नजरअंदाज किया, जिससे टीम को नुकसान हुआ है। टीम की परेशानी केवल कप्तानी तक सीमित नहीं है। टीम इस आईपीएल में पावरप्ले का भी टीम सही इस्तेमाल नहीं कर पाई, जैसा कि प्लेऑफ में पहुंची कई सफल टीमों ने किया।

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

मोहाली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कपतान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिसने गुजरात फाइनल में पहुंची।

इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई।

इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्राकर उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने



2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया।

शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया।

एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

वैभव सूर्यवंशी के कायल हुए लेंगर

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से छाये हुए वैभव सूर्यवंशी के मुरीद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर भी हैं। लैंगर ने कहा है कि वह वैभव से प्रभावित हैं। साथ ही कहा कि उनके साथ एक सेल्फी चाहते हैं। जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का सिर्फ दूसरा ऐसा अवसर बताया है। लेंगर ने एक पोस्ट के जरिए इसका खुलासा किया है। लेंगर ने बताया कि राजस्तथान रॉयल्स और लखनऊ सुपर



जॉइंट्स के बीच हुए एक मैच के बाद उन्होंने वैभव से सेल्फी खिंचाने को भी कहा था। लेंगर का मानना है कि आने वाले समय में वैभव क्रिकेट जगत पर छाया रहेगा। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने इससे पहले केवल एक बार किसी खिलाड़ी से सेल्फी खिंचवाने को कहा था। दो साल पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के दिग्गज स्टीफन माइकल से सेल्फी खिंचाने को कहा था। लेंगर ने लिखा, पिछले हफ्ते मैंने कुछ ऐसा किया, जो अपनी जिंदगी में सिर्फ दूसरी बार ही किया है। मैंने किसी अन्य खिलाड़ी से सेल्फी देने को कहा। वहीं दूसरी बार यही बात 15 साल के वैभव से कही। वैभव सूर्यवंशी ने मेरी टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ कई चौके और छक्के लगाये। उसने इस आईपीएल सीजन में 65 छक्के लगाये हैं - ये किसी भी टी20 टूर्नामेंट में किसी बल्लेबाज के दूसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं। वह पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी है। वैभव सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में 12 छक्के जड़कर क्रिस गेल का आईपीएल 2012 में बनाया 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा है। वैभव ने 29 गेंदों में तूफानी 97 रन बनाए थे और क्रिस गेल के आईपीएल इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने से वह एक गेंद से रह गये। वैभव की इस असाधारण प्रतिभा पर लेंगर ने आगे लिखा, इस खेल में 35 साल तक रहने के बाद, मैं ये विश्वास ही नहीं कर सकता कि ये लड़का ऐसे खेलता है। मैंने उसके जैसा इससे पहले कुछ भी नहीं देखा है।

वैभव को रोकने खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल गलत: इरफान पठान



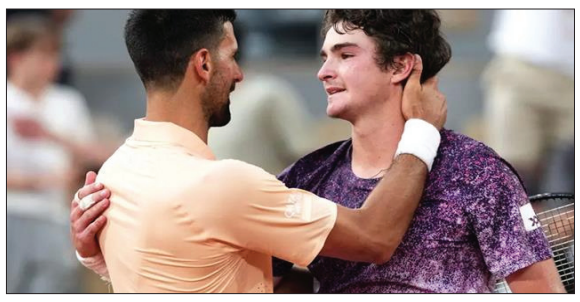
-सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान इस बात से बेहद चिंतित है कि आईपीएल के 19 वें सत्र में असाधारण बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल हुआ है। इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से वैभव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 700 से अधिक रन बनाये। उन्होंने जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे अनुभवी गेंदबाजों की गेंदों पर भी जमकर चौके छक्के लगाये। पठान के अनुसार जिस प्रकार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन बाउंसर फेंकी गयी वह गलत नीति थी।

वैभव के खिलाफ गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की इस रणनीति को देखकर पठान घबरा गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, '15 साल के वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन गेंदबाजी मुझे ठीक नहीं लगती। मुझे पता है कि वह बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहा है पर मेरे अंदर का पिता इससे सहमत नहीं है।' पठान ने ऐसी बाउंसरों के संभावित घातक परिणामों के बारे में भी सभी को चेताया है।

पठान ने कहा, 'सूर्यवंशी के खिलाफ योजना के तहत ही ऐसा किया गया। एक पिता के तौर पर, जब मैंने उसे देखा, तो गेंद उसके कान पर लगी। बाउंसर की बौछार थी। हमने खिलाड़ियों को बाउंसर के खिलाफ जान गंवाते देखा है। बेशक, योजना अच्छी होगी पर मुझे डर लग रहा था। मैं इससे सहमत नहीं हूं।' उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए आगे कहा, 'मुझे पता है कि आप पेशेवर क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह समझता हूं, लेकिन मैं एक बेटे का पिता भी हूं। मैं ये देखकर बहुत मुश्किल स्थिति में था।' पठान ने वैभव की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता ज़ाहिर करते हुए उम्मीद जताई कि वह अपने हेलमेट में अतिरिक्त प्रोटेक्शन का उपयोग करेगा, क्योंकि लोग उसे रोकने के लिए बाउंसर फेंकते रहेंगे। उन्होंने 100 रन बनाने से चूकने पर निराशा भी व्यक्त की, लेकिन उनकी मुख्य चिंता वैभव की सुरक्षा थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी यह राय पेशेवर क्रिकेट से थोड़ी अलग हो सकती है, लेकिन एक युवा खिलाड़ी के प्रति ऐसी बॉडीलाइन रणनीति उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं आई।

फ्रेंच ओपन 2026 : 19 साल के फोंसेका ने जोकोविच हो हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर



पेरिस । यहां रोला गैरा में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टेनिस में सबसे बड़ा उलटफेर हुआ है। सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्वकप के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ब्राजील के 19 साल के फोंसेका ने हराकर सनसनी फैला दी। तीन बार के विजेता और रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच को रोमांचक मुकाबले में फोंसेका ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराया। इस मैच की शुरुआत में जोकोविच हावी रहे। उन्होंने पहले दो सेट में अपना दबदबा बनाए रखा और फोंसेका को कोई अवसर नहीं दिया। पर इस युवा खिलाड़ी ने तीसरे सेट से मुकाबले का रुख पलट दिया। उन्होंने अपनी रणनीति बदली, आक्रामक खेल दिखाया और अगले तीनों सेट जीतकर सभी को हैरान कर दिया। यह क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है, जोकोविच से पहले इटली के जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। चौथे सेट में फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे। जोकोविच 3-4 पर सर्व करते हुए 15/40 की बढ़त पर थे पर फोंसेका ने उन दो ब्रेक अंक बचाकर वापसी करते हुए सेट जीत लिया और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच ले गए। इसके बाद जोकोविच थके हुए दिखे। निर्णायक सेट में भी उन्होंने 3-1 की शुरुआती बढ़त बना ली पर ब्राजीली खिलाड़ी ने फिर से अपनी वापसी की आदत को जारी रखा और आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत दर्ज की।

सुदर्शन लगातार दूसरी बार हिट विकेट हुए



न्यू चंडीगढ। आईपीएल के 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन लगातार दूसर बार हिट विकेट हुए जो एक अनोखा संयोग है। ये पहली बार है जब कोई क्रिकेटर इस प्रकार हिट विकेट हुआ है। सुदर्शन दोनो ही क्वालीफायर में हिट विकेट हुए। क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुदर्शन से अर्धशतक लगाया पर हिट-विकेट होने के कारण वह आउट हुए। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए क्वालीफायर 1 में भी सुदर्शन हिट विकेट हुए थे। शुक्रवार को पीसीए स्टेडियम में हुए क्वालीफायर 2 का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहाँ गुजरात टाइटंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए, राजस्थान रॉयल्स ने तय समय 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाये। इसके बाद 215 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले ओवर से ही राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया, मैदान के हर कोने में बाउंड्री बटोरे और रन गति को 10 के पार बनाए रखा। गुजरात ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया और दसवें ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से अपने अर्धशतक भी पूरे कर लिए। गिल और सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 167 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी हो चुकी थी और गुजरात जीत की तरफ मजबूती से बढ़ रहा था। तभी सुदर्शन एक बार फिर हिट-विकेट हो गए। सुदर्शन के 58 रन पर आउट होने के बाद भी कप्तान शुभमन गिल ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए मात्र 53 गेंदों पर 104 रनों की शतकीय पारी खेली। शुभमन के शानदार शतक की बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन



-कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है।

वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है।

अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है। उन्होंने राजस्थान के सीनियर बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और रियान पराग के रन नहीं बनाने पर नाराजगी जताई, जिससे टीम शुरुआत में ही मुकाबले से बाहर हो गई।

वैभव के अलावा, अश्विन ने रियान पराग की कप्तानी पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मैच के दौरान लिए गए कुछ फैसलों पर पर सवाल उठाते हुए कहा, दासुन शनाका ने नौ गेंदों में तीन रन बनाए, जिनमें से दो गेंदें उन्होंने छोड़ दीं। जोफा आर्चर बल्लेबाजी के लिए डोनोवन फरेरा से पहले आ गए! किसी ने भी वैभव का साथ नहीं दिया, फिर भी वैभव अकेले टीम को जीत दिलाने का प्रयास करते रहे। बीच दीवार बनकर खड़े रहे। ये रियान पराग की कप्तानी के स्तर को दर्शाता है। अश्विन के इन बयानों से स्पष्ट है कि उन्हें युवा वैभव के प्रदर्शन पर गर्व है, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और नेतृत्व की कमी ने उन्हें बेहद निराश किया है।

आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रय आइस हॉकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है। देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। आईआईएचएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 सिर्फ एक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है। आईआईएचएफ प्रतियोगिता प्रणाली के तहत देश विश्व आइस हॉकी में अपनी स्थिति बनाने के लिए अलग-अलग डिवीजन में मुकाबला करते हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com



अनुराग कश्यप की फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल लीड के अपोजिट नजर आएंगी सपना पब्बी

अनुराग कश्यप की अपकमिंग फिल्म 'बंदर' जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म में बॉबी देओल लीड रोल में हैं, वहीं सपना पब्बी उनके अपोजिट नजर आएंगी। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। सपना पब्बी एक ब्रिटिश अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो भारतीय टीवी, फिल्मों और वेब सीरीज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म 'बंदर' के ट्रेलर लॉन्च के बाद फिर से चर्चा में हैं। 5 जून को रिलीज होने जा रही 'बंदर' एक साइकोलॉजिकल ड्रामा और मिस्ट्री फिल्म है, जो आम कमर्शियल फिल्मों से काफी अलग नजर आ रही है। ट्रेलर में बॉबी देओल एक बिल्कुल नए और गंभीर अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। वह ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जिस पर कई युवतियों के साथ यौन शोषण और हमला करने के आरोप लगे हैं। ट्रेलर आगे बढ़ने के साथ कहानी में सपना पब्बी का किरदार बेहद अहम हो जाता है। पहले वह बॉबी देओल के करीब नजर आती हैं, लेकिन बाद में उनके खिलाफ खड़ी दिखाई देती हैं। इसी ट्विस्ट ने फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

सपना पब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2013 में टीवी शो 24 से की थी, जिसमें उन्होंने अनिल कपूर के साथ काम किया था। इसके बाद वह 'खामोशियां', अरदास करण, 'मर गए ओए लोको' और 'ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। फिल्मों और वेब सीरीज के अलावा सपना पब्बी का नाम कुछ साल पहले सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़ी जांच के दौरान भी चर्चा में आया था। उन्होंने सुशांत के साथ 'ड्राइव' फिल्म में काम किया था। बाद में ड्रग्स जांच से जुड़े कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उनका नाम सामने आया।

उस समय रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जांच एजेंसियों के सामने पेश होने से पहले सपना पब्बी लंदन चली गई थीं। हालांकि अभिनेत्री ने इन खबरों को गलत बताया था। उन्होंने साफ कहा था कि वह सिर्फ अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए लंदन गई थीं।



सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के एक्टिंग करने पर बोलीं कुशा कपिला

पिछले कुछ साल में कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने बॉलीवुड में एंट्री की और एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमाई है। इसको लेकर इंडस्ट्री में एक बहस भी छिड़ी है, जहां कई एक्टर्स ने भी इंडस्ट्री की बदलती परिस्थितियों पर खुलकर निराशा व्यक्त की है। वहीं कुछ का कहना है कि सिर्फ फॉलोअर्स देखकर इन्फ्लुएंसर्स को फिल्मों में लेना उचित नहीं हैं। कुशा कपिला भी इसी लिस्ट में शामिल हैं, जिन्होंने कंटेंट क्रिएटर के रूप में लोकप्रियता हासिल करने के बाद बॉलीवुड में एंट्री मारी है। अब कुशा ने भी इस बहस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस बात को स्वीकार करते हुए कहा कि एक्टर्स को इसको लेकर चिंताएं जाहिर करना बनता है। बातचीत में कुशा कपिला ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के अभिनय की दुनिया में कदम रखने को लेकर चल रही बहस पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अभिनेताओं का यह सोचना बिल्कुल सही है कि अगर उन्हें सिर्फ फॉलोअर्स की वजह से काम मिल रहा है, तो उन्हें प्रोजेक्ट्स में मुख्य भूमिका निभानी चाहिए। क्योंकि उन्होंने इसके लिए पढ़ाई की है, इसलिए उन्हें ही प्रोजेक्ट्स में लीड रोल निभाना चाहिए। हालांकि, उनका मानना है कि अगर कोई कंटेंट क्रिएटर एक्टिंग के लिए समय निकालता है, मेहनत करता है, दोबारा पढ़ाई करता है, सीखता है, वर्कशॉप में हिस्सा लेता है, तो चीजें बदल जाती हैं। वहां ये तर्क काम नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए भुवन बाम जैसे किसी को ही देख लीजिए, वे अपना कंटेंट खुद प्रोड्यूस कर रहे हैं और उनके कॉन्सेप्ट का सबूत भी मौजूद है। ऐसा नहीं है कि आपको सिर्फ पांच साल में खुद को साबित करना है। एक एक्टर कहीं से भी आ सकता है।

मैं खुद को हर मौके के लिए तैयार रखना चाहती हूं

कंटेंट क्रिएशन के बाद एक्टिंग में आने के बाद कुशा कपिला अब कई फिल्मों व सीरीज का हिस्सा रह चुकी हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अब उन्हें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से ज्यादा एक अभिनेत्री के रूप में पहचाना जा रहा है? इस पर कुशा ने जवाब दिया, हां बहुत से लोग मुझे मेरे प्रोजेक्ट्स के जरिए ही पहचानते हैं।' अपने करियर को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने अपने करियर की शुरुआत नेटफ्लिक्स के साथ 'घोस्ट स्टोरीज' से की थी। मैं एक बहुत ही साधारण गति से आगे बढ़ रही हूं। मुझे लगता है कि जब भी कोई बड़ा मौका सामने आता है, मैं उसके लिए तैयार रहना चाहती हूं। मैं खुद को कमतर नहीं दिखाना चाहती। मुझे लगता है कि 'मामला लीगल है' सीजन 2 के बाद मैं अब हूं। किसी बड़े अवसर के लिए समय निकालना जरूरी है, बजाय इसके कि वह ऐसे समय मिले जब आप उसके साथ न्याय न कर सकें। मुझे अपने करियर में बहुत मजा आ रहा है।

रवि किशन के शो में नजर आई हैं कुशा

'घोस्ट स्टोरीज' से एक्टिंग में अपनी शुरुआत करने वाली कुशा कपिला 'प्लान ए प्लान बी', 'सेल्फी', 'सुखी', 'थैंक यू फॉर कमिंग', 'मसाबा मसाबा' और 'केस तो बनता है' जैसे कई प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वो रवि किशन के पॉपुलर शो 'मामला लीगल है' के दूसरे सीजन में एक वकील के किरदार में नजर आई हैं।



पुलिसिया अंदाज में करिश्मा कपूर ने की वापसी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर आखिरी बार 2024 में 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। एक समय अपने रोमांटिक किरदारों के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अब 'ब्राउन' में नजर आने वाली हैं। इस वेब सीरीज का टीजर भी रिलीज हो चुका है, जिसे देखकर अभिनेत्री के फैंस बेहद खुश हैं। वेब सीरीज 'ब्रउन' में करिश्मा कपूर पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी। टीजर के मुताबिक वह रीटा ब्राउन का किरदार निभाएंगी, जो एक ईमानदार पुलिस अधिकारी है। इसके साथ ही वह एक बहुत ही गंभीर केस की जांच कर रही है। अपने व्यक्तिगत जीवन में वह कई समस्याओं से जूझ रही है। मगर वह अपने फर्ज को शिद्दत से निभाती है।

'सिटी ऑफ डेथ' उपन्यास पर आधारित वेब सीरीज 'ब्राउन' की कहानी मुख्य रूप से उपन्यास 'सिटी ऑफ डेथ' पर आधारित है, जिसे 2016 में अभेक बरुआ ने लिखा था। सीरीज का मुख्य किरदार रीता ब्राउन एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, जो अपने आस -पास की दुनिया से ऊब चुकी है। इसके साथ ही वह शराब की लत से जूझ रही है। यह सीरीज टीजर देखने पर किसी साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा जैसी लग रही है।



मां ने दी थी करण के साथ लिव-इन में रहने की सलाह

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। हाल ही में करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को प्रपोज किया है। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। करण कुंद्रा ने बताया कि तेजस्वी की मां शुरुआत में अपनी बेटी को लेकर काफी प्रोटेक्टिव थीं। उन्होंने कहा, 'उनकी मां ने मुझसे कहा था कि उन्हें अपनी बेटी पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और मुझे उसके बारे में सोचने के लिए समय लेना चाहिए, क्योंकि वो थोड़ी अलग है। हालांकि, उनके पिता हमारे रिश्ते को लेकर ठीक थे।'

वहीं तेजस्वी प्रकाश ने बताया कि उनकी मां चाहती थीं कि शादी से पहले दोनों एक-दूसरे को अच्छे से समझ लें। उन्होंने कहा, 'मेरी मां चाहती थीं कि करण पूरी तरह कम्फर्टेबल हों। शादी का फैसला लेने से पहले उन्होंने ही हमें लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह दी थी।



ज्योतिका ने निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की

अभिनेत्री ज्योतिका इन दिनों अपनी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। मुंबई में हुए प्रमोशनल इवेंट के दौरान ज्योतिका ने आईएएनएस से फिल्म, अपने किरदार और निर्देशक के साथ काम करने के अनुभव को लेकर बात की। इस दौरान उनके साथ अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी मौजूद थीं। बातचीत के दौरान ज्योतिका ने फिल्म की निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी की तारीफ की और बताया कि महिला निर्देशक के साथ काम करने का अनुभव उनके लिए काफी अलग और बेहद आरामदायक रहा। ज्योतिका ने कहा, ''सेट पर मुझे एक अलग तरह की सहजता महसूस हुई। मैं यह बात बहुत गर्व के साथ कह सकती हूं कि महिला निर्देशक के साथ काम करना ज्यादा कंफर्टेबल लगा। कई बार कलाकारों के मन में कुछ विचार होते हैं, जिन्हें वे चाहते हैं कि स्क्रीन पर सही तरीके से दिखाया जाए। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हमें उसी नजरिए से समझा और स्क्रीन पर पेश किया।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स भी थे, जिन्हें चाहें तो ज्यादा ग्लैमरस बनाया जा सकता था ताकि दर्शकों का ध्यान जल्दी खींचा जा सके। लेकिन, निर्देशक ने ऐसा करने के बजाय किरदारों की गरिमा को प्राथमिकता दी। मुझे सबसे ज्यादा यही बात पसंद आई कि फिल्म में मुझे और सोनाक्षी सिन्हा को बहुत सम्मानजनक तरीके से दिखाया गया।''

ज्योतिका ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, 'मैं फिल्म में एक स्टेनोग्राफर की भूमिका निभा रही हूं। इस किरदार के लिए मुझे टाइपिंग और स्क्रीन के सामने लगातार काम करते हुए दिखना था। कई बार कैमरे में लैपटॉप का कीबोर्ड ही नजर नहीं आता था, इसलिए मेरा पूरा ध्यान टाइपिंग से ज्यादा अभिनय और भावनाओं को सही तरीके से दिखाने पर होता था।''

उन्होंने कहा, ''आज के समय में लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, लैपटॉप और दूसरे गैजेट्स का इस्तेमाल करता है, इसलिए कंप्यूटर पर काम करना मेरे लिए नया अनुभव नहीं था। किरदार को वास्तविक दिखाने के लिए मुझे टाइपिंग स्पीड पर थोड़ा ध्यान देना पड़ा और उसी दौरान चेहरे के एक्सप्रेशन भी बनाए रखने होते थे।'' अभिनेत्री ने कहा, ''इस रोल के लिए मुझे ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन कुछ छोटी-छोटी चीजों पर मेहनत करनी पड़ी। इस किरदार में सबसे अहम चीज भावनाओं को सही तरीके से दिखाना था।''



बेटे, पति और पिता की जिम्मेदारियों पर बोले सैफ अली खान

सैफ अली खान से पूछा गया कि क्या एक बेटे, पति, पिता, ऐक्टर जैसी विविध भूमिकाएं निभाते हुए क्या उन्हें लगता है कि कोई कर्तव्य वे ठीक से नहीं निभा पाए? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमेशा ही। कहीं न कहीं कमी तो होती रहती है और बुरा भी लगता है ।

'हम तुम' और 'दिल चाहता है' के शहरी और दिलफेक आशिक से लेकर 'ओंकारा' के कुटिल लंगड़ा त्यागी और 'ताना जी' के क्रूर विलन तक। 'कल हो न हो' के चार्मिंग रोहित से लेकर 'सेक्रेड गेम्स' के गंभीर सरताज सिंह तक, सैफ अली खान ने अपने 33 साल लंबे करियर में खुद को वर्सेटाइल ऐक्टर साबित किया है। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर आई अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' में एक समर्पित ठेठ हरियाणवी पुलिसवाले के किरदार को लेकर चर्चा में हैं। लेकिन मजे की बात यह है कि एक समय था जब एक डायरेक्टर ने सैफ को पुलिसवाले का गंभीर किरदार कभी न करने की हिदायत दी थी। यह खुलासा खुद सैफ ने हमसे खास बातचीत के दौरान किया।

गलती से भी कॉप जैसा रोल ना करना

वाकया सैफ की शुरुआती दौर की हिट फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' (1994) का है, जिसमें वह अक्षय के किरदार से पुलिसवाले के रोल के लिए ट्रेनिंग लेते हैं। बकौल सैफ, 'जब मैंने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी की थी तो मेरे डायरेक्टर, जो मेरे दोस्त भी हैं, उन्होंने कहा था कि गलती से भी कभी एक कॉप का रोल न करना। यह कॉमिडी फिल्म है तो निकल जाएगी लेकिन एक सीरियस कॉप का रोल अभी तुम नहीं कर पाओगे तो ये बड़ी अच्छी बात है और मुझे खुद पर गर्व है कि 20 या 25 साल के बाद मैं एक पुलिसवाले का रोल कर पाया (हंसते हैं)। इस फिल्म में पवन जिस तरह के दबाव में अपनी ड्यूटी निभाता है, जैसे अपनी दिक्कतों का समाधान ढूंढता है, वो आसान नहीं है। उसकी फिलॉसफी भी रोचक है। असल में वह हीरो है।'

ओंकारा बहुत स्पेशल फिल्म थी

'कर्तव्य' का ठेठ हरियाणवी कॉप हो या 'ओंकारा' का देसी लंगड़ा त्यागी, सैफ की अदाकारी ऐसे किरदारों में ज्यादा निखरकर सामने आती है, जबकि निजी तौर पर इस दुनिया से उनका बिल्कुल राब्ता नहीं रहा। ऐसे किरदारों के प्रति अपने अप्रोच के बारे में वह बताते हैं, 'यह थोड़ा मुश्किल होता है मेरे लिए। खासकर सोशल और कल्चरल बैकग्राउंड को लेकर जो छोटी-छोटी बारीकियां होती हैं। जैसे लंगड़ा त्यागी का जो भी बॉडी लैंग्वेज है, जैसे वो जोर-जोर से अपना सिर खुजाता है, वह मेरी अपनी बॉडी लैंग्वेज से बिल्कुल अलग है। मैं वैसे कभी सिर नहीं खुजाऊंगा। उसका अंदाज काफी वाइल्ड है, मगर उसी में मजा है कि ऐसा इंसान भी हो सकता है। बतौर ऐक्टर ये चीजें इंट्रेस्टिंग होती है।' वहीं, 'ओंकारा' के अनुभव को याद करते हुए वह कहते हैं, 'ओंकारा बहुत ही स्पेशल फिल्म थी। उसमें सबका उत्साह अलग था। विशाल भारद्वाज (डायरेक्टर) ने नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) और मेनस्ट्रीम कमर्शल फिल्म ऐक्टर्स को एक छत के नीचे लाकर साथ में काम करवाया जो बहुत ही कमाल का अनुभव था। हम सबने एक दूसरे से काफी कुछ सीखा। एक तरह से वो बहुत ही बढ़िया वर्कशॉप था।

बच्चों को कड़ी मेहनत के लिए बढ़ावा देता हूं

सैफ के बच्चे सारा और इब्राहिम अली खान भी अब ऐक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुके हैं। इस भावी पीढ़ी को ऐक्टिंग की उनकी विरासत को आगे बढ़ाते देखने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'एक पिता के रूप में मैं बहुत खुश हूं कि वे काम करना चाहते हैं। मैं उन्हें पूरी तरह सपोर्ट करता हूं। मैं उन्हें कड़ी मेहनत करने के लिए बढ़ावा देता। खुद पर काम करने की सीख देता हूं क्योंकि सबसे जरूरी चीज है लगातार आगे बढ़ते रहना, कोशिश करते रहना और खुद को बेहतर बनाते रहना, जैसा कि हम सभी करते हैं। क्या उनके भविष्य को लेकर वह फिक्रमंद भी होते हैं? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'बिल्कुल। हर माता-पिता को अपने बच्चों के भविष्य और उनकी खुशियों की फिक्र रहती है।' वहीं, एक बेटे, पति, पिता, ऐक्टर जैसी विविध भूमिकाएं निभाते हुए क्या उन्हें लगता है कि कोई कर्तव्य वे ठीक से नहीं निभा पाएं? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'हमेशा ही। कहीं न कहीं कमी तो होती रहती है और बुरा भी लगता है कि काश यहां ये कर लेता तो मैं बेहतर हो सकता था। उसके लिए वो कर देता तो बेहतर हो सकता था। एक कोशिश हमेशा होती है कि अच्छी तरह अपनी जिम्मेदारियां निभाऊं।

संक्षिप्त समाचार

मरियम नवाज की लाहौर में सर्जरी : अस्पताल से ही सरकारी कामकाज देखने का दावा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की लाहौर के एक अस्पताल में बड़ी सर्जरी हुई है। प्रांतीय वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरियम नवाज का ऑपरेशन लाहौर के शरीफ मेडिकल सिटी अस्पताल में हुआ। सर्जरी पूरी होने के बाद उन्हें उनके निवास स्थान 'जति उमरा' में शिफ्ट कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी मुख्यमंत्री ने राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों की निगरानी की। उन्होंने ईद-उल-अजहा के पहले दिन सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य सरकारी मामलों पर नजर रखी। हालांकि, मंत्री ने आधिकारिक तौर पर यह खुलासा नहीं किया कि यह सर्जरी किस वजह से की गई थी। सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के एक सूत्र ने संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री को थायराइड से संबंधित कुछ समस्याएं थीं। संभव है कि यह ऑपरेशन उसी समस्या के समाधान के लिए किया गया हो। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ यूजर्स इस बात को लेकर हैरान हैं कि सर्जरी के तुरंत बाद कोई व्यक्ति सरकारी कामकाज कैसे देख सकता है। अदील नाम के एक सोशल मीडिया एक्टिविस्ट ने 'एक्स' पर लिखा कि किसी भी बड़े ऑपरेशन के बाद मरीज को पूरी तरह होश में आने में कम से कम 24 से 48 घंटे का समय लगता है। एनेस्थीसिया और तेज दर्द निवारक दवाओं के असर के कारण मरीज को पूरे दिन नींद आती रहती है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में अचानक पूरे प्रांत की जिम्मेदारी संभालना मुमकिन नहीं लगता।

नफरत पर भारी पड़ी एकता : प्रिटोरिया के मंदिर में उत्पात के बाद एकजुट हुए 30 धार्मिक दल, दिया भाईचारे का संदेश

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया में एक हिंदू संगठन के मंदिर और कम्युनिटी हॉल में उत्पात की घटना सामने आई है। इस हरकत से पूरा समाज दुखी है। लेकिन नफरत फैलाने वाली इस कोशिश के खिलाफ सभी धर्मों के लोग एक साथ खड़े हो गए हैं। एकजुटता दिखाते हुए करीब 30 धार्मिक संगठनों ने एक साझा बयान जारी किया है। सभी ने प्रिटोरिया हिंदू सेवा समाज (पीएचएसएस) का पूरा साथ देने का वादा किया है। दरअसल, बीते सप्ताहांत कुछ शरारती तत्वों ने मंदिर की बाहरी दीवारों और कांच के दरवाजों पर कुछ नारे लिख दिए थे। त्शवाने के हिंदू, मुस्लिम और ईसाई संगठनों ने इस घटना की जमकर निंदा की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि लॉडियम के इस हिंदू मंदिर में उत्पात केवल एक समुदाय पर हमला नहीं है। यह हमारे आपसी सम्मान और शांति से रहने के तौर-तरीकों पर हमला है। पूजा करने की जगहें बहुत पवित्र होती हैं। ये जगहें प्रार्थना करने और समाज को जोड़ने के लिए होती हैं। इनका अपमान हम सबको चोट पहुंचाता है।

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से भारत दौरे पर, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नेप्यीडा, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा राष्ट्रपति मिन की मौजूदा पद पर भारत की पहली यात्रा होगी। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। राष्ट्रपति मिन पहले 1 जून को होने वाले इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले थे, लेकिन अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों में इबोला वायरस के प्रकोप के कारण चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया। चूंकि द्वयक्ष सम्मेलन भी इसी आयोजन के साथ प्रस्तावित था, इसलिए उसे भी टाल दिया गया। इसके बावजूद म्यांमार के राष्ट्रपति अब भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मिन 1 जून को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत और म्यांमार के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति मिन 30 मई को बिहार के बोधगया जाएंगे, जहां वे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का दौरा करेंगे। इसके बाद 2 जून को वह मुंबई पहुंचेंगे, जहां उद्योग और व्यापार जगत से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ-साथ विभिन्न औद्योगिक स्थलों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीति में म्यांमार का विशेष महत्व है। ऐसे में यह यात्रा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और गहरा तथा मजबूत बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस्राइल और रूस पर यौन हिंसा के आरोप, पहली बार ब्लैकलिस्ट में नाम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी होने वाली वार्षिक रिपोर्ट में इस बार इस्राइल और रूस की सेनाओं को पहली बार संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा के आरोपों के चलते ब्लैकलिस्ट में शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को औपचारिक रूप से जारी होने से पहले गुरुवार देर रात सामने आई। करीब 35 पन्नों की इस रिपोर्ट में दुनिया के 12 देशों के 77 सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों का उल्लेख किया गया है, जिन पर युद्ध और संघर्ष के दौरान यौन हिंसा में शामिल होने या जिम्मेदार होने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में ऐसे मामलों में पिछले साल की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल और कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में हिरासत में रखे गए लोगों के खिलाफ यौन हिंसा के पैटर्न दर्ज किए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा और वेस्ट बैंक से जुड़े कई मामलों की पुष्टि भी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 14 पुरुषों, 7 महिलाओं, 9 लड़कों और 1 लड़की के साथ यौन हिंसा की घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, जननांगों पर हमला, जबरन नग्न करना, बिना सुरक्षा कारणों के तलाशी और दुष्कर्म की धमकियां जैसे आरोप शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने दावा किया कि कुछ मामलों में इस्राइल डिफेंस फोर्स, जेल सेवा, विशेष बलों और पुलिस इकाइयों के सदस्यों पर सीधे आरोप लगे हैं।



ह पर भड़का इस्राइल; गुटेरेस से तोड़े संबंध : इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसे राजनीतिक और भ्रष्ट संगठन करार दिया। साथ ही कहा कि संयुक्त राष्ट्र लंबे समय से इस्राइल को निशाना बना रहा है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र की यह कार्रवाई पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यह फैसला हमास द्वारा किए गए वास्तविक यौन अपराधों और इस्राइल के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बीच झूठी समानता पैदा करने की कोशिश है।

गुटेरेस पर लगाए गंभीर आरोप : इस्राइल ने इस मुद्दे पर सीधे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को भी निशाने पर लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि गुटेरेस अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में बेबुनियाद आरोप गढ़ने का काम कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, यही गुटेरेस हैं जिन्होंने 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमास हमले को संदर्भित करने की कोशिश की थी और संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों की कथित संलिप्तता को छिपाया था। अब वे बिना किसी तथ्य के इस्राइल पर आरोप लगा रहे हैं। इस्राइल ने दावा किया कि उसने सभी आरोपों का पूरी तरह और स्पष्ट रूप से खंडन किया है। इस विवाद के बीच इस्राइल ने बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि नए महासचिव की नियुक्ति तक वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव कार्यालय के साथ सभी आधिकारिक संबंध समाप्त कर रहा है। इसे संयुक्त राष्ट्र और इस्राइल के रिश्तों में बड़ा तनाव माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने भी इस फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस्राइल को ब्लैकलिस्ट में डालना और हम पर युद्ध के हथियार के रूप में यौन हिंसा इस्तेमाल करने का आरोप लगाना बेहद शर्मनाक फैसला है। उन्होंने आगे कहा अब हमारा इस महासचिव से कोई संबंध नहीं बचा है। रूस की सेना और सुरक्षा बलों को भी पहली बार इस सूची में शामिल किया गया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि यूक्रेन युद्ध के दौरान युद्धबंदियों और नागरिक बंदियों के साथ यौन हिंसा की गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, रूस और उसके कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों में 310 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें ज्यादातर पीड़ित पुरुष बताए गए हैं। हालांकि रूस ने भी इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि यह राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि रूस भी यूक्रेन द्वारा रूसी युद्धबंदियों के साथ किए गए व्यवहार पर रिपोर्ट तैयार कर रहा है। रिपोर्ट में हमास का नाम भी शामिल है। 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमले के बाद हमास पहले से ही संयुक्त राष्ट्र की ब्लैकलिस्ट में मौजूद है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इस्राइल द्वारा जांच के लिए पर्याप्त पहुंच नहीं दिए जाने के कारण कई मामलों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

'ईरान-अमेरिका समझौते के करीब लेकिन अभी डील नहीं हुई है', उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान

मैरीलैंड (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने और दीर्घकालिक शांति स्थापित करने की दिशा में बातचीत अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। हालांकि, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है और यह कहना जल्दबाजी होगी कि अंतिम समझौता कब और क्या हो पाएगा। जेडी वेंस ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं और विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, लेकिन काफी करीब हैं और बातचीत जारी रहेगी। वेंस ने दावा किया कि अगर समझौता हो जाता है तो इससे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है और उसके परमाणु कार्यक्रम को लंबे समय तक पीछे धकेलने की स्थिति में है। उनके अनुसार यह अमेरिकी जनता के हित में होगा।

युद्धविराम बढ़ाने का प्रस्ताव : रिपोर्टों के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में मौजूदा युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर औपचारिक वार्ता शुरू करने की योजना शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच एक रूपरेखा तैयार हो चुकी है, लेकिन उसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। हालांकि, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि किसी समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और न ही इसकी पुष्टि हुई है।

परमाणु कार्यक्रम सबसे बड़ा मुद्दा : अमेरिका लंबे समय से ईरान से उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बंद करने और मौजूदा भंडार को खत्म करने की मांग करता रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि इस सामग्री का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। वेंस ने कहा कि अमेरिका को लगता है कि ईरान इस बार अच्छी नीयत के साथ बातचीत कर रहा है। हालांकि, अप्रैल में युद्धविराम लागू होने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार यह कह चुके हैं कि समझौता करीब है, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, संभावित समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रावधान हो सकता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिकी वित्त मंत्री का दावा- आर्थिक नाकेबंदी से बेदम ईरान अब परमाणु डील के लिए मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से जारी भारी तनाव के बाद आखिरकार एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिलती दिख रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एलान किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई और आर्थिक प्रतिबंधों की रणनीति रंग लाई है। इसी भारी दबाव की वजह से ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने के लिए टेबल पर आने को मजबूर हुआ है। बेसेंट ने कहा कि यह सफलता आज तक कोई दूसरा अमेरिकी प्रशासन हासिल नहीं कर पाया था। अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा।

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता पूरी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पर निर्भर करता है। ट्रंप अमेरिकी जनता के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। इस समझौते के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने बेहद सख्त शर्तें रखी हैं:- ईरान को गारंटी देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह मुक्त करना होगा। जब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह नहीं खुलता और ईरान यूरेनियम सौंपने पर राजी नहीं होता, तब तक कोई भी डील फाइनल नहीं होगी। ईरान की ओर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल सप्लाई ठप हो गई थी। फिलहाल करीब 2,000 व्यापारिक जहाज खाड़ी से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, बातचीत शुरू होने से मई में कच्चे तेल की कीमतें 10 फीसदी तक गिर चुकी हैं और संकट टलते ही दाम और तेजी से नीचे आएंगे।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के वार्ताकारों ने 60 दिनों के अस्थायी समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य मौजूदा नाजुक युद्धविराम को आगे बढ़ाना है। मंगलवार तक सभी शर्तें तय हो चुकी हैं, बस दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी बाकी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अंतिम मसौदे की समीक्षा के लिए कुछ दिनों का समय मांगा है। यदि यह समझौता फाइनल होता है, तो यह 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष के बाद से अब तक की सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत होगी।

टेस्टिंग के दौरान फटा ब्लू ओरिजिन का रॉकेट; आसमान में दिखा खौफनाक मंजर; मस्क ने दी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसका विशाल न्यू ग्लेन रॉकेट लॉन्च पैड पर टेस्टिंग के दौरान अचानक विस्फोट का शिकार हो गया। यह घटना गुरुवार रात फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्थित लॉन्च कॉम्प्लेक्स-36 में हुई। रॉकेट में इंजन फायरिंग टेस्ट चल रहा था, तभी तेज धमाके के साथ आग का बड़ा गोला आसमान में दिखाई दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि आसपास के कई इलाकों में घर तक हिल गए। सोशल मीडिया पर लोगों ने धमाके की तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिनमें आसमान नारंगी रंग की आग से चमकता नजर आया।



कंपनी ने सभी कर्मचारियों के सुरक्षित होने की दी जानकारी : ब्लू ओरिजिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि टेस्ट के दौरान तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। कंपनी के मुताबिक, सभी कर्मचारियों की गिनती कर ली गई है और कोई भी घायल नहीं हुआ है। कंपनी ने कहा कि आज के हॉटफायर टेस्ट के दौरान हमें एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा। मामले की जांच की जा रही है और जल्द अपडेट साझा किया जाएगा। स्थानीय आपातकालीन अधिकारियों ने भी साफ किया कि विस्फोट के बाद किसी जहरीले धुएं या अन्य खतरे की आशंका नहीं है।

एलन मस्क की आई प्रतिक्रिया : स्पेसएक्स के मालिक और अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने इस घटना पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेहद संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए लिखा 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण। रॉकेट कठिन होते हैं।' ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट पहले भी तकनीकी समस्याओं को लेकर चर्चा में रहा है। अप्रैल में इसकी उड़ान को रोक दिया गया था क्योंकि इंजन फेल होने के कारण यह एक सैटेलाइट को गलत कक्षा में छोड़ बैठा था। यह न्यू ग्लेन रॉकेट की केवल तीसरी उड़ान मानी जा रही थी। ब्लू ओरिजिन इस भारी-भरकम रॉकेट का इस्तेमाल नासा के चंद्र मिशनों के लिए लैंडर लॉन्च करने में करना चाहता है।

अंतरिक्ष दौड़ में बड़ा नाम बनना चाहती है ब्लू ओरिजिन : जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन लंबे समय से एलन मस्क की स्पेसएक्स को चुनौती देने की कोशिश कर रही है। न्यू ग्लेन रॉकेट को कंपनी के भविष्य के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है। इस रॉकेट का नाम अमेरिका के पहले अंतरिक्ष यात्री जॉन ग्लेन के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले पहले अमेरिकी के रूप में इतिहास रचा था।

स्पेलिंग बी के चैंपियन बने भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख; 90 सेकंड में बताए 32 शब्द, इतना मिला इनाम

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई, जबकि ईशान 25 शब्द ही सही लिख सके। इसी प्रदर्शन के दम पर श्रेय को विजेता घोषित किया गया। श्रेय पारिख इससे पहले साल 2022 स्क्रिप्स स्पेलिंग बी में पारिख 89वें स्थान पर आए थे। साल 2024 में तीसरे स्थान पर रहे थे। 2024 में भी प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। इस जीत के साथ उन्हें 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि यानी लगभग 41.5 लाख रुपये अपने नाम कर ली। साथ ही एक स्मारक पदक, प्रतिष्ठित स्क्रिप्स कप, मेरियम-वेबस्टर की ओर से 2,500 डॉलर, डेल्टा एयरलाइंस की ओर से 1,000 डॉलर के फ्लाइट क्रेडिट और एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की ओर से 400 डॉलर मूल्य की संदर्भ पुस्तकें प्रदान की जाएंगी। तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता सोमवार को वॉशिंगटन स्थित डीए आर कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में शुरू हुई थी। इसमें अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, गुआम, प्यूर्टो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, यूरोप स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों और बहामास, कनाडा, घाना, नाइजीरिया व संयुक्त अरब अमीरात सहित पांच अन्य देशों के कुल 247 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में नौ प्रतिभागियों ने जगह बनाई थी। वहीं, जॉर्जिया के 12 वर्षीय सर्व धारवाने तीसरे स्थान पर रहे। स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित स्पेलिंग प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसका आयोजन हर साल अमेरिका में किया जाता है। इस प्रतियोगिता में हजारों छात्र हिस्सा लेते हैं और कई चरणों से गुजरने के बाद विजेता का चयन होता है। इस प्रतियोगिता में केवल आठवीं कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं और उनकी उम्र 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगियों को सबसे पहले दो प्रारंभिक राउंड पास करने होते हैं। इनमें एक स्पेलिंग राउंड और एक मल्टीपल-चॉइस वोकैबुलरी राउंड शामिल होता है, जिसमें पहले से जारी शब्द सूची के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रारंभिक चरण में सफल रहने वाले प्रतिभागियों को लिखित स्पेलिंग और वोकैबुलरी टेस्ट देना पड़ता है। इसके बाद शीर्ष 100 या उसके आसपास के प्रतिभागी क्वार्टरफाइनल में पहुंचते हैं। क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल राउंड के दौरान प्रतिभागियों से मंच पर माइक्रोफोन के सामने स्पेलिंग और शब्दावली से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। गलत उत्तर देने वाले प्रतियोगी बाहर हो जाते हैं।

डील: 300 अरब डॉलर निवेश से लेकर लेबनान में हमले रोकने तक, आखिर समझौते में क्या-क्या शामिल?



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने के लिए तैयार हो रही संभावित डील अब अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है। अगर यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो इसमें केवल युद्धविराम ही नहीं, बल्कि परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत, होर्मुज जलडमरूमध्य, लेबनान संकट और बड़े निवेश पैकेज जैसे कई अहम मुद्दे शामिल होंगे। प्रस्तावित समझौते के तहत अमेरिका और ईरान 60 दिनों तक संघर्षविराम बढ़ाएंगे। इसी अवधि में दोनों देश स्थायी शांति समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत बातचीत करेंगे। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान समुद्री बारूदी सुरंगें हटाएगा, जबकि अमेरिका नौसैनिक प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा।

परमाणु कार्यक्रम पर सबसे बड़ी बातचीत : डील का सबसे संवेदनशील हिस्सा ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा है। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता दे। साथ ही समृद्ध यूरेनियम के भंडार और भविष्य में यूरेनियम संवर्धन के नियमों पर भी बातचीत होगी। समझौते में अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत और विदेशों में फंसी ईरान की अरबों डॉलर की संपत्तियों को लेकर भी चर्चा शामिल है। ईरान लंबे समय से अपने जमे हुए फंड तक पहुंच की मांग करता रहा है। डील में लेबनान में जारी संघर्ष को कम करने और हिजबुल्ला व इस्राइल के बीच तनाव घटाने से जुड़ा प्रावधान भी शामिल बताया जा रहा है। हालांकि लेबनान को लेकर दोनों पक्षों की व्याख्या अलग-अलग बताई जा रही है। डील का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा करीब 300 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय निवेश और पुनर्निर्माण कार्यक्रम का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के अनुसार अंतिम समझौता होने पर अमेरिका ईरान में बड़े निवेश को सुगम बनाने में मदद कर सकता है। तेल, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों की एंट्री की संभावना भी जताई गई है।

जेडी वेंस बोले-अमेरिका और ईरान समझौते के बेहद करीब, पर यूरेनियम संवर्धन पर अब भी फंसा पेच

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस वक्त बारूद के ढेर पर बैठा है। गाजा में बढ़ते सैन्य अभियान, इस्राइल-ईरान के बीच लगातार बढ़ रही तल्खी, लेबनान में फिर तेज होते हमले और अमेरिका की बढ़ती दखल ने पूरे इलाके का तनाव कई गुना बढ़ा दिया है। हालात ऐसे हैं कि हर कुछ घंटे में कोई नया हमला, बड़ा बयान या कूटनीतिक हलचल दुनिया की सुर्खियां बन रही है। तेल कारोबार से लेकर वैश्विक राजनीति तक, हर मोर्चे पर इसका असर दिखाई देने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को रोकने के लिए समझौता लगभग तैयार है, लेकिन अंतिम सहमति से पहले दोनों पक्षों को कुछ बेहद पेचीदा मुद्दों को सुलझाना होगा, जिसकी पुष्टि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्तावित डील के तहत युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाया जाएगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर नए सिरे से बातचीत शुरू होगी। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों की ओर से समझौते का एक ढांचा तैयार होने की बात कहने के बावजूद, ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने इसके फाइनल होने से इनकार किया है। खुद वेंस ने साफ किया है कि यूरेनियम संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दों पर अभी भी बातचीत का दौर जारी है और जब तक डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की अंतिम मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक समझौते की सटीक समयसीमा तय करना जल्दबाजी होगी।

ईरानी दावे को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने किया खारिज : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरानी



मीडिया के उन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के बुशहर प्रांत में एक अमेरिकी विमान को मार गिराया गया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर स्पष्ट रूप से बयान जारी कर कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह गलत है, अमेरिका का कोई भी विमान क्रैश नहीं हुआ है और उनके सभी हवाई एसेट्स सुरक्षित और संपर्क में हैं। दोनों देशों के बीच जारी तनाव के बीच इस घटना को एक भ्रामक प्रचार या इन्फॉर्मेशन वॉर के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

हरलान उलमैन बोले- महंगाई और चुनाव के बीच फंसे ट्रंप, ईरान से समझौता करना आसान नहीं : पूर्व अमेरिकी नौसैनिक अधिकारी हरलान उलमैन का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले 60 दिनों में समझौता होना मुश्किल है। दोनों देशों के बीच यूरेनियम और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर विवाद चल रहा है। अमेरिका में बढ़ती महंगाई के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर समझौता करने का भारी घरेलू दबाव है। हालांकि, ट्रंप को भरोसा है कि आगामी मध्यावधि चुनावों में उनकी रिपब्लिकन पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। उल्मन के अनुसार, ट्रंप पर किसी समझौते के लिए कोई जबरदस्ती नहीं है, लेकिन उन्हें इस तनाव को जल्द खत्म करना होगा। अमेरिका अपनी नौसेना को हमेशा के लिए वहां तैनात नहीं रख सकता है और इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

ईरान का बड़ा दावा- आसमान में मार गिराया दुश्मन का विमान : ईरान की वायु सेना ने बुशायर प्रांत में एक दुश्मन के विमान को मार गिराने का दावा किया है। यह घटना जाम काउंटी इलाके में हुई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, हवाई रक्षा प्रणाली ने इस विमान को बीच रास्ते में ही रोककर नष्ट कर दिया। वहां के स्थानीय गवर्नर मसूद तंगेस्तानी ने इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के बाद अब शहर में स्थिति पूरी तरह सामान्य है। सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी के मुताबिक यह घटना पिछले एक घंटे के भीतर ही हुई है।

ईरानी सेना ने चार जहाजों पर की चेतावनी भरी गोलीबारी, होर्मुज में फिर बढ़ा तनाव : पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर के मुताबिक, ईरानी सुरक्षा बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास चार जहाजों पर वॉर्निंग शॉट्स फायर किए। दावा किया गया कि ये जहाज बिना समन्वय के स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार चेतावनी दिए जाने के बावजूद जहाज नहीं रुके, जिसके बाद ईरानी बलों ने फायरिंग की और जहाजों को पीछे हटना पड़ा। फिलहाल जहाजों की पहचान और किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.